शनिवार
23 मार्च 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

रोहिणी आचार्य छपरा व मीसा पाटलिपुत्र से लड़ेंगी चुनाव 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

सुपौल में बन रहे पुल का गार्डर गिरा, एक की मौत, नौ घायल

- सुपौल के बकोर -मधुबनी जिले के बीच कोसी नदी पर बन रहा पुल
- सुबह सात बजे अचानक पुल के पिलर नंबर 50, 51 और 52 के गार्डर भरभरा कर गिए गए

एजेंसी/ पटना

सुपौल में कोसी नदी पर बन रहे पुल का गार्डर गिर गया। हादसे में कई मजदूर दब गए। इनमें से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने घायल सात मजदूरों को अस्पताल में भर्ती करवाया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि सुपौल के बकोर और

मधुबनी जिले के बीच यह पुल बन रहा है। सुबह सात बजे अचानक पुल के पिलर नंबर 50, 51 और 52 के गार्डर भरभरा कर गिए गए। इधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि गार्डर के नीचे करीब 15 मजदूरों के दबने की आशंका है। इनमें से आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि हमलोगों ने कहा था कि पुल की गुणवत्ता में काफी कमी है। हमलोगों ने इसका विरोध भी किया। लेकिन, पुल निर्माण कंपनी ने ध्यान नहीं दिया।

डीएम बोले... सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है

सुपौल के डीएम कौशल कुमार ने बताया कि हादसे की वजह से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 9 लोग घायल हो गए। सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। इस पुल को 1200 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। शुक्रवार की सुबह करीब 7 बजे हुए इस हादसे में कई लोग घायल हो गए। गार्डर गिरा तो वहां मौजूद पुल बनाने वाली कंपनी के लोग मौके से फरार हो गए। इस पुल को बनाने का कांट्रैक्ट ट्रांस रेल कंपनी के पास है।

भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत देश का सबसे लंबा पुल का निर्माण

केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत देश के सबसे लंबे पुल का निर्माण हो रहा है। परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से 1200 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई 10.2 किलोमीटर से ज्यादा है। एप्रोच रोड मिलाकर पुल की कुल लंबाई 13.3 किलोमीटर होगी। पुल निर्माण का काम ट्रांस रेल कंपनी करवा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद कंपनी के अधिकारी और इंजीनियर मौके पर नहीं आए। पुल का निर्माण 2023 तक पूरा होना था, लेकिन कोरोना और बाढ़ के कारण पुल निर्माण का समय बढ़ गया।

गोरखपुर जा रही गोदान एक्सप्रेस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी/मुंबई

मुंबई से गोरखपुर जाने वाली गोदान एक्सप्रेस में आग लगने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि ट्रेन मुंबई से चलकर महाराष्ट्र के नासिक रोड स्टेशन के पास पहुंची थी। इसी दौरान गोदान एक्सप्रेस के आखिर वाली लगेज बोगी में अचानक आग लग गई। वहीं आग लगने की सूचना मिलते ही एहतियात के तौर पर ट्रेन के बाकी हिस्सों को लगेज कम्पार्टमेंट से अलग कर दिया गया। पूरा मामला दोपहर तीन बजे का बताया जा रहा है। वहीं इस हादसे में किसी के घायल होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई है और आग पर काबू पा लिया गया है।

आग लगने की खबरों से लोगों में दहशत देखी गई। गनीमत रही कि आग किसी यात्री बोगी में नहीं लगी थी और सभी लोग इस हादसे में सुरक्षित बताए जा रहे हैं। अगर किसी यात्री बोगी में आग लगी होती एक बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं मौके पर रेलवे के अधिकारी भी पहुंच गए हैं। फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया और रेलवे कर्मचारी भी राहत कार्य में लग गए।

खबरें फटाफट

सदगुरु जग्गी वासुदेव की हालत में तेजी से सुधार

नई दिल्ली। ब्रेन सर्जरी के बाद ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव की हालत में सुधार हुआ है। ईशा फाउंडेशन ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए बताया कि सद्गुरु तेजी से ठीक हो रहे हैं। बता दें कि 17 मार्च को सर्जरी की गई थी, उन्हें अब वेंटिलेटर से भी हटा दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सर्जरी के बाद सद्गुरु से बात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सद्गुरु के जल्द ठीक होने की कामना भी की है।

तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं पीएम: टीएमसी

कोलकाता। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर हो गया है। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ ब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तानाशाह की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी हो रही हैं, उससे साफ लगता है कि भाजपा आगामी चुनावों में जीत हासिल करने की हताशा में यह सब कुछ कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद ओ ब्रायन ने कहा कि प्रधानमंत्री तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। नियम बदले जा रहे हैं, चुनाव एजेंटों को गिरफ्तार किया जा रहा है, राज्य सरकार के अधिकारियों को स्थानांतरित किया जा रहा है। आखिर क्यों? उन्होंने यह भी सवाल किया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को 24 घंटे में तीन बार बदला गया तो ईडी निदेशक को क्यों नहीं बदला गया?

बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर दर्दनाक हादसा, चार की मौत

बाइक की टक्कर में सड़क पर गिरे छह लोगों को ट्रक ने रौंदा

रफ्तार का कहर

- पीरो थाना क्षेत्र के तिवारीडीह गांव के समीप हुई सड़क दुर्घटना
- हादसे में पिता-पुत्री समेत चार लोगों की चली गई जान, मां बेटे सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल

केटी न्यूज/आरा

बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर पीरो थाना क्षेत्र के तिवारीडीह गांव के समीप शुक्रवार को एक बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार छह लोगों को रौंद डाला। उसमें पिता-पुत्री समेत चार लोगों की मौत हो गयी, जबकि मां बेटे सहित दो गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों की हालत गंभीर है, जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। बाइक की आमने-सामने की टक्कर के बाद सड़क पर गिरे सभी छह लोगों को ट्रक रौंदते निकल गया। उसमें पिता-पुत्री की घटनास्थल पर जबकि मैट्रिक के दो छात्रों की इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गयी। मृतकों में

सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के नौवां गांव निवासी 40 वर्षीय वीर कुंवर राम, उनकी छह वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी, तरारी थाना क्षेत्र के तिरोजपुर गांव निवासी उमेश पासवान के 18 वर्षीय पुत्र अंटू कुमार और रविंद्र प्रसाद के 19 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार शामिल थे। दोनों मैट्रिक के छात्र थे और रिश्ते में चाचा-भतीजे भी बताये जा रहे हैं। घायलों में मृत वीर कुंवर राम की पत्नी हादसे के बाद संजू देवी और नौ वर्षीय पुत्र ओम कुमार शामिल हैं। हादसे के बाद ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा और सड़क पर उतर गये। आक्रोशित ग्रामीण शव के साथ सड़क जाम कर दिया गया। उस कारण स्टेट हाइवे पर पांच घंटे तक आवागमन बाधित रहा। सूचना मिलने पर सिकरहट्टा, इमादपुर और पीरो थानाध्यक्ष पहुंचे। मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों के आश्वासन के बाद लोगों का गुस्सा शांत हो सका और शव को पोस्टमार्टम कराया गया।

लोगों ने किया सड़क जाम, पांच घंटे बाधित रहा आवागमन

बीमार बहन से मिलकर घर लौट रहा था परिवार, हो गया हादसा

नौंवा गांव निवासी वीर कुंवर राम की पत्नी संजू देवी ने बताया कि उसकी बड़ी बहन विमला देवी की तबीयत खराब थी। उसे लेकर वह अपने पति वीर कुंवर राम,पुत्री शिवानी कुमारी और पुत्र ओम जी के साथ बहन से मिलने उसके गांव रोहतास जिले के कारकाट गई थी। शुक्रवार की सुबह सभी बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। तभी हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि दूसरी बाइक पर सवार अंटू कुमार और उसका चचेरा भतीजा अभिषेक कुमार बाइक से अपने गांव से पीरो जा रहे थे। उसी दौरान तिवारीडीह गांव के समीप दोनों की बाइक में सीधी भिड़ंत हो गई। उससे सभी सड़क पर गिर पड़े। तभी पीरो की तरह जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक सभी को रौंदते निकल गया। उसमें वीर कुंवर राम, उसकी बेटी सहित चार लोगों की मौत हो गयी। हादसे में वीर कुंवर राम की पत्नी संजू देवी और पुत्र ओम जी भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उनके पुत्र ओम को आरा सदर अस्पताल में इलाज के बाद पटना रेफर कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने व्यक्त की शोक संवेदना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोजपुर जिला के पीरो थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और मैं इस घटना से मर्माहत हैं। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में घायल लोगों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

पटना में खाना बनाने के घर में लगी आग, सात लोग झुलसे

पटना। बेऊर थाना क्षेत्र के सिपारा इलाके में गुरुवार की रात खाना बनाने के दौरान एक घर में भीषण आग लगी। इस दौरान रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। एक ही परिवार के 7 से ज्यादा लोग हादसे के शिकार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि काफी देर से गैस का रिसाव हो रहा था। किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। रसोई गैस लीक होने के कारण ही इतना बड़ा हादसा हुआ। घायलों को पटना के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हादसे में झुलसे सात में से तीन लोगों की हालत गंभीर है। अचानक खाना बनाने के दौरान एक रसोई गैस सिलेंडर में आग लग गई। बताया जा रहा है कि काफी प्रयास के बावजूद भी आग नहीं बुझी। इस दौरान वहां रखे सिलेंडर में अचानक ब्लास्ट हो गया।

शराब नीति घोटाला केस में गिरफ्तार सीएम अरविंद केजरीवाल 28 तक रिमांड पर रहेंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल ईडी की गिरफ्त में हैं। इस बीच राउज एवेन्यू कोर्ट से भी केजरीवाल को तगड़ा झटका लगा है। दरअसल अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी की हिरासत में भेज दिया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि शराब घोटाला के सरगना अरविंद केजरीवाल ही हैं। इस दौरान ईडी ने कोर्ट से अरविंद केजरीवाल की रिमांड मांगी ताकि और पूछताछ की जा सके। कोर्ट से ईडी ने इस दौरान 10 दिनों की रिमांड मांगी, जिसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी को अरविंद केजरीवाल की 6 दिन की रिमांड दी है। ऐसे में अब अरविंद केजरीवाल 28 मार्च तक रिमांड पर रहेंगे।

कोर्ट में ईडी ने क्या कहा

बता दें कि अरविंद केजरीवाल को ईडी ने गुरुवार की रात गिरफ्तार किया था। इसके बाद अरविंद केजरीवाल के समर्थक और आम आदमी पार्टी के नेता सड़क पर उतर आए हैं। आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय ने इस दौरान इंडी गठबंधन के घटक दलों से कहा कि वे भी इस देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में भाग लें। बता दें कि राउज एवेन्यू कोर्ट से पूर्व अरविंद केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की तरफ से उन्हें राउज एवेन्यू

कोर्ट या हाईकोर्ट जानें को कहा गया, जिसके बाद केजरीवाल ने अपनी याचिका वापस ले ली थी।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सबूत

इसी कड़ी में अब राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी को अरविंद केजरीवाल की रिमाड दे दी है। बता दें कि इस दौरान ईडी ने कोर्ट में दावा किया कि शराब घोटाले में जो पैसे मिले, उसका इस्तेमाल गोवा विधानसभा के चुनाव में किया गया ता। ईडी ने कहा कि केजरीवाल के रिश्वत मांगने का सबूत है। इस मामले का आरोपी विजय नायर अरविंद केजरीवाल के लिए काम कर रहा था। साथ ही केजरीवाल ने व्यवसायियों से पैसा लिया और दक्षिण लॉबी से पैसा मांगा था। बता दें कि इसी मामले में बीआरएस नेता के कविता को पहले ही ईडी गिरफ्तार कर चुकी है। साथ ही आज कोर्ट ने के. कविता की जमानत याचिका को भी खारिज कर दी है।

चेपॉक स्टेडियम में आयोजित इनोग्रेशन सेरेमनी में बॉलीवुड के स्टार्स ने बिखेरा जलवा

इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन का भव्य आगाज

एजेंसी/बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन का आगाज भव्य तरीके से हुआ। मुकाबले से पहले ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड के स्टार्स ने अपने परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया। चेपॉक स्टेडियम में करीब 40 मिनट तक चली सेरेमनी में स्टार्स ने अपने गाने और डांस से दर्शकों के साथ खिलाड़ियों को भी झूमने पर मजबूर कर दिया। सबसे पहले अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने अपने डांस से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद सिंगर्स ने दर्शकों को मन जीत लिया। सोनू निगम ने पहले अपने गाने से समां बांधा। उसके बाद एआर रहमान ने महफिल लूट ली। एआर रहमान के साथ अन्य सिंगर्स ने अपने परफॉर्मेंस से दिल जीत लिया। इसके साथ ही ओपनिंग सेरेमनी का अंत हुआ और आसमान में आतिशबाजी हुई।

उसके बाद बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल को मंच पर आमंत्रित किया गया है। दोनों टीमों के कप्तान फाफ डुप्लेसी और ऋतुराज गायकवाड़ को भी स्टेज पर बुलाया गया। गायकवाड़ ट्रॉफी के साथ पहुंचे। चेपॉक में सीएसके के खिलाफ आरसीबी टीम के कप्तान फाफ डू प्लेसी ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया।

पिछले दो लोस चुनाव से पाटलीपुत्र व सारण सीट पर भाजपा का है कब्जा

लालू की दो बेटियां लड़ेंगी लोस चुनाव: रोहिणी छपरा व मीसा पाटलिपुत्र से उतरेंगी मैदान में

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव आते ही सभी समीकरण खुलकर सामने आने लगे है। अपने पिता को नई जिन्दगी के तौर पर किडनी डोनेट करने वाली रोहणी आचार्य भी इस लोकसभा में अपनी किस्मत आजमाने को तैयार है। राजद के गढ़ माने जाने वाले छपरा (सारण) से चुनाव लड़ने की तैयारी में है। हालांकि पिछले दो लोकसभा से छपरा सीट पर भाजपा ने अपना कब्जा जमा कर रखा हुआ हुआ है। वर्ष 2009 के चुनाव में लालू प्रसाद यादव ने इस सीट से चुनाव जीत कर लोकसभा पहुंचे थे। वहीं 2014 में रोहणी आचार्य की माता व पूर्व मुख्यमंत्री राबडी देवी चुनावी मैदान में आयी थी। लेकिन, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2019 के चुनाव में चंद्रिका राय राजद की सीट पर आये थे। उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा था। वहीं लालू की बड़ी

बेटी मीसा भारती पाटलिपुत्र सीट पर फिर चुनाव लड़ेंगी। सूत्रों के मुताबिक, रोहिणी को पिछले एक महीने से छपरा, काराकाट, पश्चिमी चंपारण, मधेपुरा और पाटलिपुत्र जैसी सीटों से चुनाव लड़ने का ऑफर आया हुआ है। खुद लालू यादव बेटी को चुनाव लड़ाने के इच्छुक हैं। वहीं पाटलिपुत्र सीट पर मीसा ने दावा ठोंका हैं। रीतलाल ने भी पेश की दावेदारी इधर, लालू यादव की सबसे बड़ी बेटी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने पाटलिपुत्र सीट पर दावा ठोंक दिया है। पाटलिपुत्र सीट पर राजद को मिल रही लगातार हार मिल रही है। इसको देखते हुए ये कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार लालू यादव पाटलिपुत्र से रीतलाल यादव या भाई वीरेंद्र को टिकट दे सकते हैं। लालू यादव से मुलाकात के बाद रीतलाल यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चाह रहे हैं कि हम पाटलिपुत्र क्षेत्र से चुनाव जीतें। जैसा वो सोचेंगे, उसी हिसाब से हम लोगों को चलना है।

सम्राट बोले-लालू ने किडनी के बदले रोहिणी को दिया टिकट

पटना। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जो अपनी बेटी को भी नहीं छोड़ा हो, उसका नाम है लालू प्रसाद यादव। लालू यादव टिकट बेचने में माहिर खिलाड़ी हैं। पहले अपनी बेटी की किडनी ली और उसके बाद लोकसभा चुनाव का टिकट दे दिया। वहीं दूसरी ओर इसका जवाब देते हुए रोहणी आचार्य ने लिखा है कि जवाब जनता के बीच दूंगी। यह सम्राट चौधरी की ओछी सोच और ओछे चरित्र वालों की हर ओछी बात का जवाब जनता के बीच, जनता जनार्दन की अदालत में दूंगी। सही-गलत का फैसला जनता करेगी। सम्राट के बयान पर राजद ने पलटवार किया है। राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयंत जिज्ञासु ने कहा कि सम्राट चौधरी के पास कोई लोक-लाज नहीं है। वे इतना नीचे गिर गए हैं कि माता-पिता की सेवा करने वाले और जान बचाने वाली संतान पर भी टिप्पणी कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी और उनके पिता को कैसे टिकट मिला था और वह मंत्री कैसे बने थे.. जरा यह भी अब वह बता दें। उन्होंने अपना अंग किन्हें डोनेट किया था। जिनके अंदर पारिवारिक और सामाजिक मूल्य का घनघोर अभाव होता है, वही इस तरह की टिप्पणी करते हैं।

गिरफ्तारी पर बोले गिरिराज... बेनकाब हुआ केजरीवाल का चेहरा, दिल्ली की जनता को आप ने दिया धोखा

केटी न्यूज/पटना

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद देश की सियासत गरमा गई है। विपक्ष लगातार इसे भाजपा की साजिश बता रही है यो भाजपा का कहना है कि जो जैसा कर्म करेगा उसको वैसा भुगतना होगा। ऐसे में अब भाजपा नेता और केंद्रीय नेता गिरिराज सिंह ने भी इस मामले में जोरदार हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि -अन्ना हजारे आंदोलन का चेहरा अरविंद केजरीवाल आज बेनकाब हो गए हैं। यह देश कानून से चलता है और कानून का सम्मान अगर सत्ता के शीर्ष पर बैठे नहीं करेंगे तो यह भुगतना तो होगा।

केजरीवाल साहब कानून को धत्ता दिखाते रहें। जबकि यह खुद संवैधानिक संस्था के उच्च पद पर बैठे रहे हैं। ऐसे में अगर यह सम्मान नहीं करेंगे तो कौन करेगा।केजरीवाल को 10 समन मिला और उसके बाद भी यह हाई कोर्ट चले गए। यहां हाईकोर्ट ने इन्हें बड़ी नहीं किया इससे साफ जाहिर होता है कि उनके चेहरे पर नकाब जो लगे हैं वो आज बेनकाब कर दिया है। इन्होंने जनता का केवल विश्वास नहीं

तोड़ा, जनता के साथ जिस उम्मीद तरह से इनका समर्थन दिया उसके समर्थन के साथ भी धोखा देने का काम किया है। उधर, लालू यादव पर हमला बोलते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि महागठबंधन लालू की मर्जी पर चलता है। महागठबंधन उनके पीछे-पीछे चलता है। महागठबंधन में किसी को हिम्मत नहीं है कि लालू जी के इस तानाशाही रवैया के खत्म करें या विरोध करें। कांग्रेस दौड़ दौड़ कर गेट पर दस्तक दे रहा है मेरी सीट पर उम्मीदवार क्यों नहीं उतार रहे है लालू प्रसाद। हमसे हटेगा नहीं और उनका तानाशाही रवैया जाएगा नहीं।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष का आरोप... भाजपा ने बना दिया है पंगु, पोस्टर लगाने तक का नहीं है पैसा

केटी न्यूज/पटना

महागठबंधन में बिना सीट बंटवारे के ही राजद ने प्रत्याशियों के लिए सिंबल बांटना शुरू कर दिया तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह व भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने अलग-अलग राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद से मुलाकात की। इसके बाद अब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने प्रेस वार्ता किया है। इस दौरान इस बात को लेकर दुःख भी जताया है कि कांग्रेस को पंगु बना दिया है। दरअसल, बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पार्टी का खाता सीज करने को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। इस दौरान उन्होंने कहा है कि- हमारा खाता फ्रीज कर दिया गया है। खाता फ्रीज करना सत्ताधारी दल का खतरनाक खेल है। बीजेपी ने खुद हजारों करोड़ भर लिए और हमारे बैक अकाउंट फ्रीज कर दिए। हमें पंगु बना दिया गया है। हमारे पास पोस्टर लगवाने तक का पैसा नहीं है। इसके आगे उन्होंने कहा कि - चुनावी बॉन्ड में 60 प्रतिशत पैसा

बीजेपी को गया है। जबकि चुनाव के समय हमारे 11 बैंक खाते को सीज किया गया है। इतना ही नहीं हमने कितनी कोशिश की तो कुछ खातों को जुमार्ना लेकर चालू किया गया। ये जानबूझकर चुनाव के ऐलान के बाद अकाउंट सीज किया गया है। वो लोग चाहते हैं कि हमलोग किसी भी तरह प्रचार नहीं करें। लेकिन, इसके बाद भी जनता हमारे साथ हैं और इस बार बीजेपी को पूरी ताकत के साथ हराने की कोशिश की जायेगी। उधर, महागठबंधन में सीट बंटवारा को लेकर चल रही गहमागहमी और अनबन की चर्चा को लेकर कांग्रेस प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि कहीं कोई समस्या नहीं है, हमलोग एक से दो दिन में सीट का बंटवारा कर लेंगे। सबकुछ तय समय पर हो जाएगा। इसको लेकर कहीं को असमंजस की हालत नहीं है। हमारा एक ही मकसद हैं इस बार भाजपा को हराना है। इसके लिए महागठबंधन के सभी साथी एकजूट है। विरोधी जानबुझकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाने का प्रयास कर रह है। परंतु उनकी एक नहीं चलेगी।

साक्ष्य के अभाव में पूर्व सांसद आनंद मोहन को कोर्ट से मिली राहत

पटना। 28 वर्ष पुराने मामले में पूर्व सांसद आनंद मोहन को बड़ी राहत मिली। कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में आनंद मोहन को जमानत दे दिया। आनंद मोहन ने भारतीय न्याय व्यवस्था का आभार जताते हुए कहा कि जेल में रहते हुए मुझे जान बुझकर फंसाया जाने का काम किया गया था। वहीं शिवहर से पत्नी लवली आनंद को लेकर के कहा शिवहर की जनता हमेशा से मेरे साथ रही है और बेहद प्यार करती है। जेल में रहते हुए वहां की जनता ने संसद में भेजने का काम किया था और इस बार भी ऐसा ही होगा। हम तैयारी में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार जनता विरोधियों को बता देंगी। जनता का प्यार व सम्मान सदैव मिलता रहा है। वहीं विरोधी झूठे आरोप में फंसाते रहे है।

लोस चुनाव: बेगूसराय सीट पर डी राजा ने प्रत्याशी का किया एलान

पटना। लोकसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन के प्रत्याशियों का नाम सामने आने लगा है। आरजेडी के बाद अब महागठबंधन में शामिल सीपीआई ने भी बिहार की एक सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम का एलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने बेगूसराय के लिए सीपीआई उम्मीदवार के नाम की घोषणा की है। सीपीआई ने कॉमरेड अवदेश कुमार राय को बेगूसराय से अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व में यहां से जेएनयू छात्र नेता कन्हैया कुमार प्रत्याशी थे।

सीतामढ़ी में एक इंजीनियरिंग के छात्र की गोली मार हत्या

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में एक इंजीनियरिंग के छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना नगर थाना क्षेत्र के भूप भैरो कांटा चौक के पास की है। जहां छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वहीं, उसके शव को लावारिस अवस्था में सड़क किनारे फेंक दिया गया। घटना की जानकारी तब मिली, जब राहगीरों की डेड बॉडी पर नजर पड़ी। उसके बाद घटना स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया और स्थानीय लोगों के द्वारा नगर थाना पुलिस को इसकी सूचना दी गई। सूचना पर स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद पूछताछ कर शव को कब्जे में ले लिया गया।

मृतक की पहचान जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र के सुरसंड निवासी हेमंत कुमार (21) के रूप में की गई है। बताया गया कि मृतक पटना में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करता था। होली को लेकर अपने गांव आया था और शुक्रवार सुबह में वह अपनी बुआ के घर पकड़ी जा रहा था। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों के द्वारा गोली व चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। परिजनों ने बताया कि मृतक की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। बावजूद इसकी हत्या कैसे हुई यह नहीं पता है पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी। सड़क किनारे एक शव पड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि युवक को चाकू और गोली दोनों लगी है। फिलहाल, मामले का अनुसंधान जारी है।

मुआवजा की मांग को लेकर धरना पर बैठे किसानों और पुलिस के बीच झड़प के बाद बवाल

चौसा में बच्चे-बूढ़े और महिलाओं पर हुई पुलिसिया बर्बरता के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे: किसान मोर्चा

मांगा मुआवजा मिले जख्म

- चार वर्ष से लेकर 90 वर्ष के बुजुर्गों की भी बर्बरता पूर्ण तरीके से की गई है पिटाई
- कैग के रिर्पोट के अनुसार किसानों को 36 लाख प्रति एकड की बजाय 28 लाख रु देने का लगाया आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा के बनारपुर गांव के किसानों पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण तरीके मारा पीटा गया है। 4 साल के मासूमों से लेकर 90 साल के वृद्धों को भी बेरहमी से पीटा गया है। इस तरह की कारवाई सरकार एवं स्थानीय प्रशासन के निर्देशन में किया गया है। उक्त बातें शुक्रवार को नगर के चरित्रवन स्थित एक निजी होटल में प्रेसवार्ता के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा संयोजक सह भारतीय किसान यूनियन के बिहार प्रदेश प्रभारी दिनेश कुमार ने कही। दिनेश ने कहा कि इस घटना के खिलाफ मोर्चा हाईकोर्ट भी जाने से नहीं हिचकेगी। उन्होंने कहा कि अपने हक के लिए धरना दे रहे किसानों के घर में घुसकर जिस तरह बर्बर तरीके से महिलाओं, बुजुर्गों तथा बच्चों को पीटा गया है, यह निंदनीय और अमानवीय है। यदि इस तरह की कारवाई प्रशासन द्वारा किया जाता है तो किसान चुप नहीं बैठेंगे।

दिनेश कुमार ने जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक पर कंपनी से मिली भगत कर एक पक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सरकार तथा स्थानीय सांसद के इशारे पर हुई है। उन्होंने कहा कि बिना सरकार के इशारे के आम जनता के साथ पुलिस इतने बर्बर तरीके से मारपीट नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन आदर्श आचार संहिता का भय दिखाकर किसानो की वाजिव लड़ाई को जबरन खत्म कराना चाहती थी। यह सब सरकार प्रायोजित था। उन्होंने कहा कि यदि किसानों पर अत्याचार बंद नहीं होता है तो हम लोग भूल जाएंगे कि चुनाव है तथा आचार संहिता भी लागू है।

किसान यूनियन नेता राकेश टिकैत आ सकते हैं चौसा

संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि गांव में जाकर देखने पर स्थिति भयावह है। घरों की स्थिति देखने पर यह कहीं से नहीं दिख रहा है कि यह कारवाई पुलिस द्वारा की गई है। यह कारवाई पुलिस की बजाय नक्सली एवं क्रीमिनल की तरह किया गया हमला का दृश्य प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि कैग की रिर्पोट के अनुसार किसानों को प्रति एकड 36 लाख रुपए मिलना चाहिए लेकिन किसानों को 28 लाख दिया गया है। यह पूरी तरह से गलत है। किसानों के प्रति एकड 8 लाख रुपए कहां गये। उन्होंने न्यायिक जांच की मांग किया है। जबतक चौसा के किसानों को न्याय नहीं मिलता है तबतक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं उन्होंने कहा कि अब सेंट्रल के संयुक्त किसान मोर्चा के अधिकारियों के पहुंचने की बात कही है। उन्होंने कहा कि किसान नेता टिकैत भी आएंगे। मौके पर पूर्व सांसद तेज नारायण सिंह, अजय कुमार मिश्रा के साथ अन्य शामिल रहे।

डुमरांव विधायक ने पीड़ित किसानों से की मुलाकात

वही डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह शुक्रवार को चौसा के बनारपुर गांव पहुंचे तथा पीड़ित किसानों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि हक की लड़ाई में माले आपके साथ है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार पूरे देश में किसानों व मजदूरों की विरोधी है। विधायक ने इस घटना के लिए स्थानीय सांसद अश्विनी कुमार चौबे को जिम्मेवार ढहराया तथा कहा कि उन्हीं के इशारे पर पुलिस इतनी हिंसक हुई है।

उप मुख्यमंत्री ने लिया चौसा की घटना पर संज्ञान

वहीं राज्य के उपमुख्य मंत्री सम्राट चौधरी ने चौसा की घटना पर संज्ञान लिया है। उन्होंने एक्स पर लिखे पोस्ट में कहा है कि बक्सर के चौसा थर्मल पावर प्लांट मामले में पुलिस के द्वारा किसानों पर किए गए लाठीचार्ज मामले की उच्च स्तरीय जांच किया जाएगा। एनडीए सरकार में किसी के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है। बिहार की एक एक जनता हमारे लिए वंदनीय है।

पिटाई से अचेत पड़ा वृद्ध दो दिन बाद गेहूं के खेत से मिला

बक्सर। शुक्रवार को चौसा के निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट के पास खेत में अचेतावस्था में एक 70 वर्षीय वृद्ध मिला। उसके उपर पुआल फेंका गया था। उसके कराहने की आवाज सुनकर ग्रामीण उसे खेत से उठाकर गांव में लाए तथा इलाज के लिए एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, इसकी जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाने की टीम भी उसे इलाज कराने के लिए ले जाने आई थी। लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस के बजाए खुद इलाज कराना मुनासिफ समझा। जख्मी की पहचान कोचाढ़ी गांव के 70 वर्षीय दीना राजभर के रूप में हुई है। 20 मार्च को कंपनी के गेट पर धरना दे रहे किसानों को जब पुलिस बलपूर्व लाठीचार्ज कर हटा रही थी, उसी समय से ये गायब थे। उनकी पत्नी लोकिया देवी तथा ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने किसानों के साथ ही जो सामने मिला उसकी पिटाई की थी। पुलिस की पिटाई से इन्हें गहरा चोट पहुंचा है। पत्नी ने यहां तक कहा कि पुलिस उन्हें मरा समझ गेहूं के खेत में फेंक चली गई थी। दीना की हालत देख पुलिस की बर्बर कार्रवाई का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सहमें हुए हैं ग्रामीण: बुधवार की रात चौसा के बनारपुर समेत तीन गांवों में पुलिस की बर्बर कार्रवाई के बाद ग्रामीण सहमे हुए हैं। दिन में नेताओं के आवाजाही तथा सामाजिक राजनैतिक कार्यकताओं की भीड़ से ग्रामीणों को जरूर कुछ साहस मिल रहा है। लेकिन शाम ढलते ही ग्रामीणों का भय बढ़ जा रहा है। पुलिस की बर्बर कार्रवाई के कई वीडियो भी सामने आए है। एक वीडियो में पुलिस किसी के छत पर चढ़ महिलाओं पर बेरहमी से डंडा बरसाते नजर आ रही है तो दूसरे वीडियो में एक किसान के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ते नजर भी आ रही है।

एक नजर

डुमरांव अनुमंडल पत्रकार संघ का होली मिलन समारोह संपन्न, जमकर उड़े अबीर गुलाल

डुमरांव। शुक्रवार को डुमरांव अनुमंडल पत्रकार संघ का होली मिलन समारोह हर्षोल्लास संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जमकर अबीर गुलाल उड़ाए गए। पत्रकारों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा तथा गले मिल होली की बधाई दी। इस मौके पर कई राजनीतिक दलों व सामाजिक सरोकार से जुड़े लोग भी मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन नया थाना के पीछे स्थित एक निजी हॉल में हुआ था। वक्ताओं ने होली को आपसी मेल जोल बढ़ाने वाला तथा दुश्मनों को भी गले लगाने वाला त्योहार बताया। इस मौके पर कई लोगों ने अपने उद्गार व्यक्त किए तथा परंपरागत होली तथा आज के होली में आए बदलाव पर चर्चा की। तय किया गया कि यह आयोजन हर साल किया जाएगा। वही, अगले साल इसे और वृहत रूप से मनाने पर सहमति बनी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार ओझा ने व संचालन तेज तर्रार युवा पत्रकार रविशंकर श्रीवास्तव ने किया। मौके पर संरक्षक मंडल के श्रीकांत दूबे, अनिल ओझा, अशोक कुमार, अरूण कुमार विक्रांत, दिनेश ओझा के अलावे रंजीत कुमार पांडेय, अरविंद कुमार चौबे उर्फ चुन्नु चौबे, संजय कुमार, नवीन पाठक, रजनीकांत दूबे, संजीव दूबे, जयप्रकाश मिश्र, आलोक कुमार सिन्हा, सुजीत कुमार उर्फ मंटू, अनीश पाठक, प्रकाश कुमार बादल, अमित ओझा, सुजीत कुमार, दिनेश राय, सुंदरलाल, अशोक कुमार, अरूण कुमार सिंह, आलोक सिन्हा, विनय पाठक, चंद्रशेखर सिंह, सुजीत कुमार मंटू, सर्वेश पांडेय, मनीष कुमार, अविनाश त्रिपाठी उर्फ बप्पी, भोला पाठक, विजय प्रताप सिंह आदि पत्रकारों के अलावे माले के चर्चित मजदूर नेता संजय शर्मा, राजद के प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार ठाकुर, रेड क्रास सोसायटी के पूर्व मानद सचिव मोहन प्रसाद गुप्ता समेत कई अन्य पत्रकार, सामाजिक व राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता मौजूद थे।

दांत शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा, इसकी सही से देखभाल जरूरी: डॉ. हिमांशु पांडेय

बक्सर। एनएच 922 के किनारे स्थित पड़री मोड़ के पास स्थित रोहित ऑटो मोबाईल (महिन्द्रा कंपनी के शो रूम) में शुक्रवार को मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर महिन्द्रा कंपनी ने अपने ग्राहकों स्वास्थ्य की रक्षा तथा उन्हें जरूरी चिकित्सकीय सलाह देने के लिए आयोजित किया था। जिसमें बक्सर व डुमरांव के मशहूर दंत चिकित्सक डॉ. आशुतोष पांडेय ने सैकड़ो मरीजों के मुंह व दांत का मुफ्त परीक्षण कर उन्हें जरूरी चिकित्सकीय सलाह दिया। इस दौरान वैसे मरीजों जिन्हें दवा की जरूरत थी, उन्हें मुफ्त दवा भी वितरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कंपनी के मैनेजर अश्विनी मिश्र के संयोजन में हुआ था। अपने संबोधन में डॉ. हिमांशु ने कहा कि मुंह और दांत हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना न हम कुछ खा सकते है और न ही बोल सकते है। इसलिए दांतों की देखभाल जरूरी है। उन्होंने कहा कि सही देखभाल तथा सफाई के अभाव में दांतों में कीड़े लगने के साथ ही कई तरह की बीमारियां हो जाती है। उन्होंने शिविर में आए लोगों को दांतों की उचित सफाई के तरीके भी बताए और कहा कि सुबह में जगने के बाद तथा रात में सोने से पहले ब्रश करना अच्छी आदत है। इसके अलावे हम दिन में जब भी कुछ खाए तो दांतों की अच्छी से सफाई करनी चाहिए। इससे कैबिटिज से बचाव होता है। मौके पर उपेन्द्र यादव, अमित वर्मा समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

बालिका बॉलीबाल में विजेता बनी सिमरी की टीम, फाइनल में बक्सर को किया पराजित

बक्सर। बिहार दिवस के अवसर पर मतदाता समावेशन खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन एमपी उच्च विद्यालय में किया गया। जिसका विधिवत उदघाटन अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी कुमारी अनुपम सिंह के द्वारा किया गया। समावेशन खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल एवं दिव्यांगजन के लिए एथलेटिक्स का आयोजन किया गया था। बालिका कबड्डी बक्सर एवं सिमरी की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें सिमरी विजेता तथा बक्सर उप विजेता रही। वही पुरूष वॉलीबाल का मैच एकलब्य टीम बक्सर तथा चौसा के बीच खेला गया। जिसमें एकलब्य टीम बक्सर ने चौसा को तीन-शून्य से हराया। दिव्यांगजनो का एथलेटिक्स की विभिन्न विधाओं गोला फेंक, चक्का फेंक, 50 मी. दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता एवं उप विजेताओं को नगद राशि देकर पुरस्कृत किया गया।

यज्ञ देखने जा रहे दो युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत

- कोरान सराय जाने के दौरान डुमरांव के नोनियाडेरा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक जख्मी
- नया भोजपुर के रहनेवाले हैं तीनों, घर में मचा कोहराम

केटी न्यूज/डुमरांव

एनएच 120 पर नोनियाडेरा के पास हुई एक सड़क दुर्घटना में जहां दो युवकों की मौत हो गई है वही तीसरा जख्मी है। घटना शुक्रवार की रात पौने नौ बजे की है। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने उन्हें डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां एक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जबकि प्राथमिक इलाज के बाद दूसरे को हायर सेंटर रेफर किया गया है।

मृतकों की पहचान नया भोजपुर के कमलेश गोंड के 20 वर्षीय पुत्र गुड्डू गोंड के इसी गांव के गणेश गोंड के पुत्र राहुल गोंड के रूप में हुई है। जबकि गोलू गोंड जख्मी है। उसका एक हाथ टूटा है। जानकारी के अनुसार तीनों अपने गांव से एक ही बाइक पर सवार हो यज्ञ देखने कोरान सराय जा रहे थे। बताया जा रहा है कि नोनिया डेरा के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक असंतुलित हो चाट में जा गिरी। दुर्घटनाग्रस्त बाइक को ही देख लोगों को घटना की जानकारी हुई। तब जाकर डायल 112 पर फोन कर पुलिस को बुलाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अनुमंडल अस्पताल पहुंच चुके हैं। उनका रो-रो कर बुरा हाल था। अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज करने वाले डॉ लोकेश कुमार ने बताया कि जख्मी युवक की हालत खतरे से बाहर है। अस्पताल में जीएनएम संतोष कुमार तथा सरफराज मौजूद थे।

सफाखाना रोड के महादलित बस्ती में शराब निर्माण का भंडाफोड़

- होली नजदीक आते ही शराब तस्करों के खिलाफ चला विशेष अभियान
- एक हजार लीटर अर्द्धनिर्मित शराब विनष्ट
- बाइक व सोलर प्लेट जब्त, तस्कर फरार

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी लोकसभा चुनाव व होली पर्व को लेकर डुमरांव पुलिस ने शराब के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान में पुलिस ने एक हजार लीटर अर्द्धनिर्मित शराब को जब्त कर उसे विनष्ट किया। डुमरांव पुलिस ने शहर के साफाखाना रोड स्थित दलित बस्ती के समीप एक परती जमीन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान जब जमीन की खुदाई की गयी तो उसके अंदर से भारी मात्रा में अर्द्धनिर्मित शराब बरामद हुआ। पुलिस की इस कार्रवाई से दलित टोले में भगदड़ की स्थिति बन गयी। पुलिस की टीम थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अनीशा राणा के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया, जहां अर्द्धनिर्मित शराब के अलावे एक लीटर देसी शराब, एक बाइक तथा एक सोलर प्लेट बरामद किया। अर्द्धनिर्मित शराब को पुलिस टीम ने तत्काल विनष्ट कर दिया। डुमरांव थानाध्यक्ष ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शराब मामले में दलित टोला निवासी मुन्ना मुसहर और लंबू मुसहर सहित तीन अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में जुट गयी हैं। उन्होंने बताया कि मुखबिरों से मिली जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई की गयी हैं। शराब के खिलाफ पुलिस का यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। किसी भी हाल में शराब तस्करों को बख्शा नहीं जायेगा।

केसठ में 59 पीस शराब बरामद, कारोबारी गिरफ्तार

केसठ। नावानगर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर केसठ गांव में शुक्रवार को छापेमारी कर दो कारोबारियों के यहां से 59 पीस टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब बरामद किया है। साथ ही एक कारोबारी कृष्ण कुमार की गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष डॉ. नंदू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी , कि केसठ गांव में धर्मेंद्र यादव तथा कृष्ण कुमार शराब का कारोबार कर रहे हैं। सूचना पर की गई छापेमारी के दौरान धर्मेंद्र यादव के आटा चक्की मिल में से 30 पीस एट पीएम अंग्रेजी शराब का टेट्रा पैक बरामद किया गया। जबकि कृष्ण कुमार के घर से 29 पीस टेट्रा पैक शराब बरामद हुआ। मौके से कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि धर्मेंद्र यादव पुलिस को देखते ही फरार हो गया। इस संबंध में दोनों कारोबारियों के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, तथा गिरफ्तार कारोबारी कृष्ण कुमार को जेल भेज दिया गया।

रघुनाथपुर में डिरेल हुई नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस की बोगियों से लौह उपकरण चुराते दो चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

रघुनाथपुर में पिछले दिनों डिरेल हुई नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस टेज्न की क्षतिग्रस्त बोगियों से लौह उपकरण चुराते दो शातिर चोरों को आरपीएफ की टीम ने गिरफफ्तार कर लिया है। उनके पास से बोगी से चुराए गए करीब 32 हजार 200 रूपए के उपकरण भी बरामद हुए है। जबकि उनके दो साथी मौका का फायदा उठा भागने में सफल रहे। गिरफ्तार चोरों की पहचान स्थानीय रघुनाथपुर के विशाल मुसहर पिता स्व. शिवजी मुसहर, अनिल मुसहर पिता स्व. रामाधार मुसहर तथा फरार होने वाले चोरों की पहचान बबन उर्फ बबना मुसहर पिता भुवर मुसहर तथा लंकवा मुसहर पिता तरेगन मुसहर के रूप में की गई है। सभी रघुनाथपुर के ही रहने वाले है। इस आशय की जानकारी बक्सर आरपीएफ के प्रभारी दीपक कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार चोरों से आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें जीआरपी को सौंप दिया गया है। गौरतलब है कि ट्रेन डिरेल होने के बाद से उसकी बोगियों से उपकरण चुराने की कई घटनाएं सामने आ चुकी है।

सौहार्दपूर्ण ढंग से होली मनाने की अपील

नावानगर। सोनवर्षा ओपी परिसर में होली को लेकर शुक्रवार को शांति समिति की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए ओपीध्यक्ष निशा रानी ने लोगों को सौहार्द पूर्ण होली मनाने का लोगों से अपील किया। साथ ही होली का त्योहार आदर्श आचार संहिता को मद्दे नजर रखते हुए मनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि होली त्योहार में हुड़दंग करने वाले पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

रघुनाथपुर में तुलसी विचार मंच द्वारा ढोलक, झाल और मंजीरे की थाप पर हुआ पारंपरिक फगुआ

फगुआ सिर्फ त्योहार नहीं हमारी परंपरा और विरासत भी है: शैलेश ओझा

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

आधुनिकता के इस दौर में होली के फूहड़ और अश्लील गीत आने से अब ग्रामीणों द्वारा टोली में गाए जाने वाले पारंपरिक फगुआ गीत जहां विलुप्त होते जा रहे है वहीं रघुनाथपुर में तुलसी विचार मंच ने फिर से इस परंपरा को जीवंत करने का प्रयास किया है। ढोलक और मंजीरे की मंडली बैठने से पहले लोगों ने अबीर गुलाल लगाकर पूजा की उसके बाद पारंपरिक तरीके से फाग की शुरूआत की गई। जब ढोलक, झाल और मंजीरे की थाप पर फगुआ के पारंपरिक गीत शुरू हुए तो हर कोई होली के रंग में रंग गया।

98 साल के बुजुर्ग माधव भगत एवं दीनानाथ पाल ने सुमिरो शिवशंकर तोहरो नाम से शुरूआत की बाद में स्थानीय रूपशंकर व्यास ने हास्य, व्यंग एवं वीर रस शैली के फगुआ गीत से ग्रामीणों को झूमने पर मजबूर कर दिया। हनुमत लेके अबीर और भोला बउरईलन आदि होली के लचकों ने समा बांध दिया। बुजुर्गों के साथ साथ युवाओं ने भी झाल और मंजीरों पर खूब संगत किया। गोबिंदा पाल ढोलक पर आधुनिक वाद्य यंत्रों को मात दे रहे थे।

फगुआ गा रहे माधो बाबा ने बताया की यह होली में गाया जाने वाला पारंपरिक गीत है। यह मूलरूप से बिहार में गाया जाने वाला गीत है, जिसे लोग टोली बनाकर ढोलक और मंजीरे पर गाते है। पहले बसंत पंचमी से ही होली की खुमारी चढ़ने लगती थी। फगुआ का पहला ताल उसी दिन ठोकी जाती है। तुलसी विचार मंच के संयोजक शैलेश ओझा ने कहा फगुआ सिर्फ गीत नहीं हमारी परंपरा और विरासत है। आधुनिकता के साथ हमारी परंपरा और विरासत गायब होते जा रही है। होली के गानों में भी फूहड़ता और अश्लिलता बढ़ती जा रही है। ऐसे में सामाजिक ताने बाने और परंपरा को बनाये रखने के लिए इन्हे फिर से जीवंत करने की जरूरत है क्योंकि असली शुकून, मिठास और आनंद इसी में है। फगुआ मंडली में माधव भगत, दीनानाथ पाल, राम बच्चन पाल, सुरेंद्र पाल, बटेश्वर पाल, आनंद शर्मा, विशाल कुमार सिंह, रूपचंद व्यास, गोविंद पाल, श्रीमान पाल, धीरज पांडे, अखिलेश पाल आदि लोग मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया गया बिहार दिवस, प्रभात फेरी निकाल कर किया जागरूक

♦ कैदियों को विधित सहायता के लिए प्राधिकार तत्पर

केटी न्यूज/औरंगाबाद

पूरे बिहार के लिए आज गर्व का दिन है क्योंकि पूरा बिहार बड़े ही धूमधाम से 112 बिहार दिवस मना रहा है, आपको बताते चलें की 22 मार्च को बिहार दिवस मनाया जाता है, वही इसको लेकर आज औरंगाबाद जिला प्रशासन द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री के मार्गदर्शन में मतदाताओं के

जागरूक करने हेतु प्रातः 7:00 बजे गेट स्कूल से गांधी मैदान तक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारी उत्साह एवं उमंग के साथ आंगनबाड़ी सेविका, आशा कार्यकताओं के अलावा अनुग्रह कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं एवं अन्य कई विद्यालयों के बच्चों ने भारी संख्या में भागीदारी की। प्रभात फेरी का शुभारंभ जिला पदाधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया तत्पश्चात जिला पदाधिकारी महोदय के नेतृत्व में रैली निकाली गई। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अभयेन्द्र मोहन सिंह, अपर समाहर्ता ललित भूषण रंजन, वरीय उप समाहर्ता श्वेता प्रियदर्शी एवं रत्ना प्रियदर्शनी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीपीओ एस्टेब्लिशमेंट शिक्षा पदाधिकारी एवं शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी के साथ डीपीएम हेल्थ भी उपस्थित रहे।

दौड़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम

औरंगाबाद। बिहार दिवस 2024 के अवसर पर जिला प्रशासन औरंगाबाद के द्वारा प्रातः 6:30 बजे महाराणा प्रताप चौक से समाहरणालय तक बिहार दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ में एनसीसी के बच्चे, स्काउट गाइड के बच्चे एवं पुरुष एवं महिला पुलिस ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। बिहार दौड़ में मतदाताओं को जागरूक करने हेतु प्रचार प्रसार भी किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अभेन्द्र मोहन सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

खबरें फटाफट

उत्पाद विभाग की पुलिस ने शराब साथ के दो धंधेबाजों को दबोचा

औरंगाबाद। शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग की टीम ने दो धंधेबाजों को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया जिनकी पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भलुआरा गांव निवासी अनुज कुमार एवं प्रसिद्ध कुमार के रूप में की गई है। इनके पास से 33.480 लीटर अंग्रेजी शराब एवं एक बाइक बरामद किया गया है। पूछ-ताछ में धंधबाजों ने बताया कि दोनों शराब डोर टू डोर बाइक के सहारे अंग्रेजी एवं देसी शराब लोगों तक मुहैया कराते थे। एसआई मिथिलेश कुमार ने बताया कि उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर कार्रवाई कार्रवाई के फलस्वरूप अंग्रेजी शराब के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार किया गया है। संदर्भ में आवश्यक कार्रवाई के उपरांत दोनों न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया।

शराब की खेप के साथ दो सगे भाई को पुलिस ने पकड़ा

औरंगाबाद। शराब की खेप के साथ दो सगे भाई को देव थाना की पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए धंधेबाज की पहचान कंचनपुर गांव निवासी राजू कुमार एवं सोनू कुमार के रूप में की गई है। इनके पास से 108 लीटर देसी शराब एवं एक बाइक बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराणा प्रताप मोड़ के पास दो बाइक सवार युवक को रोक कर , उनकी तलाशी ली गई जिसमें उनके पास से देसी शराब बरामद किया गया है। पूछ-ताछ में धंधेबाजों ने खुद को सगा भाई बताया है। संदर्भ में आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया। लोकसभा चुनाव और होली को लेकर पुलिस विशेष तौर पर जांच अभियान चलाकर शराब तस्करों पर शिकंजा कस रही है।

सिन्हा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव की गुरुवार की रात की घटना

भोजपुर: स्कूली छात्र की पीट-पीटकर और मुंह में पत्थर के टुकड़े ठूंस हत्या

♦ गुरुवार से गायब छात्र का शुक्रवार की सुबह परशुरामपुर बधार से मिला शव
♦ परिजनों ने आठवीं के छात्र पर हत्या कर शव को फेंकने का लगाया आरोप

केटी न्यूज/ आरा

भोजपुर के सिन्हा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव के छात्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई। स्कूल जाने के लिए घर से निकले छात्र को पीट-पीटकर मार डाला गया। उसके मुंह में पत्थर के कुछ टुकड़े भी ठुंस दिये गये थे। सिर के पिछले हिस्से, नाक और आंख पर खून लगे जख्म के निशान भी मिले हैं। ऐसे में पीट-पीटकर हत्या करने की बात कही जा रही है। गुरुवार की सुबह घर से निकले छात्र का शव शुक्रवार की सुबह परशुरामपुर बधार स्थित गेहूं के खेत से बरामद किया गया। छात्र का किताब, कॉपी और चप्पल बांध किनारे पड़ा था। वहां खून भी गिरा था। मृतक कल्याणपुर गांव निवासी दशरथ साह का 12 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार साह उर्फ अभय साह था। वह सातवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता दशरथ साह की ओर से स्कूल की घंटी बजाने के विवाद में आठवीं के छात्र पर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। छात्र की हत्या और शव मिलने से समूचे इलाके में सनसनी मच गई है। ग्रामीणों का आक्रोश भी भड़क उठा। आक्रोशित ग्रामीण और परिजन सड़क पर उतर गये। आरोपितों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर शव के साथ कल्याणपुर के समीप बक्सर कोईलवर बांध सड़क जाम कर दिया गया। टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया और जमकर नारेबाजी भी की गयी। उस कारण करीब पांच घंटे तक आवागमन बाधित रहा। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष चंद्रशेखर चौहान पुलिस बल के साथ फौरन पहुंचे और छानबीन की। एएसपी परिचय कुमार भी पहुंचे और लोगों को समझा कर शांत कराया। उन्होंने आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार करने और साक्ष्य के आधार पर ठोस कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। तब लोगों का गुस्सा शांत हुआ और आवागमन बहाल किया जा सका। उसके बाद पुलिस की ओर से शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इधर, एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच और आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर एसडीपीओ सदर टू रणजीत सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर दी गई है। टीम सभी तथ्यों और साक्ष्यों की जांच कर रही है। वैज्ञानिक तरीके से भी छानबीन की जा रही है। उसके लिए एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम को भी बुलाया गया था। हत्या कांड का जल्द खुलास करते हुए सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बुझ गया एकलौता चिराग

सातवीं के छात्र प्रिंस कुमार साह उर्फ अभय अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। वह तीन बहनों में तीसरे नंबर पर था। उसकी हत्या से घर में कोहराम और रोना-धोना मचा गया है। छात्र के पिता राज मिस्त्री का काम करते हैं। छात्र के परिवार में मां सुशीला देवी, बहन नेहा देवी, सीमा कुमारी और मुस्कान कुमारी है। उसमें नेहा देवी की शादी हो गई है। होली के पहले घर के इकलौते बेटे की हत्या से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

घंटी बजाने को लेकर छात्र हुआ था झगड़ा, दी थी धमकी

कल्याणपुर गांव निवासी दशरथ साह ने बताया कि उनका पुत्र प्रिंस कुमार साह उर्फ अभय गांव स्थित अपग्रेड मिडिल स्कूल में सातवीं क्लास में पढ़ता था। बुधवार की दोपहर स्कूल में आठवीं कक्षा के एक लड़के से घंटी बजने को लेकर उसका झगड़ा हुआ था। तब उस लड़के की ओर से उसे जान से मारने की भी धमकी दी गई थी। उस दिन उस लड़के के पिता भी स्कूल गए थे। बुधवार शाम प्रिंस घर आया था,तो उसने झगड़े की जानकारी दी थी। उनका पुत्र प्रिंस रोज की तरह गुरुवार की सुबह दस रुपया मांग कर करीब नौ बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। गुरुवार की शाम तक का घर नहीं लौटा, तो खोजबीन शुरू की गयी। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। उसके बाद थाने में सूचना दी गई। उस आधार पर थानाध्यक्ष के साथ गुरुवार की रात काफी खोजबीन की गई। इस बीच शुक्रवार की सुबह कल्याणपुर गांव के बांध के समीप परशुरामपुर बधार स्थित गेहूं के खेत से उसका शव बरामद हुआ। दशरथ साह की ओर से झगड़े के विवाद में अपने पुत्र की पीट-पीटकर हत्या करने एवं शव फेंकने का आरोप लगाया है।

एक नजर

स्प्रीट के साथ धराए तस्कर को 10 साल की कैद और दो लाख जुर्माने की सजा

औरंगाबाद। स्प्रिट की एक बड़ी खेप के साथ पकड़े गए अभियुक्त को उत्पाद न्यायालय ने 10 साल की सजा एवं 2 लाख रूपया जुमार्ना लगाया गया है। अर्थदंड की राशि जमा न करने पर एक साल अतिरिक्त सजा सुनाई जाएंगी। मामला मदनपुर थाना की एक कांड का हैं जिसमें करीब तीन साल बाद अभियुक्त को सजा सुनाई गई है। सजा प्राप्त अभियुक्त झारखंड प्रदेश के रांची जिला अंतर्गत पिठोरिया थाना क्षेत्र के कोनिक गांव निवासी भागीरथ उरांव के रूप में की गई है। इस संबध में उत्पाद विशेष न्यायालय-प्रथम, धनंजय कुमार सिंह ने निर्णय सुनाया है जिसमें छह साक्षियों का साक्ष्य अभियोजन और पांच दस्तावेजों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। मामले में बताया गया कि सजा प्राप्त अभियुक्त के पास से एक हाइवा से लदा 3500 लीटर स्प्रिट जब्त किया गया था जिसमें आज निर्णय सुनाया गया।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की दर्दनाक मौत, आक्रोशितों ने किया सड़क जाम

औरंगाबाद। एनएच - 139 पर ओबरा थाना क्षेत्र के शंकरपुर मोड़ के समीप अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से 42 वर्षीय एक बाइक सवार

व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गयी। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के एकौना गांव निवासी मोती पासवान के रूप में हुई है। घटना के बाद आक्रोशितों ने घंटो सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। घटना की सूचना पर पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार मृतक शेरघाटी सीडीपीओ का चालक था। दो दिन पूर्व छुट्टी लेकर घर आया था। शुक्रवार को वापस ड्यूटी पर जाने के दौरान जैसे ही शंकरपुर मोड़ के समीप पहुंचा तभी अनियंत्रित ट्रक ने उसे रौंद दिया जिसमें यह हादसा हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के उपरांत परिजनों को सौंप दिया गया। इधर पुलिस ने ट्रक को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मृतक का एक पुत्र व दो पुत्री है। घटना के बाद से पत्नी रीना देवी, पुत्र रोहित कुमार समेत अन्य परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

औरंगाबाद जिले में दो हाथियों ने मचाया उत्पात, किसान को लाखों रुपए का नुकसान

औरंगाबाद। दो हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया हैं जिसमें हाथियों ने जहां फसलों को नुकसान पहुंचाया है, वहीं एक घर के दरवाजे को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके अलावा एक गाय को भी जख्मी कर दिया। मामला औरंगाबाद ज़िले के ढिबरा थाना क्षेत्र के चंदा गांव की हैं। जानकारी के अनुसार औरंगाबाद एवं गया ज़िले के बॉर्डर से सटे जंगल से देर रात भटक कर दो हाथी आ गए और 10 कट्ठे में लगे गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाया। घटना की सूचना लोगों ने पुलिस को दी। थानाध्यक्ष रितेश उपाध्याय ने बताया कि मामले की सूचना पर पहुंचा तो उस गांव निवासी रमेश मेहता के अनुसार वे रात को सोए हुऐ थे, तभी दो हाथी आए और उनकी गाय को मारकर जख्मी कर दिया और घर की दरवाजे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

170 ग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

♦ गजराज गंज ओपी क्षेत्र के चौकीपुर से गुरुवार की शाम पकड़ा गया

केटी न्यूज/आरा

मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में भोजपुर पुलिस को अच्छी सफलता मिली है। गजराजगंज ओपी की पुलिस ने चौकीपुर के समीप 170 ग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एक महंगी बाइक भी जब्त की गयी है। गिरफ्तार तस्कर चौकीपुर गांव निवासी अरुण कुमार है। हालांकि दूसरा तस्कर भागने में सफल रहा। पुलिस उसकी गिरफ्तारी में जुटी है। प्रशिक्षु डीएसपी रश्मि कुमारी की ओर से शुक्रवार को गजराजगंज ओपी में प्रेस कांफ्रेंस यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि गुरुवार की देर शाम चौकीपुर स्थित एक होटल के समीप कुछ लोगों द्वारा हेरोइन तस्करी किये जाने की सूचना मिली। उसके बाद सूचना के सत्यापन, तस्करों की गिरफ्तारी और हेरोइन बरामदगी को

लेकर ओपी इंचार्ज हरि प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम की ओर से तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल के समीप छापेमारी की गयी। तब पुलिस को देख बाइक सवार दो युवक भागने लगे। हालांकि पुलिस द्वारा खेदड़ कर एक को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 170 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल बरामद की गयी। बाइक भी जब्त की गयी। डीएसपी ने बताया कि दूसरे तस्कर की भी पहचान कर ली गयी है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ तस्करी के पूरे रैकेट की जानकारी लेने की कोशिश की जा रही है। पता किया जा रहा है कि हेरोइन कहां से लायी गयी थी और किसे सप्लाई करनी थी। छापामारी टीम में दारोगा सरोवर राम सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं : डीपीआरओ

औरंगाबाद । बिहार दिवस के अवसर पर शहर के नगर भवन में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा शैक्षिक रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें प्रशासन एवं लोगों ने रक्तदान किया। सबसे पहले वरीय उपसमाहर्ता श्वेता प्रियदर्शी में रक्तदान किया। इसके बाद जूनियर रेड क्रॉस के सचिव डॉ. निरंजय कुमार, संजय कुमार, सुशील कुमार, गुड्डू कुमार सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस के सचिव दीपक कुमार प्रबंध समिति के सदस्य अजीत चंद्र, धर्मेंद्र सिंह, मनोज सिंह, आशुतोष रंजन, अमित कुमार सिंह रेड क्रॉस के बाद सुरेश कुमार सिंह, विकास कुमार सिंह उपस्थित रहे। डीपीआरओ रत्ना प्रियदर्शनी ने बताया कि रक्तदान महादान है, स्वस्थ रहने के लिए रक्तदान जरूरी है। रक्तदान से हम किसी का जीवन बचा सकते हैं। इसलिए जीवन में स्वयं में रक्तदान करें और अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करें।

पिस्तौल के साथ अपराध की योजना बनाना पडा महंगा, मिली सजा

♦ भुगतना होगा तीन साल का सश्रम कारावास

केटी न्यूज/औरंगाबाद

स्थानीय व्यवहार न्यायालय स्थित वैभव कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के न्यायालय ने लोडेड पिस्तौल एवं एक जिंदा कारतूस के साथ पकड़ाए आरोपी उपेंद्र यादव के सजा के बिंदु पर बचाव एवं अभियोजन पक्ष की दलील सुनने को उपरांत न्यायालय ने उपेंद्र यादव उर्फ बाढु यादव को भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1 बी) के तहत 3 साल का सश्रम कारावास और 10000 भुगतान करने का फैसला सुनाया। इतना ही नहीं न्यायालय ने आरोपी को भारतीय शस्त्र अधिनियम 26 के तहत 2 वर्ष का सश्रम कारावास और 10000 अर्थदंड भुगतान करने का फैसला सुनाया अर्थ दंड की राशि का भुगतान नहीं करने पर कम से 10 महीना एवं 6 महीना का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। उक्त आशय की जानकारी सहायक अभियोजन पदाधिकारी अरुण राव ने दी है । उन्होंने बताया कि इस मामले में तत्कालीन पाली थाना अध्यक्ष सह सह पु अ नि बलवीर कुमार सिंह ने पाली थाने में उपेंद्र यादव उर्फ बाढू यादव को नामजद कर प्राथमिकी दर्ज कराई थी।दर्ज प्राथमिकी में तत्कालीन थाना अध्यक्ष ने आरोप लगाया था कि 6 जुलाई 2023 को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के सैदाबाद गोलकपुर गांव में हथियार से लैस अपराधकर्मी किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं । सूचना के सत्यापन करने के लिए जब मैं सशस्त्र बल के साथ सैदाबाद गोलकपुर गांव पहुंचा तो देखा कि केविन से पूरब की ओर एक व्यक्ति भाग रहा है । जिसको सशस्त्र बल के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया गया जिसके शरीर की तलाशी लेने पर कमर में खोसा हुआ एक लोडेड पिस्तौल और .315 बोर का एक कारतूस बरामद किया गया। इस बाबत पूछताछ करने पर उपेंद्र यादव ने न तो कोई कागजात तथा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया ।

खबरें फटाफट

युवक ने पत्नी व साला को मारा चाकू

गाजीपुर। गाजीपुर जिले के साथीपुर गांव में महिला और उसके भाई को चाकू मारने की घटना से हर कोई हतप्रभ है। पीड़ित मंजू के मुताबिक शादी के बाद से ही पति-पत्नी में हमेशा विवाद होता रहता था। इससे तंग आकर वह अपने मायके साथीपुर में रह रही थी। कुछ दिन पहले भी पति ने एक बात को लेकर विवाद किया था।गाजीपुर के नोनहरा थाना क्षेत्र के साथीपुर गांव में ससुराल पहुंचा पति अपनी पत्नी से वाद-विवाद करने लगा, जिसका साले ने विरोध किया तो आरोपी ने दोनों पर चाकू से वार कर दिया। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया है। नोनहरा थाना क्षेत्र के उमरपुर निवासी रमेश राम की शादी वर्ष 2013 में मंजू देवी (40) से हुई थी, जिसके दो बच्चे क्रमशः धनु (8) और दीपाली (6) हैं। मंजू के मुताबिक शादी के बाद से ही पति-पत्नी में हमेशा विवाद होता रहता था। इससे तंग आकर वह अपने मायके साथीपुर में रह रही थी। आरोपी रमेश राम के घर की साथीपुर करीब 10 किलोमीटर दूर है।

अबीर-गुलाल लगाकर जमकर खेली होली

मुहम्मदाबाद। नगर के महादेवा स्थित सोमेश्वर महादेव के मंदिर में रंगभरी एकादशी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को अबीर गुलाल लगाकर आपस में जमकर होली खेली। भगवान भोलेनाथ के गौना के मौके पर स्वयंभू ज्योर्तिलिंग सोमेश्वर महादेव के मंदिर पर रंगभरी एकादशी के मौके पर आचार्य पंडित अभिषेक तिवारी की देखरेख में सोमेश्वर महादेव का पूजन-अर्चन और भव्य श्रृंगार हुआ। आरती के बाद मंदिर में रंगोत्सव शुरू हुआ। भक्तों ने गर्भगृह में सोमेश्वर महादेव को अबीर-गुलाल चढ़ाकर फाग गायन किया। इसके बाद मंदिर परिसर में एक-दूसरे को जमकर अबीर-गुलाल लगाकर होली के गीत पर देर रात तक युवक नाचते गाते रहे। इस मौके पर आयोजित भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में सुभाषचंद्र गुप्ता, चुन्नू वर्मा, टोनी वर्मा, श्रीराम राय, सौरभ राय, गोपाल सिंह यादव, सुनील गिरी, मनीष जायसवाल, विकास राय, अभिषेक पाण्डेय, आशीष पाण्डेय आदि मौजूद थे।

ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक ने महिला को गोली मारकर किया घायल

- पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार
- शिक्षक को घर आने से महिला के पति ने कर दिया था मना

केटी न्यूज/बलिया

शहर कोतवाली क्षेत्र के मिश्र नेवरी (जमुआ) बंधे के पास शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक ने महिला को गोली मार दिया। जिससे महिला घायल हो गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना देकर तत्काल घायल को जिला अस्पताल ले गए। जहां से हालत नाजुक देख चिकित्सक ने वाराणसी रेफर कर दिया। घटना के पीछे प्रेम-प्रसंग का मामला प्रकाश में आ रहा है। घायल महिला का पति आइटीबीपी में नौकरी करता है। उधर, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। वहीं उसके पास से पिस्टल एवं कारतूस बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र के संतनीसराय चौकी अंतर्गत मिश्र नेवरी (जमुआ) बंधा निवासी सिंधु देवी 32 वर्ष पत्नी सुदामा यादव को दुबहर थाना क्षेत्र के शिवपुरी नंबरी दियर निवासी घनश्याम सिंह ने गोली मार दिया, जो महिला के बाएं कंधे के पास जा लगी। इसके बाद अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना देकर घायल महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि घायल महिला का पति सुदामा यादव आईटीबीपी में नौकरी करता है। जबकि घर पर उसकी पत्नी सिंधु देवी व उसके दो छोटे बच्चे तथा उसकी मां रहती है। यह मूलरूप से जवही दियर के रहने वाले हैं। लेकिन यहां पर मकान बनाकर रहते हैं। उनके घर के बगल में जवही दीयर निवासी दीपक यादव का मकान है। जिसमें दुबहड़ थाना क्षेत्र के शिवपुरी नंबर दियर निवासी घनश्याम सिंह रहता था और सुदामा यादव के बच्चों को ट्यूशन पढाने का काम करता था। जिसका चाल चलन अच्छा नहीं दिखा तो सिंधु देवी के पति सुदामा यादव ने करीब एक सप्ताह से उसे घर आने से मना कर दिया था। सिंधु देवी के बड़े पुत्र ने बताया कि घनश्याम इसके पहले मेरे दादी से झगड़ा कर चुका है, लेकिन दादी कुछ नहीं बोली। घटना के पीछे शिक्षक को घायल महिला के बीच प्रेम-प्रसंग का मामला प्रकाश में आ रहा है।

नेताओं को आरोप ...भाजपा जानबूझकर कर रही है केजरीवाल को परेशान

मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप कार्यकर्ता उतरे सड़क पर

- बोले, केजरीवाल के बढ़ते कद से खौफ में हैं मोदी
- आम आदमी पार्टी को समाप्त करने के लिए मोदी सरकार ने रची है साजिश
- 1546 छापे ईडी और सीबीआई ने डाले हैं, लेकिन एक चवन्नी तक नहीं मिली

केटी न्यूज/ बलिया

आम आदमी पार्टी बलिया इकाई ने पार्टी के मुखिया दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरुद्ध जिला अध्यक्ष सुशांत राज भारत के नेतृत्व में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष सुशांत राज भारत ने बताया कि जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी लगातार दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से हार रहे हैं और आम आदमी पार्टी के बढ़ते कद से परेशान होकर आम आदमी पार्टी को कुचलने के लिए वह ईडी और सीबीआई के पीछे खड़े होकर वार कर रहे हैं। जिस घोटाले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह जैसे बड़े-बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हुई है, उस मामले में 1546 छापे ईडी और सीबीआई ने डाले हैं, लेकिन एक चवन्नी तक नहीं मिली है। जो स्पष्ट बताता है कि यह घोटाला फर्जी है मनगढ़ंत है और आम आदमी पार्टी को समाप्त करने के लिए मोदी सरकारने रची हुई एक साजिश है। इस साजिश से आम आदमी पार्टी का कारवां रुकने वाला नहीं है। पीएम नरेंद्र मोदी सीबीआई और ईडी के सहारे अरविंद केजरीवाल के शरीर को तो गिरफ्तार कर सकते हैं पर अरविंद केजरीवाल के विचारों को, उनकी सोच को गिरफ्तार नहीं कर पाएंगे। आज पूरे देश के हर जिले में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं ताकि तानाशाह नरेंद्र मोदी को यह स्पष्ट संदेश दिया जा सकें कि अब तुम्हारी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। आगामी चुनाव में तुम्हारी तानाशाही के विरोध में जनता भारी से भारी मतदान करेगी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार को उखाड़ कर फेंक देगी। एक तरफ नरेंद्र मोदी अजीत पवार छगन भुजबल हसन मुशरीफ, नारायण राडे, हेमंत विश्व शर्मा , शुभेंदु अधिकारी जैसे भ्रष्ट नेताओं को भाजपा में शामिल कर उन्हें उपमुख्यमंत्री, मंत्री और कैबिनेट मंत्री बना रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ केंद्र सरकार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले नेताओं को जेल में भर रहे हैं। यह स्पष्ट बताता है कि यह सरकार और हमारे देश के प्रधानमंत्री पूरी तरह से तानाशाह हो चुके हैं। आज के कार्यक्रम में राजकुमार मौर्य, सर्वदमन कुमार, प्रहलाद खरवार, योगेश खरवार, अशोक गुप्ता, रणविजय, रामदास यादव, विपिन कुमार तिवारी, छोटेलाल चौरसिया, मुकेश सोनी, अमरनाथ यादव, मुकेश कुंवर, जवाहर पासवान, उधारी राजभर, ऋषिकेश भारत, दुर्गेश कुमार यादव, कन्हैया पांडे, मनन सोनी, अजीत तिवारी, राजा, नवनीत कुमार विद्यार्थी, विजय राजभर, संत प्रकाश सिंह, बबलू राजभर, अंजनी तिवारी आदि मौजूद रहे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

चंदौली। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को डीएम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पीएम नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी कर अपनी भड़ास निकाली। अंत में राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी अविनाश कुमार को सौंपा और तत्काल अरविंद केजरीवाल को रिहा करने की मांग की। इस दौरान जिलाध्यक्ष संतोष कुमार पाठक ने कहा कि अरविंद केजरीवाल से नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं, नरेंद्र मोदी को सबसे ज्यादा डर आम आदमी पार्टी से लगता है। आगामी लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी हार रहे हैं। नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव घोषित होते ही सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करा दिया। ताकि अरविंद केजरीवाल चुनाव प्रचार न कर पाएं। कहा कि अरविंद केजरीवाल भारत के लोगों के दिलों में बसते हैं, हर गरीब के बेटे हैं। अरविंद केजरीवाल को कैद किया जा सकता है। लेकिन, उनकी सोच को कैद नहीं किया जा सकता है। कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में विश्व स्तरीय अस्पताल बनवाते हैं, मोहल्ला क्लीनिक बनवा दिया है, जिसमें हर गरीब को मुफ्त में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। हर प्रकार के टेस्ट फ्री होते है, अरविंद केजरीवाल ने हर बुजुर्ग को मुफ्त में तीर्थ यात्रा कराई है।

एक नजर

नशाखुरानी को लेकर जागरूकता अभियान

चंदौली। रंगों का त्योहार होली के पूर्व महानगरों से घर आने वालों की भीड़ ट्रेनों में होने लगी है। भीड़ का फायदा उठाकर उचक्के, नशाखुरान गिरोह के सदस्य भी सक्रिय होने लगे हैं। इसको देखते हुए आरपीएफ और जीआरपी ने सतर्कता अभियान की शुरुआत की है। महानगरी क्षेत्रों से आने वाले अधिकतर यात्रियों में बिहार के होते हैं। इसको देखते हुए बिहार जीआरपी भी पीडीडीयू जंक्शन पर यात्रियों को जागरूक कर रही है। शुक्रवार को आरपीएफ पीडीडीयू निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत के नेतृत्व में पटना जीआरपी से आए एसआई लक्ष्मण कुमार, उपेन्द्र राम, अजय उराव, आरपीएफ के एसआई मुकेश कुमार, सरिता गुर्जर, आरक्षी विनोद कुमार, रामचंद्र यादव आदि ने सभी प्लेटफार्म पर भ्रमण कर यात्रियों को जागरूक किया। वहीं डाउन की ट्रेनों के यात्रियों को पंपलेट वितरित कर जागरूक किया। बताया कि यात्रा के दौरान सहयात्रियों से मेल जोल न बढ़ाएं। उनके हाथ से कोई भी खाद्य अथवा पेय पदार्थ न लें, अपने सामान की स्वयं सुरक्षा स्वयं करें। उन्होंने यात्रियों को अनावश्यक रूप से चेन पुलिंग न करने और किसी तरह की समस्या होने पर जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारियों के नंबर के साथ हेल्प लाइन 139 पर शिकायत करने का आह्वान किया। निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि होली के मद्देनजर बिहार जीआरपी के साथ संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा।

लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सदस्य बने कैलाश

चंदौली। लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने सैयदराजा विधानसभा के रमरेपुर गांव निवासी कैलाश यादव को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मनोनीत किया है। कैलाश के मनोनीत होने पर कार्यकताओं ने खुशी जताई और कहा कि समाजवादी पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो हमेशा अपने कार्यकताओं के हितों का ध्यान रखती हैं। सैयदराजा विधानसभा क्षेत्र के रमरेपुर गांव निवासी व किसान परिवार के सदस्य कैलाश यादव को लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल कर यह साबित किया है कि कार्यकताओं को सम्मान देने में पीछे नहीं रहेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य कैलाश यादव ने कहा कि जो हमें जिम्मेदारी मिली है उसका निर्माण ईमानदारी और निष्ठा के साथ करूंगा समाजवादी पार्टी ही अपने कार्यकताओं को हमेशा सम्मान देने का काम किया है हम सभी को समाजवादी पार्टी की मजबूती के लिए एक जुट होकर कार्य करने की जरूरत है। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज सिंह काका, संजय सोनकर, पिंटू यादव, अर्जुन अग्रहरि, मनोज सिंहकमलेश यादव सहित तमाम लोग उपस्थित है।

पॉक्सो एक्ट के आरोपी को आठ वर्ष की सजा

बलिया। पॉक्सो एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने शुक्रवार की शाम आरोपी को आठ वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 25 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा ना करने की स्थिति में छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगताना होगा। आरोपी का नाम लालबहादुर राम पुत्र विक्रम राम निवासी नोनेपुर कारो थाना चितबडागांव है। आरोपी लालबहादुर राम के खिलाफ वर्ष 2018 में शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद पुलिस ने न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत किया। साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को आठ वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 25 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा ना करने की स्थिति में छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

उर्वरक दुकानों पर कृषि विभाग ने की छापेमारी

चंदौली। धान का कटोरा कहे जाने वाले जिले में उर्वरक का प्रायः टोटा बना रहता है। लेकिन वर्ष ऐसा नहीं हुआ लेकिन उर्वरक की कालाबाजारी की शिकायतें आम रहीं। शुक्रवार को जिला कृषि अधिकारी राजेश कुमार राय ने उर्वरक प्रतिष्ठानों पर औचक छापेमारी की। इस दौरान पॉश मशीन व उर्वरक का नमूना लिया गया साथ ही मार्च महीने में अधिक यूरिया बेचने वाले दुकानों की जांच की बात कही। डीएओ राजेश कुमार राय ने टीम के साथ धीना पहुंचे। यहां उर्वरक दुकानों राजन खाद भंडार धीना, गुप्ता खाद भंडार धीना, अनीता खाद भंडार कादीपुर, सिंह उर्वरक केंद्र धीना पहुँचकर पॉश मशीन स्टाक व उर्वरक का नमूना लिया। एक मार्च 2024 से 19 मार्च 2024 तक यूरिया बिक्री का विस्तृत जायजा लिया। कई प्रतिष्ठानों पर पिछले साल मार्च 2023 के अपेक्षा मार्च 2024 में अधिक यूरिया की बिक्री पाई गई। डीएओ ने बताया कि पिछले साल मार्च की अपेक्षा इस साल मार्च में अधिक यूरिया का वितरण किया गया है। जिन दुकानों पर यूरिया का अधिक बिक्री हुआ है। वहां पर किसानों का विवरण लिया जाएगा।

जापान से आई 55 लाख की सीटी स्कैन मशीन खराब

- मरम्मत के लिए आए कंपनी के इंजीनियर निराश हो लौटे

केटी न्यूज/बलिया

जिला अस्पताल में सीटी स्कैन जांच पिछले एक माह से बंद है। मशीन का एक्स-रे ट्यूब खराब है। जापान से 55 लाख रुपये का एक्स-रे ट्यूब आया तो मरीजों को आस जगी कि अब जांच की सुविधा मिलेगी। इंजीनियरों ने कोरियर पार्ट्स के बॉक्स को खोला तो एक्स-रे ट्यूब डैमेज निकला। उन्होंने बताया कि रास्ते में लाते समय खराब हो गया होगा। मरम्मत के लिए लखनऊ से आए कंपनी के इंजीनियर निराश होकर लौट गए। उन्होंने इसकी जानकारी कंपनी के उच्चाधिकारियों को दी गई है। बताया कि अभी दस दिन और इंतजार करना पड़ेगा। कर्मचारियों की मानें तो सबकुछ सही रहा तो होली बाद मरीजों को निशुल्क सीटी स्कैन जांच की सुविधा मिलने लगेगी। जिला अस्पताल स्थित ट्रांसफार्मर पर फरवरी माह में बंदर के कूदने से अचानक बिजली सप्लाई बाधित होने के कारण मशीन में फॉल्ट हो गया था। मशीन पर क्षमता से अधिक लोड है। सीएमएस डॉ. एसके यादव ने बताया कि सिटी स्कैन का खराब पार्ट्स एक्स-रे ट्यूब आया था, जब इंजीनियर लगाने को पहुंचे तो वह खराब निकला। कंपनी को सूचित कर दिया गया है, एक सप्ताह बाद मशीन बन जाएगी। मरीजों को पूर्व की भांति निशुल्क जांच की सुविधा मिलने लगेगी। कर्मचारियों की मानें तो सबकुछ सही रहा तो होली बाद मरीजों को निशुल्क सीटी स्कैन जांच की सुविधा मिलने लगेगी। जिला अस्पताल स्थित ट्रांसफार्मर पर फरवरी माह में बंदर के कूदने से अचानक बिजली सप्लाई बाधित होने के कारण मशीन में फॉल्ट हो गया था। मशीन पर क्षमता से अधिक लोड है। मशीन की खराबी के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मरीजों को एक्स-रे कराने के लिए निजी केंद्रों की ओर रूख करना पड़ता है। वहां उनका आर्थिक शोषण होता है। इससे आम जनता में आक्रोश व्याप्त है।

रेलवे पुलिस ने 13 किलो चांदी के जेवर के साथ युवक को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/ चंदौली

राजकीय रेलवे पुलिस ने दिलदारनगर रेलवे स्टेशन से पुलिस ने 13 किलो चांदी के जेवरात के साथ युवक को पकड़ा। युवक चांदी के जेवरात वाराणसी से बिहार के आरा ले जा रहा था। उसके पास जेवरात से सबंधित कागजात नहीं थे। जीआरपी ने इसकी सूचना इनकम टैक्स विभाग को दी। शुक्रवार को वाराणसी से आई आयकर विभाग की टीम युवक और जेवरात को अपने साथ ले गई। आगे की कार्रवाई आयकर विभाग करेगी।जीआरपी पीडीडीयू निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि होली के मद्देनजर रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिलदारनगर रेलवे स्टेशन पर चौकी प्रभारी रावेंद्र कुमार मिश्र टीम के साथ संदिग्धों की जांच पड़ताल कर रहे थे। इसी बीच प्लेटफार्म संख्या एक पर पिट्ठू बैग लिए संदिग्ध युवक दिखा। बैग की तलाशी लेने पर उसमें चांदी के जेवरात मिले। पूछताछ में युवक ने अपना नाम रिंकू कुमार निवासी विसुंधरी सकलडीहा चंदौली बताया। उसने बताया कि वह चांदी के जेवरात वाराणसी से बिहार के आरा ले जा रहा है। बताया कि आभूषण पहुंचाने के एवज में उसे हर बार दो हजार रुपये मिलते हैं। जीआरपी निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि बरामद आभूषण और आरोपी की सूचना वाराणसी आयकर विभाग को दी गई। टीम के हवाले जेवरात और आरोपी को कर दिया गया।

जिला मुख्यालय में फाइलेरिया और एमएमडीपी को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

सिविल सर्जन बोले... एमएमडीपी किट के साथ दी जाएगी विशेष चप्पल

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य समिति प्रयासरत है। जिसके लिए फाइलेरिया प्रबंधन को लेकर जिले के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, हेल्थ मैनेजर, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक और वेक्टर जनित रोग सुपरवाइजर के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने अपने संबोधन के साथ किया। सिविल सर्जन डॉ. सिन्हा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग फाइलेरिया उन्मूलन के साथ साथ फाइलेरिया से ग्रसित हो चुके मरीजों के प्रभावित अंगों के प्रबंधन पर ज्यादा जोर दे रहा है। जिससे मरीजों की परेशानी कम की जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक सैकड़ों मरीजों के बीच में एमएमडीपी किट का वितरण किया जा चुका है। जिसमें अब चप्पल भी जोड़ा जा रहा है। इसके लिए विभाग से चप्पल की मांग की गई है। जिसकी उपलब्धता होते ही मरीजों को चप्पल का वितरण शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए सभी एमओआईसी अपने अपने क्षेत्रों के ग्रेड तीन और उससे ऊपर के मरीजों की लाइन लिस्टिंग तैयार रखें। जिससे एमएमडीपी किट के साथ उन्हें चप्पल दिया जा सके।

मरीजों का बनाया जा रहा है निःशक्तता प्रमाण पत्रः जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग के निदेर्शों के अनुसार जिले में फाइलेरिया मरीजों के बीच निःशक्तता प्रमाण पत्र बनाया जा रहा है। लेकिन, इसमें एक बात का ध्यान रखना है कि इसकी स्वीकृति जिला प्रशासन द्वारा गठित मेडिकल टीम के माध्यम से दी जाती है। यदि फाइलेरिया के कारण किसी मरीज का प्रभावित अंग अगर 40 प्रतिशत या उससे अधिक विकृत हो चुका हो तो उसे ही निःशक्तता प्रमाण पत्र की स्वीकृति प्रदान की जाती है। इसलिए वीबीडीएस अपने क्षेत्रों में आशा कार्यकताओं के माध्यम से लोगों के बीच इसकी सूचना का प्रचार प्रसार करें। साथ ही, हेड्रोसिल के मरीजों का भी ऑपरेशन किया जाए। जिससे मरीजों को योजनाओं का लाभ दिया जा सके। पीरामल स्वास्थ्य के वीएल डीपीओ चंदन प्रसाद ने बताया कि फाइलेरिया चूंकि मच्छर के काटने से फैलता है, इसलिए बेहतर है कि मच्छरों से बचाव किया जाए। इसके लिए लोगों को जागरूक करना होगा।

गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई में चटक होते हैं सामाजिक समरसता के रंग

♦ पार्टी अपने अनुशासित कार्यकताओं के त्याग, तपस्या और गतिशीलता के दम पर होगा लोकसभा

केटी न्यूज/गोरखपुर

गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली गोरखपुर में होली का उल्लास सामाजिक समरसता के चटक रंगों में उफान पर होता है। होलियाना माहौल में यहां निकलने वाली दो प्रमुख शोभायात्राएं खास संदेश देते हुए पूरे प्रदेश के लिए आकर्षण का केंद्र बनती हैं। इन दोनों शोभयात्राओं (होलिका दहन और होलिकोत्सव) में गोरक्षपीठ की सहभागिता होने से गोरखपुर का रंगपर्व दशकों से विशिष्ट बना हुआ है। इन शोभायात्राओं में सामाजिक समरसता और समतामूलक समाज का प्रतिबिंब नजर आता है। बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री बनने के बाद भी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद शोभायात्राओं में शामिल होते हैं। इस साल भी 24 मार्च की शाम को पांडेयहाता से निकलने वाली होलिका दहन शोभायात्रा तथा 26 मार्च की सुबह घंटाघर से निकलने वाली भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा में सीएम योगी के सम्मिलित होने की उम्मीद

है। बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर रंगपर्व के आयोजनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सहभागिता गोरक्षपीठ के मूल में निहित संदेश के प्रसार का हिस्सा है। रंगों के प्रतीक रूप में उमंग व उल्लास का पर्व होली गोरक्षपीठ के सामाजिक समरसता अभियान का ही एक हिस्सा है। इस पीठ की विशेषताओं में छुआछूत, जातीय भेदभाव और ऊंच नीच की खाई पाटने का जिक्र सतत होता रहा है। समाज मे विभेद से परे लोक कल्याण ही नाथपंथ का मूल है और ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ द्वारा विस्तारित इस अभियान की पताका वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फहरा रहे हैं। गोरक्षपीठ की अगुवाई वाला रंगोत्सव सामाजिक संदेश के ध्येय से विशिष्ट है।

सामाजिक समरसता का स्नेह बांटने के लिए ही गोरक्षपीठाधीश्वर दशकों से होलिकोत्सव (भगवान नृसिंह शोभायात्रा) में शामिल होते रहे हैं। 1996 से 12019 तक शोभायात्रा का नेतृत्व करने वाले योगी वर्ष 2020 और 2021 के होलिकोत्सव में लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए इसमें शामिल नहीं हुए थे। सफल कोरोना प्रबंधन का पूरी दुनिया में लोहा मनवाने और इस वैश्विक महामारी को पूरी तरह काबू में करने के बाद सीएम योगी 2022 से पांडेयहाता से निकलने वाले होलिका दहन शोभायात्रा और घंटाघर से निकलने वाली भगवान नृसिंह होलिकोत्सव शोभायात्रा में सम्मिलित होने लगे।

एक नजर

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर आप का प्रदर्शन, कई कार्यकर्ता हिरासत में

जौनपुर। दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को लेकर जहां पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं वही जौनपुर में भी आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने

अरविंद केजरीवाल के गिरफ्तारी को लेकर अंबेडकर पार्क में बैठकर अपना विरोध जताया। इस दौरान लाइन बाजार पुलिस ने अम्बेडकर पार्क पहुंच कर आधा दर्जन से अधिक कार्यकताओं को बर्बरतापूर्ण पुलिस ने हिरासत में लिया है। जबकि जिलाध्यक्ष को उनके घर मे ही नजरबद कर दिया है। कार्यकर्ताओ को हिरासत में लिए जाने से नाराज कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा। वही इस मामले में पार्टी के महासचिव शैलेंद्र यादव ने कहा कि हमारी पार्टी के दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एड द्वारा फर्जी तरीके से गिरफ्तार किया गया है जिसको लेकर हम लोग शांति ढंग से प्रदर्शन कर रहे थे इसकी जानकारी जिला प्रशासन ब पुलिस को दी गई थी बावजूद इसके पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हमारे वरिष्ठ पदाधिकारी को गिरफ्तार किया है इसको लेकर हम लोगों ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से सोप है।

लेखपाल कानूनगो ने किया जेसीबी से मकान का हिस्सा ध्वस्त, जिलाधिकारी से शिकायत

जौनपुर (शाहगंज)। उत्तर प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार मुक्त का नारा दे रही है। ऐसे में शाहगंज के शाहपंजा मोहल्ला निवासी सविता ने जिलाधिकारी जौनपुर को प्रार्थना पत्र देकर शाहगंज तहसील में कार्यरत लेखपाल एवं कानूनगो के ऊपर गंभीर आरोप लगायें है। उक्त महिला ने लिखित रूप से जिलाधिकारी जौनपुर कार्यालय में शाहगंज तहसील के लेखपाल ऋतुराज एवं कानूनगो संजय राय के उपर गम्भीर आरोप लगाये हैं। पीड़िता सविता ने लेखपाल एवं कानूनगो के ऊपर धन शोषण एवं मानसिक शोषण का आरोप लगाया। उन्होंने लिखित रुप से शिकायत में कहा कि लेखपाल द्वारा 90 हजार रुपए हमसे प्रोसेस फीस के तौर पर लिए गए। ज्ञात हो कि पीड़िता का निमार्णाधीन मकान शाहगंज नगर के पुराना मछरहट्टा में है। जिसका बेगैर नोटिस एवं। हमारी जानकारी के लेखपाल ऋतुराज एवं कानूनगो संजय राय जेसीबी लेकर गये और मकान का बड़ा हिस्सा ध्वस्त कर दिए। उक्त प्रकरण पर पीड़िता ने तत्काल उप जिलाधिकारी शाहगंज से संपर्क किया। जिस पर उप जिलाधिकारी ने घटना की जानकारी होने से अनभिज्ञता जाहिर की थी। वही लेखपाल ऋतुराज ने बताया कि सभी आरोप गलत है। जबकि पीड़िता का आरोप है कि हमारा नक्शा पास है। एवं नाली के अंदर चार फीट जगह छोड़कर मैं अपना मकान निर्माण कर रही थी एवं हमारा पड़ोसी भू माफिया है। जिसके इशारे पर यह कदम राजस्व अधिकारियों ने उठाया। जिलाधिकारी के समक्ष उपरोक्त प्रकरण में सम्मिलित सभी लोगों के ऊपर विधिक कार्रवाई की मांग की एवं इंसाफ के लिए भटकती महिला सविता अभी भी दर दर भटकने को मजबूर है।

खबरें फटाफट

रोड नहीं तो वोट नहीं

जौनपुर। जहां एक तरफ लोक सभा चुनाव को लेकर चुनाव

आयोग द्वारा चुनाव आचार संहिता लगाया जा चुका है। चुनाव आचार संहिता को देखते हुए जहां शासन-प्रशासन के लोग बैनर हटवाने में जुटे हुए हैं। वही दूसरी तरफ बैनर लगाकर वोट बहिष्कार की चेतावनी दी भी जा रही जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।जिससे जिला प्रशासन व नेताओ का सरदर्द बढ़ा दिया है। इसको लेकर जिला प्रशासन की उदासीनता कहे या जनप्रतिनिधियों की अनदेखी ताजा मामला मछली शहर लोकसभा क्षेत्र से जुड़ा है जहां मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के मुकुन्दपुर गांव में ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार का बैनर लगा दिया है।बैनर पर साफ शब्दों में लिखा है, कि रोड़ नही तो वोट नहीर इस तरह से बैनर लगाकर ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है। जहां एक ओर पूरे देश मे सौ प्रतिशत मतदान कराने के लिए प्रशासन जनता को जागरूक करने का कार्य कर रही है। वहीं एसडीएम मड़ियाहूं गौरव कुमार ने बताया इस तरह की कोई भी जानकारी मेरे पास नही है।मामले की जांच कराई गई है मौके से कोई बैनर पोस्टर नहीं मिला है हो सकता है यह पुराना किसी ने वायरल किया हो मैंने मौके पर भेज कर जांच कराई है वहां कुछ भी नहीं है।

किन्नर समाज के लोगों ने मतदान हेतु जागरूक करने की ली शपथ

मऊ । लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत आज जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में ट्रांसजेंडर लोगों को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने तथा लोगों को मतदान हेतु जागरूक करने के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित किन्नर समूह के लोगों को मतदान के महत्व को बताते हुए कहा कि जिन लोगों ने अभी तक अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं कराया है,वे तत्काल मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा लें। उन्होंने किन्नर समाज के लोगों से शत प्रतिशत मतदान करने की भी अपील की।

आने वाले समय में प्रदेश में होंगे सौ सीबीजी प्लांट, तैयार किए जाएंगे इंधन

पराली समस्या नहीं, आमदनी का है जरिया

♦ उत्तर प्रदेश में दस सीबीजी प्लांट हो चुके हैं क्रियाशील
♦ पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की समस्या को कम करने का है प्रयास

केटी न्यूज/लखनऊ

आम के आम और गुठलियों के दाम की कहावत अब यूपी के किसानों के जीवन में चरितार्थ होगी। फसल काटने के बाद उनके और पर्यावरण के लिए समस्या मानी जाती रही पराली भी अब आमदनी और ऊर्जा का जरिया बन रही है। यह संभव हो रहा है सीबीजी (कम्प्रेस्ड बायो गैस) प्लांट से। सीबीजी प्लांट में पराली से ईंधन तैयार हो रहा है और ईंधन बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किसानों से उनकी पराली खरीदी जा रही है। हाल फिलहाल उत्तर प्रदेश में दस सीबीजी प्लांट क्रियाशील हो चुके हैं। आने वाले समय में प्रदेश में इनकी संख्या बढ़कर सौ हो जाएगी। इसी महीने की आठ तारीख को केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी इसकी घोषणा भी कर चुके हैं।

यंत्रीकरण के बढ़ते चलन और श्रमिकों की अनुपलब्धता होने की वजह से अब फसलों की कटाई कंबाइन से ही होती है। खरीफ और रबी की प्रमुख फसल धान और गेहूं की कटाई के बाद अगली फसल की तैयारी के लिए इन फसलों के अवशेष जलाने की प्रथा आम है। इसके कारण खासकर धान की कटाई के बाद मौसम में नमी के कारण यह समस्या कुछ इलाकों में गंभीर हो जाती है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार इस समस्या का स्थाई हल निकालने के लिए शिद्दत से लगी है। इससे संबंधित योजनाएं जब तक अमल में आएं तब तक के लिए भी सरकार की यह मंशा है कि हर संभव तरीकों से पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की समस्या को कम किया जाय। इस

पराली प्रबंधन के लिए किसानों में सरकार 17 लाख बायो डीकंपोजर भी बांटेगी

पराली जलाने के क्या हैं दुष्प्रभाव

अगर आप कटाई के बाद धान की पराली जलाने की सोच रहे हैं तो रुकिए और सोचिए। आप सिर्फ खेत नहीं उसके साथ अपनी किस्मत खाक करने जा रहे हैं। क्योंकि पराली के साथ फसल के लिए सर्वाधिक जरूरी पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश (एनपीके) के साथ अरबों की संख्या में भूमि के मित्र बैक्टीरिया और फफूंद भी जल जाते हैं। भूसे के रूप में पशुओं का हक तो मारा ही जाता है।

पराली में है पोषक तत्वों का खजाना

शोधों से साबित हुआ है कि बचे डंठलों में एनपीके की मात्रा क्रमशः 0.5, 0.6 और 1.5 फीसद होती है। जलाने की बजाए अगर खेत में ही इनकी कंपोस्टिंग कर दी जाय तो मिट्टी को यह खाद उपलब्ध हो जाएगी। इससे अगली फसल में करीब 25 फीसद उर्वरकों की बचत से खेती की लागत में इतनी ही कमी आएगी और लाभ इतना ही बढ़ जाएगा। भूमि के कार्बनिक तत्वों, बैक्टिरिया फफूंद का बचना, पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग में कमी बोनस होगा।

दिशा में सीबीजी प्लांट एक शानदार विकल्प बनकर सामने आया है।

सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति 2022 का जो ड्राफ्ट तैयार किया है, उसमें कृषि अपशिष्ट आधारित बायो सीएनजी, सीबीजी इकाइयों को कई तरह के प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। सरकार की मंशा हर जिले में सीबीजी प्लांट लगाने की है। इसी कड़ी में 8 मार्च को गोरखपुर के धुरियापार में इंडियन ऑयल के सीबीजी प्लांट का शुभारंभ हो चुका है। इसके उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उपस्थित रहे केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आने वाले समय में यूपी में सीबीजी प्लांट की वर्तमान संख्या दस को सौ के आंकड़े तक ले जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी।

वास्तव में 165 करोड़ रुपये के निवेश वाला गोरखपुर का यह सीबीजी प्लांट पर्यावरण की रक्षा, किसानों की आमदनी बढ़ाने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा प्रयास है। इस प्लांट में रोजाना 200 मीट्रिक टन पराली यानी कृषि अवशेष (धान का भूसा) 20 मीट्रिक टन प्रेसमड और 10 मीट्रिक टन मवेशियो के गोबर का उपयोग होगा। बायोगैस प्लांट में प्रतिदिन लगभग 20 मीट्रिक टन बायोगैस और 125 मीट्रिक टन जैविक खाद का उत्पादन होगा। जैविक खाद से कृषि की पैदावार बढ़ाने में मदद मिलेगी इस तरह के प्लांट का सीधा मतलब यह हुआ कि ऊर्जा क्षेत्र में भी अन्नदाता किसानों की बड़ी भूमिका होगी। और, इस ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र से जुड़कर वह अतिरिक्त आय भी अर्जित करेंगे। उधर पराली जब जलाई नहीं जाएगी तो पर्यावरण संरक्षण आप ही होने लगेगा।

सीबीजी प्लांट को प्रोत्साहित करने के साथ ही सरकार ने तय किया है कि वह धान की पराली को बायोकपोस्ट में बदलने के लिए 17 लाख किसानों को बायो डीकंपोजर उपलब्ध कराएगी। इस बीच जागरूकता और अन्य अभियान भी जारी रहेंगे।

उप्र पशुधन विकास परिषद के पूर्व जोनल प्रबंधक डा. बीके सिंह के मुताबिक प्रति एकड़ डंठल से करीब 18 क्विंटल भूसा बनता है। सीजन में भूसे का प्रति क्विंटल दाम करीब 400 रुपए माना जाए तो डंठल के रूप में 7200 रुपये का भूसा नष्ट हो जाता है। बाद में यही चारा संकट का कारण बनता है।

अन्य लाभ

- फसल अवशेष से ढकी मिट्टी का तापमान नम होने से इसमें सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ जाती है,जो अगली फसल के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व मुहैया कराते हैं।
- अवशेष से ढकी मिट्टी की नमी संरक्षित रहने से भूमि के जल धारण की क्षमता भी बढ़ती है। इससे सिंचाई में कम पानी लगने से इसकी लागत घटती है। साथ ही दुर्लभ जल भी बचता है।

विकल्प

डंठल जलाने के बजाय उसे गहरी जोताई कर खेत में पलट कर सिंचाई कर दें। शीघ्र सड़न के लिए सिंचाई के पहले प्रति एकड़ 5 किग्रा यूरिया का छिड़काव कर सकते हैं। इसके लिए कल्चर भी उपलब्ध हैं।

मुठभेड़ में पुलिस की गोली से बदमाश घायल

केटी न्यूज/जौनपुर

गुरुवार देर शाम थाना मछलीशहर व थाना तेजी बाजार की पुलिस टीम ने संयुक्त कार्यवाही के दौरान मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है।पुलिस फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी है।उसके कब्जे से पुलिस ने एक देशी तमंचा,दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए बदमाश का एक साथी फरार होने में सफल रहा है।बदमाशो की गोली से थानाध्यक्ष मछलीशहर बाल बाल बच गए।पकड़ा गया अभियुक्त एक शातिर बदमाश है उसके ऊपर लगभग डेढ़ दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान ले क्रम में थाना मछलीशहर व थाना तेजी बाजार पुलिस टीम को चेकिंग के दौरान वारी नहर की पुलिया के पास मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए।जिसे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया।लेकिन बदमाशो द्वारा भागते हुए पुलिस पर फायर करना शुरू कर दिया।बदमाशो द्वारा किए गए फायर में थानाध्यक्ष मछलीशहर बाल बाल बच गए।जबाबी फायर में पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल हो गया,उसके पैर में गोली लगी।वही दूसरा साथी बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।जिसकी तलाश में पुलिस लग गयी है। पूछताछ में घायल बदमाश ने अपना नाम राजेश कुमार पुत्र चौथीराम निवासी बरैया थान सिंगरामऊ जिला जौनपुर बताया।

विश्व जल दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में कुलपति प्रो. वंदना सिंह के प्रेरणा से एम.एससी. विद्यार्थियों द्वारा संचालित केमिकल कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा विश्व जल दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी तथा भाषण प्रतियोगिता कराई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. देवराज सिंह ने विश्व जल दिवस पर सयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रस्तावित थीम शांति के लिए जल विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गेहूं खरीद को लेकर हुआ कार्यशाला का आयोजन, अपर जिला अधिकारी बोले...

बटाईदार भी अपना पंजीकरण करा कर कर सकेंगे गेहूं विक्रय

♦ क्रय केंद्रों से किसानों के वापस होने पर केंद्र प्रभारी के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई :- अपर जिलाधिकारी

केटी न्यूज/मऊ

रबी विपणन वर्ष 2024-25 हेतु गेहूं खरीद कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।जिसकी अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने की । बैठक के दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी विपुल कुमार सिन्हा ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2024-25 योजना के अंतर्गत जनपद में कुल 61 क्रय केंद्र संचालित हैं। इस वित्तीय वर्ष में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपए प्रति कुंतल निर्धारित है। जनपद हेतु रबी विपणन वर्ष 2024-25 हेतु कुल 35000 एमटी गेहूं

खरीद का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष गेहूं खरीद की प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु शासन द्वारा कई सुधार किए गए हैं, जिनमें किसानों का पंजीकरण क्रय केंद्रों पर ही करने की सुविधा,निकटस्थ जनपद के गांव के किसानों द्वारा समीप के क्रय केंद्र पर गेहूं विक्रय करना, तथा बटाईदार द्वारा स्वयं पंजीकरण करा कर गेहूं विक्रय करना आदि जैसी सुविधा शामिल है, जिससे गेहूं क्रय अधिक से अधिक हो सके।

कार्यशाला के दौरान अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने इस वित्तीय वर्ष में धान क्रय की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए गत वर्ष गेहूं क्रय की स्थिति संतोषजनक न होने के कारण समस्त एजेंसियों के जिला प्रतिनिधियों एवं केंद्र प्रभारियों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष गेहूं क्रय करने हेतु अतिरिक्त प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्त क्रय केंद्रों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग होगी। अतः समस्त केंद्र प्रभारी अधिक से अधिक गेहूं क्रय करने हेतु प्रयास करें। किसानों के पंजीकरण की धीमी प्रगति पर अपर जिला अधिकारी ने ग्रामीण स्तर पर कार्यरत कृषि, आपूर्ति एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों से सहयोग प्राप्त कर इसमें वृद्धि करने को कहा। साथ ही समस्त केंद्र प्रभारियों को किसानों से अच्छा व्यवहार करने एवं क्रय केंद्रों पर किसानों से गेहूं की खरीद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सुभाषितम्

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।

- विनोबा भावे

केजरीवाल की गिरफ्तारी का समय और तारीख तय करने की राजनीतिक वजह

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गुरुवार की रात गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें ईड़ी के दफ्तर ले जाया गया। जहां उनका मेडिकल चेकअप कराया गया। शुक्रवार को उन्हें पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने केजरीवाल को शराब घोटाले का किंगपिन यानी सरगना बताया और उनसे पूछताछ करने के लिए 10 दिन की रिमांड मांगी। अब इसके बाद फैसला जो भी हो, उसकी अपील हाईकोर्ट अथवा सुप्रीमकोर्ट में करने का समय पीड़ित पक्ष के पास नहीं होगा। शुक्रवार को न्यायपालिका का अंतिम कार्य दिवस है। इसके बाद 9 दिन की छुट्टियां लग जाएंगी। इसका सीधा-सीधा मतलब है, कि केजरीवाल कम से कम 10 दिन ईडी की कस्टडी में बने रहेंगे। सर्वोच्च न्यायालय में केजरीवाल की ओर से दायर याचिका को वापस ले लिया गया है। पहले यह माना जा रहा था, कि रात को ही सुनवाई हो सकती है, लेकिन रजिस्ट्रार ने काफी इंतजार कराने के बाद लिस्ट नहीं किया। गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के सभी मंत्रियों एवं दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष गोयल ने कहा, मुख्यमंत्री पद से अरबिंद केजरीवाल इस्तीफा नहीं देंगे। पार्टी की मीटिंग में निर्णय किया जा चुका है। केजरीवाल जेल से ही मुख्यमंत्री पद का संवैधानिक निर्वाह करते रहेंगे। जिसके कारण भारत में पहली बार अच्यूतपूर्ण संवैधानिक संकट बना है। इसके पहले जितनी भी गिरफ्तारियां हुई हैं, गिरफ्तारी के पहले संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोगों से इस्तीफा ले लिया गया था। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी इस्तीफा कराने के बाद ही गिरफ्तारी हुई थी। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को एक सोची समझी राजनीतिक साजिश के रूप में देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। पहले चरण के नामांकन भी शुरू हो गए हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का लोकसभा की सीटों के लिए गठबंधन हुआ है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी होने से इंडिया गठबंधन कमजोर होगा, वह समय पर अपने निर्णय नहीं ले पाएंगे। चुनाव के समय विपक्षी दलों को घेरने की सरकार की यह सुनियोजित रणनीति मानी जा रही है। अरविंद केजरीवाल के परिवार से किसी को नहीं मिलने दिया जा रहा है। राहुल गांधी आज अरविंद केजरीवाल के घर जाकर उनकी पत्नी से मिलना चाहते थे। उसके पहले ही उनके निवास स्थान पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस किसी को भी अरविंद केजरीवाल को नहीं मिलने नहीं दे रही है। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया है। केजरीवाल के परिवार को हाउस अरेस्ट कर लिया गया है, जो पूर्णता अवैधानिक है। राजनीतिक क्षेत्र में इस बात की भी चर्चा है, चुनावी बांड को लेकर भारतीय जनता पार्टी के ऊपर जो आरोप लगाए जा रहे थे। उस मामले से बचने के लिए तथा कल कांग्रेस पार्टी द्वारा जो आरोप सरकार के ऊपर लगाये गये थे। कांग्रेस के खातों में लेनदेन बंद करने और लोकतंत्र समाप्त करने का आरोप सरकार पर लगाया गया था। उन सबसे ध्यान भटकाने के लिए केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई है। यह सरकार की एक सोची-समझी साजिश का ही हिस्सा बताया जा रहा है। बहरहाल अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद सारा विपक्ष तेजी के साथ एकजुट हो रहा है। वहीं सरकार को इसका लाभ मिलेगा या नुकसान होगा। इसका फैसला तो भविष्य ही करेगा। विपक्ष के नेताओं के साथ सहानुभूति जरूर जुड़ने लगी है। मतदान तक जैसी छवि बनेगी, निश्चित रूप से परिणाम भी वैसे ही रहेंगे। हाल ही में बांग्लादेश, पाकिस्तान और रूस में चुनाव हुए हैं। राजनीतिक हल्कों में कहा जा रहा है कि रूस में पुतिन ने 80 फीसदी वोटों से चुनाव जीतने की भविष्यवाणी की थी। वहां पर भी डिजिटल तरीके से चुनाव हुए और पुतिन को 88 फीसदी वोट मिल गए। चुनाव का यह नया तरीका दुनिया के कई देशों में देखने को मिल रहा है। भारत के लोकसभा चुनाव भी उसी तर्ज पर हो रहे हैं। भारत लोकतांत्रिक देश है, इसके बाद भी जिस तरह से यह चुनाव हो रहा है।

चिंतन-मनन

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर। बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है। अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है।

जलवायु परिवर्तन और दिव्यांगता: एक अनदेखा संबंध

-दीपमाला पाण्डेय

साल 2023 में पृथ्वी की औसत भूमि और महासागर की सतह का तापमान 20वीं सदी से 2.12 डिग्री फारेनहाइट (1.18 डिग्री सेल्सियस) अधिक था। यह आंकड़ा साल 1850 से अब तक रिकॉर्ड किया गया उच्चतम वैश्विक तापमान है। इसने, इससे पहले अब तक के सबसे गर्म वर्ष, 2016 को 0.27 डिग्री फारेनहाइट (0.15 डिग्री सेल्सियस) के अंतर से पीछे छोड़ दिया है। इस साल भी गर्मी बढ़ने की ही संभावना है। डर लगता है ना ये पढ़ कर? एसी, कूलर, पंखा, और पानी भी याद आ गया ना? लेकिन क्या गर्मी सिर्फ पसीना और थकान ही है? क्या आपने कभी सोचा है कि बढ़ता तापमान हमारे शरीर की संरचना तक को प्रभावित कर सकता है? जी हाँ। बढ़ता तापमान सिर्फ गर्मी का बढ़ता एहसास ले कर नहीं आता। बढ़ता तापमान कुछ और भी बताता है। ऐसा कुछ बताता है जिसे सुनने और समझने के लिए हमें अपनी सोच को विस्तार देना होगा।

दूसरे शब्दों में कहें तो बढ़ते तापमान ने जहां एक ने न सिर्फ जैव विविधता को खतरे में डाल दिया है, वहीं इसने इंसानों के जीवन पर भी गहरा असर डाला है। इतना असर की हमारी सोच से भी परे इसके आयाम हैं।

आपको जान कर हैरानी होगी कि बढ़ता तापमान हमारे डीएनए को भी नुकसान पहुंचा रहा है! और यह नुकसान जन्मजात दोष और दिव्यांगता का खतरा बन रहा है।

बढ़ती गर्मी और दिव्यांगता

साल 2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि गर्मी के संपर्क में आने से गर्भपात, समय से पहले जन्म, और कम जन्म वजन का खतरा बढ़ जाता है। वहीं साल 2020 में किए गए एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि गर्मी के संपर्क में आने से बच्चे में जन्मजात दोष, विकासात्मक देरी, और सीखने में कठिनाई का खतरा बढ़ जाता है।

साल 2021 में किए गए एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि दिव्यांग लोग जलवायु परिवर्तन से होने वाले मानसिक स्वास्थ्य प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इतना ही नहीं, साल 2019 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि दिव्यांग लोग जलवायु परिवर्तन से होने वाले सामाजिक-आर्थिक प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जैसे कि आवास, भोजन, और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में कमी।

हाल ही में, साल 2022 में किए गए एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि जलवायु परिवर्तन से दिव्यांग लोगों की सामाजिक समावेश और भागीदारी में बाधा आ सकती है।

जलवायु और जीन

जलवायु परिवर्तन का असर गर्भवती महिलाओं और उनके गर्भस्थ बच्चों के जेनेटिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। गर्भवती महिलाओं को गर्मी से अधिक संघर्ष करना पड़ सकता है क्योंकि उनका शरीर तापमान को अच्छी तरह से नियंत्रित नहीं कर पाता है। इससे गर्भपात, बच्चे का ठीक से विकास न होना, बहुत छोटा पैदा होना, बहुत जल्दी बच्चे का जन्म होना या जन्म के समय समस्याएं होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जब गर्भवती महिलाएं बहुत अधिक गर्मी के संपर्क में आती हैं, तो यह उनके और उनके बच्चों दोनों के लिए जन्म दोष और अन्य बुरे परिणाम पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, इससे शिशु का विकास बहुत धीमी गति से हो सकता है, जन्म के समय उसे सांस लेने में परेशानी हो सकती है, उच्च रक्तचाप हो सकता है, या शिशु का जन्म बहुत जल्दी हो सकता है। गर्मी शिशु के मस्तिष्क के विकास को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे संभवतः ऑटिज्म जैसी स्थितियाँ हो सकती हैं।

जलवायु परिवर्तन और उससे जुड़ी आनुवंशिक विविधता इस बात तक को प्रभावित कर सकती है कि किसी आबादी में कितने बच्चे पैदा होते हैं। इसलिए यह समझना वास्तव में महत्वपूर्ण है कि जलवायु परिवर्तन, आनुवंशिकी और गर्भावस्था कैसे जुड़े हुए हैं। हमें इन परिवर्तनों से निपटने के तरीके खोजने होंगे। हमें जलवायु परिवर्तन को बदतर बनाने वाली चीजों को कम करने पर काम करना चाहिए, डॉक्टरों और लोगों को इसके बारे में अधिक जानने में मदद करनी चाहिए, सुनिश्चित करना चाहिए कि हर किसी को अच्छी जानकारी हो, खासकर उन जगहों पर जहां संसाधन सीमित हैं, और यह समझने के लिए और अधिक शोध करना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन गर्भधारण को कैसे प्रभावित करता है।

बात विज्ञान की

वैज्ञानिक मानते हैं कि बढ़ते वैश्विक तापमान और हीटवेव जीवों में बांझपन और मनुष्यों सहित प्रजातियों के विकलांगता का खतरा बढ़ाने में योगदान दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्लोबल वार्मिंग के कारण होने वाली अत्यधिक गर्मी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को खराब कर सकती है, मृत्यु दर में वृद्धि कर सकती है और हमारे स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है।

इसके अलावा, आनुवांशिक अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी कि बढ़ती तीव्रता सेल डेथ एपोप्टोसिस से संबंधित जीन में संभावित परिवर्तन हो सकते हैं। ये परिवर्तन न केवल वर्तमान पीढ़ियों को प्रभावित कर सकते हैं बल्कि भविष्य की संतानों पर भी प्रभाव डाल सकते हैं।

सरल शब्दों में कहें तो उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर, इसमें कोई दो राय नहीं कि बढ़ता वैश्विक तापमान विभिन्न तंत्रों के माध्यम से डीएनए को प्रभावित कर सकता है और संभावित रूप से अजन्मे और नवजात शिशुओं में विकलांगता में योगदान कर सकता है।

लोहिया का वैश्विक समाजवाद

- कुमार कृष्णन

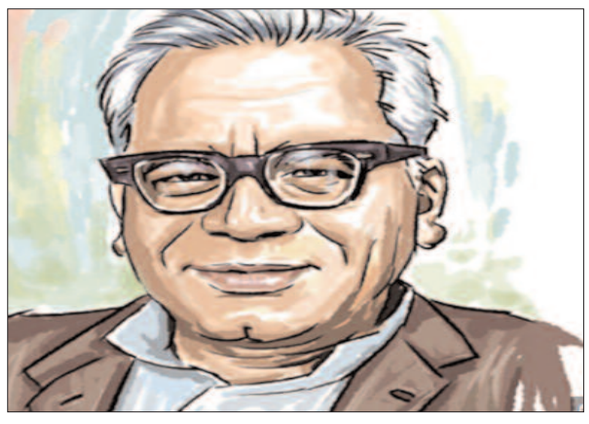

देश की राजनीति में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ऐसे कई नेता हुए जिन्होंने अपने दम पर शासन का रुख बदल दिया उनमें एक थे राममनोहर लोहिया। प्रखर देशभक्ति और समाजवादी विचारों के कारण अपने समर्थकों के साथ–साथ अपने विरोधियों के बीच भी अपार सम्मान हासिल किया। उनमें सन्त की सन्तता, फक्कड़पन, मस्ती, निर्लिप्तता और अपूर्व त्याग की भावना थी। वे समाजवादी इस मायने में थे कि, समाज ही उनका कार्यक्षेत्र था और वे अपने कार्यक्षेत्र को जनमंगल अनुभूतियों से महकाना चाहते थे। उनका सपना था कि, व्यक्ति-व्यक्ति के बीच कोई भेद, कोई दुराव और कोई दीवार न रहे। सब जन समान हों। सब जन सबका मंगल चाहते हों। सबमें वे हों और उनमें सब हों। वे दार्शनिक व्यवहार के पक्ष में नहीं थे। उनकी दृष्टि में जन को यथार्थ और सत्य से परिचित कराया जाना चाहिए। प्रत्येक जन जाने की कौन उनका मित्र है? कौन शत्रु है? जनता को वे जनतंत्र का निर्णायक मानते थे। 23 मार्च 1910 फैजाबाद के अकबरपुर में जन्मे राम मनोहर लोहिया के पिताजी श्री हीरालाल पेशे से अध्यापक व सच्चे राष्ट्रभक्त थे। उनके पिताजी गांधी जी के अनुयायी थे। जब वे गाँधी जी से मिलने जाते तो राम मनोहर को भी अपने साथ ले जाया करते थे। इस कारण गाँधी जी के व्यक्तित्व का उन पर गहरा असर हुआ। लोहिया जी अपने पिताजी के साथ 1918 में अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार शामिल हुए।पांच वर्ष की उम्र में पास ही की टण्डन पाठशाला में उनका नाम लिखा दिया गया। इसके बाद तमसा पार स्थित विश्वेश्वरनाथ हाई स्कूल में लोहिया को पाँचवीं कक्षा में प्रवेश दिलाया गया। वे शरीर से दुर्बल, परन्तु मन से सुदृढ़ थे और बुद्धि से कुशाग्र थे।मारवाड़ी विद्यालय में प्रवेश के बाद वे शहरी परिवेश से अचानक जुड़ गए, क्योंकि बम्बई का मारवाड़ी स्कूल विश्वेश्वरनाथ हाईस्कूल से कई अर्थों में अति आधुनिक था। बम्बई से वे वाराणसी लौटे। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में इण्टर का अध्ययन शुरू कर दिया। वहां से सन 1927 ई. में वहाँ से उन्होंने इण्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की। इण्टर पास करने के बाद सन 1927 में लोहिया कलकत्ता आ गए। उन्होंने सेंट जेवियर्स तथा स्काटिश चर्च जैसे ख्यातिनामा महाविद्यालय को छोड़कर विद्यासागर महाविद्यालय में प्रवेश लिया था, जो उस समय भेंड़ों की सराय के नाम से जाना जाता था। लेकिन इस कॉलेज के प्राचार्य राष्ट्रीय विचारधारा से सम्बद्ध थे और लोहिया राष्ट्रीय विचारधारा के पूर्णतः समर्थक थे। लोहिया का अंग्रेजी भाषा पर खासा अधिकार था।

उनके मन में स्वतंत्र देश का स्वाभिमान जाग उठा था। वे शिक्षा प्राप्त करने की अपेक्षा सम्मान के प्रति ज्यादा सजग हो उठे थे। इस कारण अपने देश को आजाद कराने की बात गहरे पैठती गई थी। वे देश की आजादी के प्रतिबद्ध हो चुके थे। इन्हीं कारणों से लोहिया बर्लिन के लिए रवाना हो गए। वहां उन्होंने बर्लिन के हुम्बोल्ट विश्वविद्यालय में प्रवेश ले लिया। विश्वविख्यात अर्थशास्त्री प्रोफेसर बर्नर जोम्बार्ट उसी विश्वविद्यालय में थे। लोहिया ने उन्हें ही अपना निर्देशक तथा परीक्षक चुना।बर्लिन में प्रोफेसर जोम्बार्ट के मातृभाषा प्रेम से वे काफी प्रभावित हुए और यहीं से उनमें मातृभाषा प्रेम जोर पकड़ गया था और वे आजीवन मातृभाषा के हिमायती रहे। वहां रहकर उन्होंने तीन माह में रात-दिन जुटकर जर्मन भाषा में खासी सफलता प्राप्त कर ली। इसके साथ ही यह सुदृढ़ निश्चय भी हो गया कि ज्ञान तथा अभिव्यक्ति के लिए किसी खास भाषा का ज्ञान होना जरूरी नहीं होता। मातृभाषा को छोड़कर ज्ञान व अभिव्यक्ति का दूसरा सशक्त माध्यम कोई नहीं हो सकता। मातृभाषा और हिन्दी के प्रति उनमें अटूट श्रद्धा व विश्वास होने का यही कारण था। वे कलकत्ता में, अध्ययन करते हुए भी हिन्दी में बातचीत करना अधिक पसन्द करते थे। चार साल के बाद लोहिया जी जर्मनी से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल कर अपनी मातृभूमि पर लौटे।उनका विषय था अर्थशास्त्र। वे कलम के धनी थे। प्रतिभा की धार और विद्धत्ता ही उनकी पूँजी थी। वे सीधे मद्रास से प्रकाशित होने वाली अंग्रेजी पत्र हिन्दू के कार्यालय पहुंचे। उन्हें सम्पादक तो नहीं मिले, लेकिन सह-सम्पादक मिले। लोहिया जी ने अपना परिचय दिया और लेख लिखकर देने का कारण बताया। उन्होंने वहां बैठकर लेख लिख डाला और उसके लिए पारिश्रमिक स्वरूप पच्चीस रुपये प्राप्त किए।वे अपने पिता से मिलने कोलकाता आए, अपने चाचा रामकुमार के घर गए। लोहिया को अपने चाचा से मालूम पड़ा कि, उनके पिता कारोबार बन्द कर सारा समय कांग्रेस को देने लगे हैं। लम्बी जेलयात्रा भी कर आए हैं। आजकल बड़ा बाजार को उन्होंने अपना कार्यक्षेत्र बना रखा है। चरखा समिति बना डाली है। वे हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय में भी बैठते हैं। हिन्दू-मुसलमान के भेदभाव को दूर करने के लिए कौमी बाल्टी रख छोड़ी है। उनकी दृष्टि में वह बाल्टी हिन्दू-मुसलमान एकता का प्रतीक है, क्योंकि दोनों ही उससे पानी लेकर पीते थे। लोहिया ने पाया कि कलकत्ता पहले से भी अधिक गरीब हो गया है। बेकारी बढ़ी है। सब कुछ अन-बदला सा पथराकर ठहर गया है। उनकी चिन्तन-धारा कभी देश-काल की सीमा की बन्दी नहीं रही। उन्होंने सदा ही विश्व-नागरिकता का सपना देखा था।

सत्ता का लालच

-संजय गोस्वामी

साम, दाम, भेद, दण्ड पुरातन काल में राजा द्वारा अपनायी जाने वाली नीतियाँ हैं जिन्हें उपाय-चतुष्टय कहा जाता है।कौटिल्य विश्व के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने राज्य के विस्तार एवं आंतरिक-बाहरी सुरक्षा की समुचित एवं व्यवस्थित नीति का प्रतिपादन किया था।जिन चार नीतियों व उपायों का वर्णन उन्होंने उस समय किया था वो आज भी उतनी ही प्रमाणिक हैं जितनी उस समय थी।आज -कल सत्ता पाने के चक्कर में साम, दाम, भेद और दंड का रास्ता अपनाना किसी की पार्टी तोड़ कर अपनी पार्टी बनाना सत्ता पक्ष में विरोधीदल को अपने पाले में लेना जनादेश का अपमान है ऐ सत्ता पाने का लालच लोभ मनुष्य के जीवन के पराभव का पतन द्वार है। सत्ता का लोभ मनुष्य के जीवन का ऐसा मानसिक विकार है, जो उसके उत्कर्ष में बाधा डालता है। लोभी व्यक्ति आचरण से हीन हो जाता है वह अपने स्वाभिमान को भुलाकर किसी कामना के वशीभूत होकर चाटुकार बन जाता है, उसका अपना व्यक्तित्व नष्ट हो जाता है और किसी से कुछ पाने की आशा में अपना सब कुछ गंवा देता है। लोभी व्यक्ति का चारित्रिक पतन हो जाता है। लोभ राजनीति का हो, किसी ऊंचे पद का हो, अर्थ प्राप्ति का हो, वासना के वेग का हो या किसी भी प्रकार से किसी से कुछ पाने की लालसा का हो, ठीक नहीं है। एक क्षणिक प्यास की तरह है जिसकी पूर्ति के लिए मनुष्य अनैतिक बन जाता है और गलत-काम करने लगता है। वह भूल जाता है कि उसके जीवन की कुछ मयार्दाएं भी हैं। हम अपने जीवन में ऐसा ही अनुभव करते हैं कि थोड़े से सुख, थोड़े से लाभ, एक-आध ऊंची कुर्सी पाने के लिए ऐसे लोगों के पैर छूने लगते हैं जो स्वयं चारित्रिक दृष्टि से गिरे होते हैं। जब हम लोभ करते हैं, तो हमारा पूरा व्यक्तित्व दीन, हीन और दरिद्र बनकर खड़ा हो जाता है जिससे हमारी अपनी जीवनशक्ति शरीर में हो रहे जैविक परिवर्तन से बुरी तरह आहत होने लगती है और हमारे जीवन में जो स्वाभिमान की ऊर्जाशक्ति है वह दासत्व ग्रहण करने लगती है। लोभी व्यक्ति अपनी सारी मयार्दाओं और नैतिक मूल्यों को छोड़कर स्वयं स्वीकार करने लगता है कि हम दूसरी पंक्ति में खड़े लोग हैं, हम दूसरे की जयकार बोलनेवाले हैं और भाट की तरह दूसरे की प्रशस्ति के गीत गाने वाले लोग हैं। ऐसे सत्ता पाने की लोभी विचारों, का असर आशाओं, निराशाओं, भय, घृणा, क्रोध आदि मनोवेगों का प्रभाव पड़ता है जो हमारे शरीर के अंग-प्रत्यंग पर असर डालता है, और हमारे स्वास्थ्य और मनोदशा पर पड़ता है, जो शरीर की एक-एक कोशिश (सेल) पर पड़ता है, जो हृदय और मस्तिष्क पर पड़ता है, रक्त पर पड़ता है, स्नायुतंत्र (नर्वस-सिस्टम) पर पड़ता है। हमारे विचारों का प्रभाव हमारे व्यक्तित्व में झलकता है। जितनी बार भी हम सत्ता पाने की कोशिश को गलत दिशा में करेंगे नहीं मिलने पर चिंता से घबरा उठते हैं अथवा उत्तेजित होकर व्यर्थ ही घृणापूर्ण क्रोध में भड़क उठते हैं, उतनी बार हम मानों अपने ही शरीर में, मस्तिष्क से तथा प्रत्येक सेल से ही लड़ बैठते हैं। ऐसे लोग कभी भी समाज को दिशा नहीं दे सकते न ही खुद की उन्नति करने में सफल हो सकते हैं। लेकिन क्योंकि भारत की जनता ईमानदार, गूंगा-बहरा नहीं है, ऐसे में अगले चुनाव मेंअगर जनता चुन भी लेती है लेकिन अपनी ही पार्टी की जाल में फंसकर सत्ता चली जाती है उसके बाद राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा।

आज का राशिफल

मेष आज आर्थिक लाभ होगा और हर कार्य में उत्तम सफलता प्राप्त होगी। आप जनता के प्रिय बनेंगे।

वृषभ आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी। आज किसी मामले में निर्भीक होकर आप फैसला करेंगे।

मिथुन काम को ही सावधानी से करने का दिन है। आपकी कोई बात सामने वाले को बुरी न लगे।

कर्क आर्थिक लाभ होगा और आपको किसी मामले में सहयोगियों से निराशा हो लग सकती है।

सिंह आपके अंदर परोपकार की भावना बढ़ेगी। आज आपका अधिक समय धार्मिक कार्य में बीतेगा।

कन्या आज आर्थिक लाभ होगा और भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा।

तुला लाभ होगा और यदि आप किसी कार्य में मेहनत कर रह थे तो उसमें सफलता प्राप्त होगा।

वृश्चिक आज का दिन काफी मिलाजुला रहेगा। आमदनी से ज्यादा खर्च की स्थिति रहेगी।

धनु आज के दिन विद्या बुद्धि और ज्ञान की प्राप्ति होगी। आपके कठिन प्रयासों से इच्छा की पूर्ति होगी।

मकर आज आर्थिक लाभ होगा और आज आपको पूर्वजों से धन मिलने की संभावना है।

कुंभ आज आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी और भाग्य साथ देगा। आमदनी ठीक होगी।

मीन आज दिन शुभ है। आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा।

विशेष

चुनाव आयोग और उसकी तैयारियाँ

चुनाव आयोग का मुख्य काम चुनाव के दौरान होने वाले त्योहार,स्कूल कॉलेज की परीक्षा, सरकारों का कार्यकाल इत्यादि का ध्यान रखकर चुनाव कार्यक्रम घोषित करना होते हैं। पूरे देश में एक ही समय पर वन नेशन वन इलेक्शन का चुनाव कराने का दावा इलेक्शन कमीशन करता है। लोकसभा चुनाव के साथ चार राज्यों के चुनाव की तैयारी मे विफल साबित हो रहा है। अरुणाचल और सिक्किम विधानसभा का कार्यकाल 2 जून को समाप्त हो रहा है। चुनाव आयोग ने वहां पर मतगणना 4 जून को रखी थी। चुनाव आयोग को अब इसमें संशोधन कर अब 2 जून को मतगणना कराना पड़ रही है।

जीतने के लिए भाजपा की जरूरत नहीं

उड़ीसा में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के सबसे करीबी सहयोगी बीके पांडियन ने यह कहकर सभी को चौंका दिया की चुनाव जीतने के लिए उन्हें भाजपा की जरूरत नहीं है उन्होंने कहा कि नवीन पटनायक और प्रधानमंत्री मोदी की दोस्ती है उनके कहने का मतलब यह था कि उड़ीसा में भाजपा को चुनाव जीतने के लिए बीजद की जरूरत है बीजद को भाजपा की जरूरत नहीं है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1351: फिरोजाबाद तुगलक का भतीजा मुहम्मद तुगलक गद्दी पर बैठा था. 1568: फ्रांस में दुसरा धर्म युद्ध समाप्त हुआ.]757: क्लाइब ने फ्रांसिसियों से छीन लिया. 1910: समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया का जन्म. 1918: लिथुआनिया ने स्वतंत्रता की घोषणा की. 1931: भगतसिह,सुखदेव और शिवराम राजगुरू को साडर्स की हत्या के आखोप में फांसी दी गई. 1933: एडोल्फ हिटलर को तानाशाह के रूप में सारे अधिकार मिल गए. 1936: इटली सोवियत संघ और हंगरी के बीच रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुआ. 1940: मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान का प्रस्ताव स्वीकार किया. 1976 :भारत-श्रीलंका सीमा समझौता. 1986: केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की पहली महिला कंपनी का गठन दुगार्पुर मे हुआ. 1986: पाकिस्तान में लाखों लोगों ने सरकार और अमेरिका विरोधी प्रदर्शन किया.

दैनिक पंचांग

23 मार्च 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.09 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	08.49 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.47 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	13.01 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	15.17 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	17.29 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.40 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.54 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	00.10 बजे से
राहुकाल		मकर	02.15 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		कुंभ	04.02 बजे से
		मीन	05.35 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 83 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 07.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी अहोरात्र।
योग शूल 19.34 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 07.18 बजे तदनन्तर गर 20.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 08'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871927
जूलियन दिन 2460392.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान **तारीख** 12
विशेष भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से 07.23	बजे तक	लाभ	05.37	से 07.10	बजे तक
शुभ	07.23	से 08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10	से 08.42	बजे तक
रोग	08.51	से 10.19	बजे तक	शुभ	08.42	से 10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19	से 11.46	बजे तक	अमृत	10.14	से 11.47	बजे तक
चर	11.46	से 01.14	बजे तक	चर	11.47	से 01.19	बजे तक
लाभ	01.14	से 02.42	बजे तक	रोग	01.19	से 02.51	बजे तक
अमृत	02.42	से 04.10	बजे तक	काल	02.51	से 04.23	बजे तक
काल	04.10	से 05.37	बजे तक	लाभ	04.23	से 05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

चिराग को एनडीए में तवज्जो

‘मोदी के हनुमान’ के जरिए बिहार में 25 का गेम सेट!

पुख्ता कर चुकी होती है। राम विलास पासवान के भाई पशुपति पारस को दरकिनार कर भाजपा ने उनके बेटे चिराग पासवान पर अगर दांव लगाया है तो इसके पीछे भी भाजपा की सोची-समझी रणनीति है। वैसे दलितों पर दांव लगाने के लिए दलित नेता के रूप में जीतन राम मांझी भी थे, लेकिन भाजपा को उनकी औकात और चिराग की ताकत का अंदाजा है।

बिहार में पशुपति पारस को किनारे कर भाजपा ने चिराग पासवान को अगर तरजीह दी है तो इसके पीछे भाजपा का अपना मंसूबा और डर है। हालांकि इसे लोजपा नेता चिराग पासवान के लिए भी अपनी छवि दलितों के नेता के रूप में बनाने का यह अचूक अवसर है। बिहार की 6 सुरक्षित सीटों में इस बार तीन सीटें लोजपा को मिली हैं। सुरक्षित सीटें एससी-एसटी जातियों की बहुलता के आधार पर तय की जाती हैं। यानी चिराग ने तीन सुरक्षित सीटों पर कामयाबी पा ली तो वे यूपी में बसपा नेता मायावती की तरह दलितों के नेता के रूप में उबर सकते हैं। राम विलास पासवान से लेकर चिराग पासवान तक दलित नेता तो बने रहे हैं, लेकिन सवर्णों के साथ के कारण वे दलितों के नेता की छवि कभी नहीं बना पाए। यह पहला मौका चिराग को मिला है, जब वे अपने को दलितों के नेता के तौर पर प्रोजेक्ट कर सकते हैं।

बिहार की रिजर्व सीटों का गणित समझिए

लोकसभा में कुल 131 सीटें अनुसूचित जाति और जन जाति के लिए आरक्षित हैं। इनमें 84 सीटें अनुसूचित जाति तो अनुसूचित जनजाति के लिए 47 सीटें रिजर्व हैं। बिहार की बात करें तो 6 सीटें एससी-एसटी के लिए रिजर्व हैं। इनमें हाजीपुर, समस्तीपुर, जमुई, गोपालगंज, सासाराम और गया की सीटें शामिल हैं। चिराग पासवान की लोजपा को एनडीए ने जो पांच सीटें दी हैं, उनमें तीन सुरक्षित सीटें हैं। वैशाली और जमुई दो जेनरल श्रेणी की सीटें भी उनको मिली है। वहीं हाजीपुर, जमुई और समस्तीपुर लोजपा की 2019 की सिटिंग सीटें हैं। गोपालगंज और गया की सीट पिछली बार जेडीयू ने जीती थीं, जबकि सासाराम से भाजपा उम्मीदवार ने जीत दर्ज की थी।

भाजपा ने क्यों दी चिराग को तवज्जो?

सभी जानते हैं कि बाकी पार्टियां चुनाव के वक्त तैयारी करती हैं, जबकि भाजपा में साल भर चुनावी माथापच्ची जारी रहती है। खासकर 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद इस पर शिद्दत से काम होता रहा है। यही वजह है कि चुनाव में बाकी दल सीट और उम्मीदवारों के उलझन में जब तक रहते हैं, भाजपा बूथ स्तर तक अपना चुनावी प्रबंधन

चिराग पासवान के पास खासा वोट बैंक

चिराग पासवान 2014 से ही लगातार सांसद रहे हैं। कम उम्र के बावजूद उनमें राजनीति की बारीकियों की अच्छी समझ है। यह भाजपा को भी पता है। भाजपा को यह भी पता है कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में लोजपा को जितने वोट मिले, उसे गंवाना भारी भूल होगी। एनडीए से बगावत कर तब चिराग पासवान ने चुनाव लड़ा था। उनकी पार्टी लोजपा को 23 लाख 83 हजार 739 वोट मिले थे। इन्हीं वोटों के कारण उन्होंने जेडीयू का खेल बिगाड़ दिया था। चिराग ने जेडीयू उम्मीदवारों के खिलाफ अपने कैंडिडेट उतार दिए, नतीजतन 43 के दहाई अंकों तक जेडीयू को सिमटना पड़ गया। चिराग ने इसका दावा तो कभी नहीं किया, लेकिन जेडीयू के नेता इस बात को बार-बार रेखांकित करते रहे। नीतीश कुमार ने भी मौके-बेमौके इस बात का जिक्र किया। चिराग से नीतीश की खुन्नस का कारण भी यही रहा है।

2019 से 2024 में बढ़ी हमारी ताकत... लोकसभा चुनाव पर चिराग पासवान ने कांग्रेस को कही।

चिराग की बगावत ने बिगाड़ा था एनडीए का खेल

चिराग पासवान के बागी होने के कारण एनडीए और महागठबंधन के वोटों का अंतर 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में महज 11 हजार वोटों का ही था। भाजपा जानती है कि चिराग अगर साथ नहीं आए तो 2024 में जो नुकसान होना होगा, वह तो होगा ही, उससे भी बड़ा नुकसान 2025 के विधानसभा चुनाव में हो सकता है। भाजपा भी जानती है कि नीतीश कुमार को जितनी सीटें मिली हैं, उन पर शत प्रतिशत कामयाबी संदिग्ध है। इसलिए बार-बार पाला बदलने से नीतीश पर अब वोटर भरोसा शायद ही करें। हां, साथ रहें तो थोड़ा ही सही, सपोर्ट तो मिलेगा ही। यही वजह है कि भाजपा ने अपनी 17 सीटों में कोई कटौती नहीं की और चिराग को भी पांच सीटें दे दीं।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने क्यों नहीं किया किसी से भी गठबंधन?

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। बंगाल की लड़ाई में तृणमूल कांग्रेस ने 42 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने अब तक 20 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। बंगाल की लड़ाई ने त्रिकोणीय आकार ले लिया है। अब बंगाल में टीएमसी ने इंडिया अलायंस के सहयोगी कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग के समझौते तक पहुंचने की उम्मीद को खत्म कर दिया है। इसी बीच, कांग्रेस पार्टी और सहयोगी लेफ्ट एक साथ गठबंधन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले वाम मोर्चा ने अपने 16 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। पार्टी ने कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग के मुद्दे पर बात आगे नहीं बढ़ने को लेकर नाराजगी जाहिर की है। पिछले दो दशकों के दौरान पश्चिम बंगाल की राजनीति में काफी बदलाव आया है। सबसे पहले साल 1998 में टीएमसी के उदय के साथ वामपंथी का प्रभाव काफी कम हो गया और अब बीजेपी के उदय के बाद कांग्रेस और वाम दोनों का ही प्रभाव कम नजर आ रहा है।

टीएमसी का बंगाल में दबदबा

2011 में सत्ता में आई टीएमसी ने 2009 के बाद से राज्य में सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें जीती हैं। बात की जाए विधानसभा चुनाव की तो यहां पर भी टीएमसी ने अपना दबदबा कायम किया हुआ है। टीएमसी ने साल 2016 में 295 में से 211 सीटें जीतीं थी और साल 2021 के चुनाव में 215 सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस और लेफ्ट का ग्राफ लगातार गिर रहा है। वहीं, बीजेपी को काफी फायदा हुआ है। पार्टी को 2021 में 77 सीटें मिली थी। लोकसभा इलेक्शन में टीएमसी आगे रहने में कामयाब रही है, लेकिन बीजेपी की कोशिश का असर भी नजर आ रहा है। उदाहरण के लिए 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी भारी बहुमत के साथ केंद्र में सत्ता में आई, तो टीएमसी ने बंगाल में 48 में से 34 सीटें जीतीं। उस समय कांग्रेस ने 4 सीटें जीती थीं और लेफ्ट और बीजेपी ने 2-2 सीटें जीती थीं। लेकिन 2019 तक, भाजपा ने अंतर को काफी पाट दिया। पार्टी ने बंगाल में 18 लोकसभा सीटें जीती थी और टीएमसी को सिर्फ 22 सीटें मिली थी। कांग्रेस दो सीटों पर सिमट कर रह गई और वाम दल के खाते में एक भी सीट नहीं आई।

लोकसभा और विधानसभा इलेक्शन में वोट शेयर

लोकसभा चुनावों में वोट शेयर को देखा जाए तो टीएमसी ने 2014 और 2019 के बीच 3.9 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। लेकिन फिर भी 12 कम सीटें जीतीं थी। बीजेपी के वोट शेयर में 23.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ। वहीं, कांग्रेस पार्टी के वोट शेयर में 4 फीसदी की गिरावट आई थी और लेफ्ट के वोट शेयर में 22.4 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। विधानसभा चुनावों की बात की जाए तो टीएमसी का वोट शेयर 2016 से 2021 तक 3.1 फीसदी तक बढ़ गया था। लेकिन बीजेपी ने भी काफी बढ़ोतरी की थी। बीजेपी ने 10.2 फीसदी वोटों से 38.1 फीसदी तक का सफर तय किया। दूसरी तरफ कांग्रेस को 2.2 फीसदी और लेफ्ट को 20.1 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

ममता बनर्जी का मजबूत वोट शेयर

2019 में बीजेपी द्वारा जीती गई 18 सीटों में से 9 में टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट का वोट शेयर आराम से बीजेपी से ज्यादा हो गया। अगर सिर्फ कांग्रेस के वोट शेयरों को टीएमसी में जोड़ दिया जाता, तो पार्टी की 18 सीटों में से 6 पर दोनों बीजेपी से आगे होते। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनावों में टीएमसी के प्रदर्शन को देखते हुए ममता बनर्जी को भरोसा हो गया कि उनकी पार्टी अकेल चुनाव लड़ने पर भी ज्यादा सीटें नहीं हारती। इन 18 लोकसभा सीटों में से टीएमसी 10 पर बीजेपी से आगे थी। कांग्रेस के विधानसभा क्षेत्र के वोट शेयर को जोड़ने पर गठबंधन को 3 ज्यादा सीटें मिलतीं, जबकि लेफ्ट को भी केवल 1 सीट का ही फर्क पड़ता।

गुजरात की 26 सीटों पर आप और कांग्रेस की नजर, पीएम मोदी का मुकाबला करने के लिए बनाई ये रणनीति

लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही गुजरात में पहली बार कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेता चुनावी रणनीति के लिए साथ आए। कांग्रेस मुख्यालय पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने पहली बार राज्य की 26 लोकसभा सीट पर चुनाव प्रचार और नेताओं की सभाओं को लेकर चर्चा की। बता दें कि गुजरात में पांच विधानसभा सीट पर उपचुनाव होंगे, लेकिन विसावदर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं करने पर विपक्षी दलों ने हैरानी जताई।

पहली बार एक-साथ आए आप और कांग्रेस नेता

कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने बताया कि गुजरात की सीटों की तैयारी के लिए आप नेताओं के साथ चर्चा की है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी तरह का निर्णय केंद्रीय नेता ही करेंगे। प्रदेश के नेता अपने सुझाव दे सकते हैं।

इन सीटों पर चुनाव लड़ रही आप - गुजरात की 26 लोकसभा सीट में से आम आदमी पार्टी भरुच व भावनगर सीट पर चुनाव लड़ रही है, जबकि 24 सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार मैदान में होंगे। आप ने इन दोनों सीट के उम्मीदवार अपने विधायक चैतर वसावा और विधायक उमेश मकवाणा को बनाया है, जबकि कांग्रेस ने सात सीट पर प्रत?याशी घोषित किए हैं।

चुनावी रैली, सभा और रोड शो पर हुई चर्चा

आप नेता इसुदान गढ़वी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं से मिलकर चुनावी रणनीति पर चर्चा की है। आप और कांग्रेस के कार्यकर्ता मिलकर उम्मीदवारों का प्रचार करेंगे, इस बैठक में यह भी तय हुआ है। कांग्रेस और आप के राष्ट्रीय नेताओं की चुनावी रैली, सभा व रोड शो को लेकर भी इस बैठक में चर्चा की गई। राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार के खिलाफ गठबंधन बनने के बाद राज्य में पहली बार आप और कांग्रेस नेता साथ आए हैं।

इन पांच सीटों पर होगा उपचुनाव

कांग्रेस और आप ने कहा कि गुजरात में 6 विधानसभा सीट खाली हैं, इनमें से वीजापुर, वाघोडिया, माणावदर, पोरबंदर, खंभात पांच विधानसभा सीटों पर लोकसभा चुनाव के साथ 7 मई को मतदान होगा, लेकिन छठी सीट विसावदर पर उपचुनाव की घोषणा नहीं किए जाने पर आप और कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चुनाव आयोग के समक्ष इस बात को उठाएंगे। बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सिद्धार्थ पटेल, विधानसभा में कांग्रेस के सचेतक शैलेष परमार। वहीं, आप के गुजरात अध?यक्ष इसुदान गढ़वी, आप महाराष्ट्र प्रभारी व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गोपाल इटालिया, किसान नेता सागर देसाई आदि शामिल हुए।

कांग्रेस प्रत्याशी को मतदाताओं ने हाथ में थमाए रुपये

गुजरात की बनासकांठा संसदीय सीट पर कांग्रेस ने विधायक गेनी बेन ठाकोर को उम्मीदवार बनाया है। शनिवार को जब वे अपने क्षेत्र धानेरा में महिलाओं से संपर्क के लिए निकली तो महिलाओं व युवतियों ने उन्हें हाथ में पांच, दस, पचास व सौ रुपये के नोट देकर उनका उत्साह बढ़ाया।

यदि चली गई है आपकी नौकरी...

अपने करियर में एक प्रोफेशनल के लिए सबसे कठिन समय रहता है जब उसकी नौकरी चली जाए, विशेष रूप से तब जब उसे इस बात की आशा नहीं थी। लेकिन किसी भी कारणवश अगर ऐसा होता है तो आपको कुछ चीजें आवश्यक रूप से करना चाहिए

- आपको सबसे पहले अपने इमोशंस पर ध्यान देना होगा। पहले इस बात को समझें कि किस तरह की भावनाएं आपके जेहन में आ रही है। इसके बाद आप यह पता करें कि इन भावनाओं के साथ क्या किया जाना चाहिए और इसे प्रोडक्टिव तरीके से रिस्पॉन्ड करें। अगर आपने अपनी भावनाओं को समझते हुए इसे नियंत्रित नहीं किया तो यह आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।
- आठ घंटे की नींद लें, जल्दी उठें, एक्सरसाइज करें, शॉवर लें, अच्छे से तैयार हो जाएं, घर से बाहर निकले आपको ऐसे कठिन समय में भी चीजों को सामान्य रखना जरूरी है। खुद को व्यस्त और सक्रिय रखें। आप घर में बैठकर केवल रोते नहीं रह सकते।
- अपने गुस्से को शांत करें। हो सकता है आपको अपनी पुरानी नौकरी में साथ काम करने वालों को लेकर आक्रोश हो। उन्होंने आपके साथ गलत किया हो। लेकिन याद रखें कि वे भी केवल सरवाइव करने की कोशिश कर रहे है। अपने पुराने बॉस और सहकर्मियों की अच्छी क्वॉलिटीज की सूची बनाइए। इससे आपको पुरानी बातों से निकलने में आसानी होगी।
- जिन लोगों से आप सालों से नहीं मिले हो, उनसे मिलने की योजना बनाइए। इससे आपका नेटवर्क भी बनेगा और उन्हें पता रहेगा कि आप नए जॉब की तलाश कर रहे हैं।
- जब भी नौकरी हाथ से जाती है तो कहीं न कहीं आपके आत्मविश्वास का डगमगाना नैचुरल है। लेकिन यह बात जरा न भूलें कि जब आप काम कर रहे थे तो आपने अच्छा काम किया और कंपनी की ग्रोथ में योगदान दिया। अपनी मुख्य उपलब्धियों की सूची बनाइए जो कि आगे आपको मार्केट कर सके।
- आप निकाले गए हैं या आपने एकदम नौकरी छोड़ने का फैसला किया है तो आपके लिए यह आर्थिक रूप से भी बड़ी परेशानी खड़ी करता है। एक दिन निकाले और अपना नया बजट तैयार करे। आपको अभी नहीं पता होगा कि कब आपकी दूसरी नौकरी लगेगी और कब स्थायी आय शुरु होगी। आपको अपने खर्चे को लेकर सजग रहना होगा।

साइंस की एक बड़ी शाखा है जल विज्ञान

वॉटर साइंस यानी जल विज्ञान अपने आपमें साइंस की एक बड़ी शाखा है। इसमें न सिर्फ वॉटर साइकिल को स्टडी किया जाता है, बल्कि रिसर्च करके अलग-अलग जगहों पर पानी से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करने के विकल्प तलाशे जाते हैं।

आज दुनिया का शायद ही ऐसा कोई देश हो, जो पानी से जुड़ी किसी समस्या से ग्रस्त न हो। ऐसे में एक वॉटर साइंटिस्ट के लिए हर जगह संभावनाएं हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जो आपके करियर में चार चांद लगा सकती है।

क्या है वॉटर साइंस

वॉटर साइंस पानी की जमीन और भूमिगत प्रॉसेस से रिलेटेड साइंस है। इसमें धरती पर मौजूद पहाड़ों और मिनरल्स के साथ पानी की फिजिकल, केमिकल और बायोलॉजिकल प्रॉसेस और लिविंग ऑर्गेनिजम्स के साथ इसकी एनालिसिस शामिल है। वॉटर साइंस की स्टडी करने वाले एक्सपर्ट्स ही वॉटर साइंटिस्ट कहलाते हैं। वॉटर साइंस की फील्ड में हाइड्रोमिटिरोलॉजी, भूतल, वॉटर साइंस, हाइड्रोजिओलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट और जल गुणवत्ता से जुड़े सब्जेक्ट्स आते हैं। इसकी कई ब्रांचेज हैं, जैसे- केमिकल वॉटर साइंस, इकोलॉजिकल वॉटर साइंस, हाइड्रोइन्फॉरमैटिक्स वॉटर साइंस।

क्या हैं फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स?

वॉटर साइंटिस्ट बनकर आप विभिन्न प्रकार के ऑर्गेनाइजेशन्स के लिए काम करके अच्छी सैलेरी पा सकते हैं। सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं में वॉटर साइंटिस्ट को अच्छे पैकेज पर एपॉइंट किया जाता है। इसके अलावा आप काउंसलर के रूप में भी काम कर सकते हैं। जैसे- सिविल इंजीनियरिंग, एनवायरमेंटल मैनेजमेंट और इवैल्यूएशन में सेवाएं उपलब्ध कराना। इसके अलावा आप नई एनालिटकल टेक्नीक्स के जरिए टीचिंग और रिसर्च भी कर सकते हैं। यूटिलिटी कंपनियां और सार्वजनिक प्राधिकरण के साथ जुड़कर जलापूर्ति और सीवरेज सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

वॉटर रिसोर्सेज डेवेलपमेंट और मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आपमें पेशेंस, डिटरमिनेशन, विस्तृत और अच्छी एनालिसिस करने की एबिलिटी होनी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टीम वर्क की भावना और एफेक्टिव कम्युनिकेशन इस फील्ड में बने रहने के लिए जरूरी है।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

देशभर की कई यूनिवर्सिटीज वॉटर साइंस और वॉटर रिसोर्सेज जैसे सब्जेक्ट्स में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स कराती हैं। वॉटर साइंस में करियर बनाने के लिए आप इस सब्जेक्ट से बीएससी करने के बाद एमएससी और फिर पीएचडी या एमफिल कर सकते हैं।

कैसा है रेम्युनेरेशन?

अपने करियर की शुरुआत में आप 18-20 हजार रुपए तक कमा सकते हैं। इस फील्ड में एक्सपीरियंस काफी मायने रखता है।

खुद के लिए समय निकालें

क्या आप उन लोगों में से हैं जिनके पास घर, काम, अपने समुदाय की तरह-तरह की जिम्मेदारियों की अच्छी खासी सूची है और आप इसे संतुलित करने की कोशिश में लगे रहते हैं। आपका यह इरादा प्रशंसनीय है कि आप एक साथ कई जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं। लेकिन आपको एक अलग अप्रोच के लिए काम करने का तरीका अपनाना चाहिए। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे है जो कि आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं

- आपको उन चीजों पर ज्यादा फोकस करना चाहिए जो आपके लिए ज्यादा मायने रखते हों। अगर आप चीजों को आसान बनाना चाहते हैं तो आपके पास एक सिंगल टास्क लिस्ट होनी चाहिए। आपको आपके कैलेंडर में सारी चीजें फीड करना चाहिए और उन्हें प्राथमिकता के हिसाब से पूरा करते रहना चाहिए। इस तरह आपका ध्यान फोकस रहेगा और आप काम में भटकेंगे नहीं। इसका एक कारण यह भी है कि प्राथमिकता तय करने से आप महत्वपूर्ण काम को पहले कम पाएंगे जिससे आप रिलेक्स भी रहेंगे।
- अगर आप सामान्य से कुछ घंटे पहले नींद से उठने की आदत डालेंगे तो आपको पूरे दिन रिलेक्स महसूस होगा। आप एक्सरसाइज कर सकते हैं, पढ़ सकते हैं और शांति से दो पल बैठ सकते हैं। साथ ही जल्दी उठने के हेल्थ बेनिफिट्स भी आपको मिलेंगे। जल्दी उठने वाले प्रोएक्टिव, चीयरफुल और डिप्रेशन से कोसों दूर रहते हैं।
- आपने अपना सौ प्रतिशत दिया लेकिन आप जिस तरह का रिजल्ट चाहते थे, नहीं आ पाया। ऐसे में निराश होना स्वाभाविक है। अब लोग उसे लेकर ही चिंतन-मनन में लगे रहते हैं और अपनी प्रोडक्टिविटी प्रभावित करते हैं। आप अपने साथ ईमानदार रहें और चीजों में सौ प्रतिशत देने के बाद उसके परिणाम को लेकर आसक्त न रहें।
- आपके पास पहले से ही खूब काम है और ऊपर से आप ने बेमतलब की जिम्मेदारी और लेकर अपना बर्डन बढ़ा लिया। अगर आप किसी भी काम में ना करने से हिचकिचाते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको अपने रूटीन में थोड़ा पर्सनल टाइम चाहिए होता है और उसमें भी आपने कुछ ऐसे टास्क ले लिए तो आपके हाथ निराशा ही हाथ लगेगी। मी टाइम लेकर अपराधबोध मत रखिए। यह आपके लिए बहुत जरूरी है।

इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट्स हों या हाई प्रोफाइल विदेशी हस्तियों की यात्रा, ऐसे इवेंट्स को सफल बनाने में एक लिंग्विस्ट की बड़ी भूमिका होती है। लिंग्विस्ट यानी वह लैंग्वेज प्रोफेशनल, जिसकी एक से ज्यादा भाषाओं पर मजबूत पकड़ हो। अगर आपको भी नई भाषाएं सीखने और उनमें निपुणता हासिल करने में दिलचस्पी है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन लिंग्विस्ट।

लिंग्विस्ट के फील्ड में अवसरों की कमी नहीं

कौन-से कोर्स?

आप किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन करने के बाद लिंग्विस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन कर सकते हैं। हालांकि ज्यादा अच्छे रेम्युनरेशन के लिए इस फील्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना ज्यादा फायदेमंद होगा। सरकारी सेवाओं में भी लिंग्विस्टिक्स में एमफिल या पीएचडी जैसी डिग्री को प्राथमिकता दी जाती है।

संभावनाएं

इस फील्ड में अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल्स में बतौर स्पीच थैरेपिस्ट, बैंक्स में बतौर लैंग्वेज इनपुट ऑफिसर, पब्लिशिंग हाउसेज में बतौर ट्रांसलेटर और लेक्सिकोग्राफर, पीआर इंडस्ट्री, ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री, आईटी इंडस्ट्री में वॉइस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर डेवलपर, मिलेट्री, इंटेलिजेंस और फॉरेन सर्विसेज में काम करके बेहतरीन करियर बना सकते हैं।

भाषा के क्षेत्र में करियर जितना अलग है, उतना ही रोचक भी। एक से ज्यादा भाषाओं की जानकारी आपको न सिर्फ दूसरे देशों और संस्कृति से जोड़ती है, बल्कि कई फील्ड्स में करियर के रास्ते भी खोलती है। आज भाषाओं के क्षेत्र में बेहतरीन प्रोफेशनल्स की काफी डिमांड है। हॉस्पिटल्स हों या बैंक्स, जांच एजेंसियां हों या पब्लिशिंग हाउसेज, हर उद्योग में लिंग्विस्ट के लिए काफी स्कोप है। अगर आपको भी भाषाओं में दिलचस्पी है, तो आप लिंग्विस्टिक्स में बना सकते हैं शानदार करियर।

लिंग्विस्टिक्स भाषा की वैज्ञानिक स्टडी है। इसमें किसी भाषा विशेष की बनावट और उसके विकास के साथ-साथ दूसरी भाषाओं के साथ उसके संबंध के बारे में भी पढ़ाया जाता है। इसमें भाषा के हर पहलू को कवर किया जाता है। इस विषय के विद्यार्थी के पास भाषा की उत्पत्ति से लेकर उसके विकास तक की जानकारी होती है।

लिंग्विस्टिक्स में पढ़ाई करने के बाद करियर ऑप्शन होते हैं

लिंग्विस्ट

आप भाषा की उत्पत्ति और विकास में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं और रिसर्च करके स्पीच रिकग्निशन में काम कर सकते हैं।

टीचर

आप किसी भी भाषा विशेष का अध्यापन कर सकते हैं। इस तरह के टीचर्स की कई विश्वविद्यालयों में काफी मांग है।

ट्रांसलेटर

इस जॉब में आपको किताबों, स्क्रिप्ट्स और लेखों का दूसरी भाषा में अनुवाद करना होता है।

इंटरप्रिटर

इंटरप्रिटर के तौर पर बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स या सरकारी अधिकारियों के साथ दूसरे देशों की यात्राओं पर जाने का मौका मिलता है। यहां आप दो लोगों को संवाद करने में मदद करते हैं। यह बहुत ही टफ जॉब है क्योंकि आपको इस बात का ध्यान रखना होता है कि मूल वाक्य का अर्थ आपके इंटरप्रिटेशन में बदल न जाए। साथ ही, वाक्य बोले जाने के बाद आपको उसका अनुवाद सोचने के लिए न के बराबर समय मिलता है।

कम प्रतिस्पर्धा के साथ पा सकते हैं ये सरकारी नौकरी

हर साल कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती के लिए एसएससी सीजीएल एग्जाम का आयोजन करता है। इस परीक्षा के जरिये जिन पदों पर नियुक्ति होती है, उनमें से एक है स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2)। एसएससी की परीक्षा के माध्यम से मिलने वाले सबसे आकर्षक जॉब्स में से यह एक है। इसके बावजूद इस जॉब प्रोफाइल के बारे में युवाओं को अधिक जानकारी नहीं है। तो चलिए, जानते हैं इसी जॉब प्रोफाइल के बारे में।

एसएससी सीजीएल एग्जाम के माध्यम से स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2) के लिए चयनित होने वाले उम्मीदवारों को ग्रुप बी (सेंट्रल सिविल सर्विस, नॉन-गजेटेड, नॉनमिनिस्टेरियल) में जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर (जेएसओ) के पद पर नियुक्ति दी जाती है। वे सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सबऑर्डिनेट स्टैटिस्टिकल सर्विस (एसएसएस) कैडर का हिस्सा होते हैं।

वेतन-भत्ते

जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर पे-बैंड 2 के अंतर्गत आते हैं। इनका वेतनमान 9300-34800 तथा ग्रेड पे 4200 होता है। जेएसओ का आरंभिक वेतन लगभग 30,000 रुपए प्रति माह होता है।

पोस्टिंग

स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2) अखिल भारतीय स्तर का पद है। इस पद पर नियुक्त होने वाले अधिकारियों की पदस्थापना देश के किसी भी स्थान पर की जा सकती है। जेएसओ के रूप में चयनित होने वाले 80 प्रतिशत उम्मीदवारों की नियुक्ति नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के माध्यम से की जाती है। शेष की नियुक्ति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में की जाती है। काम की प्रकृति जेएसओ को क्या काम करना होता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसकी नियुक्ति कहां की गई है। एनएसएसओ में नियुक्त स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर ऑफिसर को मुख्य रूप से दो तरह के काम करने होते हैं -

डाटा कलेक्शन - यह मूलत- एक फील्ड जॉब है। यह काम एनएसएसओ के फील्ड ऑपरेशंस डिविजन (एफओडी) के तहत होता है। इसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, सामाजिक-आर्थिक कारकों, शहरी सर्वे और मूल्य सूचकांकों के लिए सर्वे तथा डाटा संग्रहण अभियान संचालित करने होते हैं।

डाटा प्रोसेसिंग - जिन ऑफिसर्स की नियुक्ति एफओडी में नहीं होती, वे डेस्क जॉब करते हैं। वे विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संस्थानों के लिए विस्तृत डाटा रिपोर्ट तैयार करते हैं। इनके द्वारा संकलित किया गया डाटा ही भारत सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्धारण का आधार बनता है। इसके अलावा, जो ऑफिसर मंत्रालयों, विभागों या संस्थानों में नियुक्त होते हैं, उनकी जॉब प्रोफाइल क्लेरिकल होती है। वे दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग, सर्वे रिपोर्ट की रिक्वायरमेंट तैयार करने, डाटा एंट्री, टेब्यूलेशन, डाटा को संपादित व संकलित कर रिपोर्ट बनाने आदि का काम करते हैं।

संस्थागत ढांचा व प्रमोशन

जेएसओ सबऑर्डिनेट स्टैटिस्टिकल सर्विस (एसएसएस) में जूनियर ऑफिसर्स के लिए एंट्री-लेवल पद है। यहां की प्रमोशन संबंधी नीति वरिष्ठता और अनुभव पर आधारित होती है। जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर लगभग 5 से 8 साल बाद प्रमोशन पाकर सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर (ग्रुप-बी, गजेटेड) पद पर आ जाते हैं। इस लाइन में विभिन्न पद क्रमवार इस प्रकार होते हैं- जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर, सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर, असिस्टेंट डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर, जॉइंट डायरेक्टर, डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, एडिशनल डायरेक्टर जनरल, डायरेक्टर जनरल। स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर पद के लिए प्रतिस्पर्धा कम होती है और चयनित होने की संभावना अधिक। इसलिए आप इस पद का लक्ष्य साधकर सीजीएल एग्जाम में बैठ बेहतर करियर निर्माण के बारे में सोच सकते हैं। इसमें खास आकर्षण यह है कि यह केंद्र सरकार की नौकरी है और पहले ही प्रमोशन के बाद आप गजेटेड ऑफिसर बन जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अगले पांच सालों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत, जी 20 के शेरपा ने किया दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत अगले पांच सालों में अर्थव्यवस्था के मामले में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ देगा। ये बातें जी 20 के शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बताई हैं। दरअसल भातीय उद्योग संघ द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन कराया गया था। इस सम्मेलन में अमिताभ कांत ने कहा कि अगले पांच सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली तीन तिमाहियों में भारत बड़ी ताकत के रूप में उभरा है और 8.3 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ रहा है। अमिताभ कांत ने कहा है कि अगले दशक में भारत दुनिया के आर्थिक विस्तार में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारत 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें दक्षिण भारत का विकास सबसे अहम योगदान निभाएगा। अमिताभ कांत ने इस बात पर जोर दिया कि स्मार्ट शहरीकरण, और कृषि के क्षेत्र में भारत को विनिर्माण के दम पर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि एमएसएमई और एसएमई को आगे बढ़ाने के लिए भारत में बड़ी संख्या में बड़ी कंपनियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके अलावा भारत को अपने विकास के खर्च को 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2.5-3 प्रतिशत करना चाहिए। अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में विकास की गति को तेज करने के लिए हम वस्तु और सेवा कर लेकर आए, जिससे हमें अच्छा फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भी भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इस अभियान को शुरु करते समय भारत के पास केवल 150 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1,25,000 हो चुकी है।

सरकारी बैंकों का एनपीए छह माह में 3.5 फीसदी तक रहने की उम्मीद, फिक्की-आईबीए ने जारी की रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सरकारी बैंकों के बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। अगले छह माह में इनके और घटकर 3 से 3.5 फीसदी तक आने की उम्मीद है। फिक्की और इंडियन बैंक एसोसिएशन की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में निजी क्षेत्र के 67 फीसदी बैंकों के भी एनपीए में गिरावट आई है। सर्वेक्षण में शामिल 77 प्रतिशत बैंकों के एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सरकारी बैंकों की संपत्ति गुणवत्ता में अधिक सुधार हुआ है। जुलाई से दिसंबर, 2023 के बीच यह सर्वे किया गया था। इसमें निजी, सरकारी और विदेशी बैंकों सहित कुल 23 बैंकों ने भाग लिया। इन सभी की बाजार हिस्सेदारी 77 फीसदी है। सभी सरकारी बैंकों के एनपीए में कमी आई है। किसी भी सरकारी और विदेशी बैंक के एनपीए में छह माह में वृद्धि नहीं हुई है। 22 प्रतिशत निजी बैंकों का एनपीए बढ़ा है।खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्र में ज्यादा एनपीए हैं। अगले छह महीनों में 41 प्रतिशत बैंकों को गैर-खाद्य उद्योग कर्ज वृद्धि 12 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है। 18 प्रतिशत को लगता है कि गैर-खाद्य उद्योग कर्ज वृद्धि 12 प्रतिशत से अधिक होगी।

दानी हो तो ऐसा ! गिफ्ट में दे दिए 550 करोड़ रुपये के शेयर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एमडी एंड सीईओ वी वैद्यनाथन एक बार फिर से चर्चा में हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। जब देश में दानवीरों की बात आती है तो आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एमडी और सीईओ वी वैद्यनाथन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इन्होंने फरवरी 2022 के दौरान अपने ट्रेनर, हाउसहेल्प और ड्राइवर समेत पांच व्यक्तियों को मकान खरीदने के लिए नौ लाख शेयर दान में दे दिया था। उस समय उन शेयरों की कीमत 3.95 करोड़ रुपये थी। अब उन्होंने करीब 550 करोड़ रुपये के शेयर दान में दे दिए हैं। आइए जानते हैं इस बारे में।

कल यानी 21 मार्च को की गई एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया गया है कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एमडी और

सीईओ वी वैद्यनाथन एक बार फिर से सैकड़ों करोड़ रुपये के सात लाख शेयर दान किए हैं। इस बैंकर ने पांच लोगों को यह उपहार दिया है। इनमें वायु सेना का एक रिटायर्ड ऑफिसर और माता-पिता को खो चुका एक बच्चा भी शामिल है। जिस दिन शेयर दान में दिए गए उस दिन आईडीएफसी बैंक के एक शेयर की कीमत 77.90 रुपये थी। आज तो इसकी कीमत और चढ़ कर 78.34 रुपये तक पहुंच गई है। मतलब कि करीब 550 करोड़ रुपये के शेयर उपहार में दे दिए।

रिटायर्ड विंग कमांडर को दिए ढाई लाख शेयर : फाइलिंग से पता चलता है कि वैद्यनाथन ने मकान खरीदने के लिए समीर म्हात्रे को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के 50,000 शेयर दान कर दिए। मतलब कि उन्हें इस शेयर के जरिए 38.95 लाख रुपये दान में मिले। इसी के साथ उन्होंने अपने एक सहकर्मी के रिश्तेदार मयंक मृणाल घोष को 75,000 शेयर दान दिए। इस बैंक के कल की कीमत पर जोड़ा जाए तो मयंक को 58.42 लाख रुपये से भी ज्यादा की रकम दान में मिली है। इसी दिन उन्होंने वायु सेना के एक रिटायर्ड विंग कमांडर संपत कुमार को 2.5 लाख शेयर उपहार में दिए। कल जिन दो अन्य लोगों को शेयर दिए गए वे हैं - ए कनौजिया (मकान खरीदने के लिए 2.75 लाख शेयर) और मनोज सहाय जिनकी पहचान बैंकर के दोस्त के रूप में की गई है।

पहले भी देते रहे हैं दान में शेयर

वैद्यनाथन ने लाखों शेयर का दान पहली बार नहीं किया है। इससे पहले भी वह अपने शेयर लोगों को दान में देते रहे हैं। इससे पहले फरवरी 2022 में, बैंकर ने अपने ट्रेनर, हाउसहेल्प और ड्राइवर सहित पांच व्यक्तियों को मकान खरीदने में मदद करने के लिए अपने पास मौजूद 9 लाख शेयर, जिनकी कीमत 3.95 करोड़ रुपये से अधिक थी, उपहार में दिए थे। साल 2020 में, उन्होंने कथित तौर पर अपने पूर्व गणित शिक्षक को शेयर उपहार में दिए थे, जिन्होंने एक प्रमुख स्कूल में दाखिला लेने पर उन्हें 500 रुपये की सहायता की थी। बताया जाता है जनवरी 2018 से वैद्यनाथन ने बैंक में अपनी हिस्सेदारी का लगभग 40 प्रतिशत भाग उपहार में दे दिया है।

ऑनलाइन खूब बिक रहे राजनीतिक दलों के सामान, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर आम चुनाव की धूम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में आम चुनाव-2024 के करीब आते-आते राजनीतिक उत्साह ई-कॉमर्स क्षेत्र में भी व्याप्त हो गया है। ई-कॉमर्स मंचों पर विभिन्न राजनीतिक दलों से संबंधित माल सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। ये ऑनलाइन मंच चुनाव से संबंधित सभी उत्पाद जैसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कमल से लेकर पुरानी समुद्री घड़ियों पर आम आदमी पार्टी (आप) का चुनाव चिह्न झाड़ू और कांग्रेस के प्रसिद्ध दुपट्टे आदि पेश करते हैं। बस, किसी ई-कॉमर्स वेबसाइट पर किसी भी राजनीतिक दल का नाम दर्ज करें, और झंडे से लेकर पेंडेंट (गले में पहना जाने वाला) और पेन तक विविध प्रकार के सामान पेज पर आ जाएंगे। एक ई-कॉमर्स मंच की एक प्रतिनिधि ने कहा कि यह प्रवृत्ति शुरू में 2019 के चुनावों के दौरान उभरी जब ई-कॉमर्स मंच प्रचार माल और सहायक उपकरण के लिए पसंदीदा गंतव्य बन गए।

खूब बिक रहे ये सामान

उन्होंने कहा, जब सब कुछ ऑनलाइन बेचा जाता है, तो यह क्यों नहीं। ...और विक्रेता ही इसे हमारे मंच पर डालते हैं और ई-कॉमर्स वेबसाइटों को बस यह जांचना है कि यह नियमों का पालन करता है कि नहीं। विशेष रूप से, कुछ राजनीतिक दलों ने स्वयं अपनी-अपनी वेबसाइटों पर ऐसे माल बेचने में सक्रियता दिखाई है।उदाहरण के लिए, नमो मर्चेंडाइज वेबसाइट मोदी का परिवार, फिर एक बार, मोदी सरकार, मोदी की गारंटी, और मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारों से सजी टी-शर्ट, मग, लोटा, नोटबुक, बिल्ला, रिस्टबैंड (कलाई पर बांधा जाने वाला), चाभी का छल्ला, स्टिकर, चुम्बक, टोपी और कलम आदि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का दावा करती है।

सात चरणों में होने हैं चुनाव

इस प्रवृत्ति पर पीटीआई-भाषा द्वारा अमेजन इंडिया और फ्लिपकार्ट से प्रतिक्रिया मांगने का प्रयास किया गया लेकिन दोनों मंचों से प्रतिक्रिया नहीं मिली। हालांकि, ई-कॉमर्स मंच पर इन सामानों के आपूर्तिकर्ताओं में से एक ने खुलासा किया कि लोकसभा चुनावों में ऐसी वस्तुओं की ऑनलाइन बिक्री में वृद्धि देखी गई। आपूर्तिकर्ता ने कहा, पहले, हमारी आपूर्ति दुकानों को होती थी, लेकिन ऑनलाइन खुदरा मंचों की ओर झुकाव को देखते हुए हमें इसे अपनाना ही ठीक लगा। लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से सात चरणों में होने हैं। मतगणना चार जून को होगी।

टाटा केमिकल्स और एयरटेल पर जुर्माना लगा

टाटा केमिकल्स पर 103.63 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो ये खबर आपके काम की है। रतन टाटा की टाटा केमिकल्स और एयरटेल पर तगड़ा जुर्माना लगा है। आयकर विभाग ने ब्याज की अस्वीकृति से संबंधित नियम के उल्लंघन के लिए टाटा केमिकल्स पर 103.63 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। टाटा केमिकल्स ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी गई एक सूचना में कहा कि उसे आयकर विभाग के नेशनल फेसलेस असेसमेंट सेंटर से एक आदेश मिला है, जिसमें धारा 36 (1) के तहत ब्याज की अस्वीकृति के लिए आयकर अधिनियम की धारा 270 ए (3) के तहत 103.63 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। टाटा ग्रुप की कंपनी ने कहा कि मामले के गुण-दोष, प्रचलित कानून और वकील की सलाह के आधार पर वह इस आदेश के खिलाफ नेशनल फेसलेस अपील सेंटर (अपीलीय प्राधिकरण) के समक्ष अपील करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि उसे अपीलकर्ता अधिकारियों से अनुकूल ऑर्डर की उम्मीद है। इधर दूरसंचार विभाग ने दिल्ली और बिहार सर्कल में ग्राहक वेरिफिकेशन मानदंडों के उल्लंघन के लिए भारती एयरटेल पर करीब 4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। भारतीय एयरटेल ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। कंपनी ने बिहार सर्कल में दूरसंचार विभाग द्वारा लगाए गए, 1.46 लाख रुपये के जुर्माने को लेकर विरोध जताया है। अभी टाटा केमिकल्स का शेयर कल यानी गुरुवार को 4 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 1036 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं एयरटेल 8 अंकों की गिरावट के साथ 1223 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कंपनियों पर लगे इस जुर्माने का असर शेयर पर देखने को मिल सकता है।

रिलायंस पावर के शेयर में लगातार तेजी

आज भी रिलायंस पावर के शेयर में अपर सर्किट लगा है

पिछले तीन दिनों से इस शेयर में उछाल देखा जा रहा है

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच अनिल अंबानी की एक कंपनी के शेयर में बंपर उछाल देखने को मिल रहा है। इस शेयर को खरीदने की लूट मची हुई है। पिछले दो दिनों से लगातार इसमें अपर सर्किट देखने को मिल रहा है। यह शेयर अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर का है। रिलायंस पावर लिमिटेड के शेयर आज भी अपर सर्किट पर चल रहे हैं। शेयर में आज करीब 5 फीसदी का उछाल आया है। शेयर अपर सर्किट के साथ 26.30 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है। पिछले 5 दिनों में शेयर में 13 फीसदी से ज्यादा का उछाल आ चुका है। शेयर में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। अनिल अंबानी की इस कंपनी के शेयर में यह तेजी अभी हाल ही में आई है। इससे पहले इस शेयर में गिरावट देखने को मिल रही थी। पिछले एक महीने में रिलायंस पावर का शेयर दो फीसदी से ज्यादा उछला है।

अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयर में यह तेजी ऐसे ही नहीं आई है। इससे पहले गुरुवार को भी रिलायंस पावर के शेयर 5 फीसदी उछाल के साथ 25.02 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलायंस पावर ने आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक के कर्ज का पिछला सप्ताह पूरा सेटलमेंट कर दिया है। इसके बाद से रिलायंस पावर के शेयर में यह तेजी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक,

रिलायंस पावर चालू वित्त वर्ष के आखिर तक कर्ज मुक्त कंपनी होना चाहती है। अभी कंपनी की बुक पर इकलौता कर्ज आईडीबीआई बैंक का वर्किंग कैपिटल लोन होगा।

निवेशक हुए मालामाल

रिलायंस पावर के शेयर में पिछले 4 वर्षों में 2115 फीसदी की बंपर तेजी आई है। अनिल अंबानी की इस कंपनी के शेयर साल 2020 में 27 मार्च को 1.13 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। वहीं आज रिलायंस पावर के शेयर 26.30 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में देखें तो शेयर में पिछले एक साल में 155.34 फीसदी का उछाल आया है। पिछले 5 वर्षों में शेयर 146.95 फीसदी बढ़ चुका है। इस शेयर में निवेश करने वालों को शानदार मुनाफा हुआ है।

एपल की बड़ी मुश्किलें: पहले मुकदमा दायर, अब शेयर बाजार में तगड़ा झटका; एक ही दिन में गंवाए 113 अरब डॉलर

वॉशिंगटन , एजेंसी। आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले एपल पर उपभोक्ताओं और छोटी कंपनियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा और अब शेयर बाजार में बड़ा झटका लगा है। दरअसल, अमेरिकी सरकार ने एपल पर एंटीट्रस्ट कानूनों का उल्लंघन करने का मुकदमा दायर किया है। अमेरिकी न्याय विभाग और 16 स्टेट अटॉर्नी जनरल ने गुरुवार को एपल के खिलाफ एक एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू किया है। वहीं, यूरोप में कंपनी को इस बारे में जांच का सामना करना पड़ रहा है कि क्या वह क्षेत्र के डिजिटल बाजार अधिनियम का अनुपालन कर रही है।

भारत में पिछले एक दशक में मोबाइल का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब डॉलर हो गया था, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अब गुरुवार को एपल कंपनी के शेयर 4.1 फीसदी फिसल गए। इससे एक ही दिन में कंपनी के बाजार मूल्य में करीब 113 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। यह पहली बार नहीं है जब एपल किसी जांच के घेरे में आया है। कंपनी और

उससे जुड़े लोग वर्षों से प्रतिस्पर्धियों को दबाकर खुद को लाभ पहुंचाने जैसे आरोपों का सामना कर रहे हैं। हालांकि, जैसे-जैसे एपल के उत्पाद अधिक लोकप्रिय हुए हैं और दुनिया भर में दैनिक जीवन का एक हिस्सा बन गए हैं, तब से प्रशासन भी इसके प्रति सतर्क हो गया है।

यह हैं आरोप

एपल ने एंटीट्रस्ट लॉ का उल्लंघन कई नीतियों को रिस्ट्रिक्ट और कंपटीशन को रोककर किया है, जो अन्य कंपनियों को डिजिटल वॉलेट जैसे अपने प्रोडक्ट को कंपटीट करने वाले एप्लिकेशन पेश करने से रोकती है। इससे संभावित रूप से आईफोन का मूल्य कम हो जाता। न्यू जर्सी डिस्ट्रिक्ट के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे के अंश के अनुसार, एपल के कार्यों से उपभोक्ताओं और उसकी सेवाओं के साथ कंपटीशन करने वाली छोटी कंपनियों को नुकसान होता है। सरकार का दावा है कि एपल के इस आचरण ने पिछले कुछ वर्षों में उसके स्मार्टफोन एकाधिकार को मजबूत किया है, जिससे अनुचित लाभ हुआ है। मुकदमे के केंद्र में एपल का प्रमुख उत्पाद आईफोन है। आलोचकों का तर्क है कि एपल अपने डिवाइस पर यूजर्स एक्सपीरिएंश को सख्ती से कंट्रोल करता है। अपने ही प्रोडक्ट और सेवाओं को कंपटीटर्स से अधिक तरजीह देता है।

एसबीआई ने सौंपा इलेक्टोरल बॉन्ड का पूरा डेटा

चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया डेटा

मेघा ग्रुप ने सबसे ज्यादा चुनावी चंदा दिया है

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक ने इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ा पूरा डेटा निर्वाचन आयोग को सौंप दिया है। एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, चुनावी बॉन्ड्स से जुड़ी सारी जानकारी तय समय सीमा यानी 21 मार्च शाम पांच बजे से पहले उपलब्ध करा दी है। इसके बाद चुनाव आयोग ने इसे अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड भी कर दिया है। इसमें बॉन्ड का अल्फा न्यूमेरिक नंबर भी बताया गया है। इससे पता चला है कि किस कंपनी ने कौन से राजनीतिक दल को कितना चुनावी चंदा दिया है। नए डेटा से खुलासा हुआ है कि ऐसी कई कंपनियां हैं, जिन्होंने बीजेपी और कांग्रेस दोनों दलों को करोड़ों का चंदा दिया है। मेघा ग्रुप सबसे ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वाली कंपनियों में से एक है। इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड हैदराबाद बेस्ड है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र प्रोजेक्ट से पहले इस कंपनी ने करोड़ों के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे थे। मेघा इंजीनियरिंग ने भाजपा-कांग्रेस दोनों को सबसे ज्यादा चंदा दिया है।

बीजेपी और कांग्रेस दोनों को मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा और उसकी सब्सिडियरी वेस्टर्न यूपी पावर ने सबसे ज्यादा चंदा दिया है। कंपनी ने भाजपा को 664 करोड़ रुपये और कांग्रेस को 128 करोड़ का चंदा दिया है। इसी कंपनी ने केसीआर की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को भी 390 करोड़ रुपये का चंदा दिया है। इसके बाद वेदांता ने कांग्रेस को दूसरा सबसे बड़ा चंदा 104 करोड़ का दिया है। वहीं फ्यूचर गेमिंग एंड होटल तृणमूल की सबसे बड़ी डोनर रही है। बॉन्ड से 623 करोड़ रुपये गोपनीय रूप से पार्टियों को मिले हैं। इनमें 466.31 करोड़ रुपये भाजपा और 70.77 करोड़ रुपये कांग्रेस को मिले हैं। ये रकम अप्रैल 2019 की है। इस दौरान कंपनियां गुप्त चंदा दे सकती थीं।

इतने वर्षों का है डेटा

इलेक्टोरल बॉन्ड की लेटेस्ट लिस्ट में अप्रैल 2019 से फरवरी 2024 तक का डेटा है। इसमें मार्च 2018 से 1 अप्रैल 2019 तक का डेटा नहीं है। इस दौरान 4002 करोड़ रुपये के 9159 इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे गए थे। इसकी जानकारी के लिए सुप्रीम कोर्ट में अलग याचिका लगाई गई है।

चंदा देने वाली टॉप 5 कंपनियां

भाजपा को मेघा इंजीनियरिंग एंड वेस्टर्न यूपी ने 664 करोड़ रुपये, क्विक सप्लाई चेन ने 375 करोड़ रुपये, वेदांता ने 226.65 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल ने 183 करोड़ रुपये, मदनलाल लिमिटेड ने 175.50 करोड़ रुपये का चंदा दिया है। वहीं कांग्रेस को मेघा इंजीनियरिंग एंड वेस्टर्न यूपी ने 128 करोड़ रुपये, वेदांता ने 104 करोड़ रुपये, एमकेजे 69.35 करोड़ रुपये, यशोदा हॉस्पिटल ने 64 करोड़ रुपये और अवीज ट्रेडिंग ने 53 करोड़ रुपयों का चंदा दिया है।

लोगों के बीच गोल्ड लोन का चलन बढ़ा

लोग गोल्ड लेकर अपनी जरूरतें पूरी कर रहे हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। महीने का तीसरा सप्ताह चल रहा है। निम्न मध्यमवर्गीय परिवार में से अधिकतर की सैलरी पहले ही खर्च हो गई है। यही हालत रामजीवन की भी है। वह नोएडा की एक कंपनी में नौकरी करते हैं। हर महीने की सात तारीख को सैलरी आती है। उनकी पूरी सैलरी खर्च हो चुकी है। अगले सोमवार को ही होली का त्योहार आ रहा है। साल भर का त्योहार है तो वह मनेगी ही। घर में पैसे नहीं हैं तो क्या हुआ, पुआ-पूड़ी बनाना है। गुजिया बनाना है। इसके लिए तो सामान तो आएगा ही। लेकिन सामान आए कैसे। त्योहार मनाने के लिए रामजीवन पत्नी के गहने गिरवी रख कर कुछ पैसे ले आए। अब त्योहार मनाने की टेंशन खत्म। पूरा परिवार खुश है।

यह कहानी सिर्फ रामजीवन की ही नहीं है। अधिकतर निम्न मध्यम वर्गीय लोगों की यही दास्तां है। इस समय लोगों का खर्च ही खर्च है। दो दिन बाद ही होली है। शादी-ब्याह का मौसम तो पहले ही शुरू हो ही गया है। ऐसे में जिनके पास पर्याप्त बचत नहीं है, वे शादी-ब्याह ही नहीं, त्योहार मनाने के लिए भी लोन ले रहे हैं। बच्चों को पढ़ाने के लिए लोन ले रहे हैं। लोन लेने के लिए सबसे आसान तरीका है सोने को गिरवी रख कर लोन लेना।सकर ग्रामीण और अर्ध

ग्रामीण इलाकों में इस तरह के रुझान में तेजी देखी जा रही है। छोटे कारोबारी और व्यक्तिगत तौर पर लोग सोने को गिरवी ज्यादा रख रहे हैं। रिजर्व बैंक की सोने पर एक रिपोर्ट पिछले दिनों ही आई है। इसमें बताया गया है कि इस समय 53 करोड़ तोला (यहां तोला का मतलब 10 ग्राम से है) या 53,00,000 किलो सोना गिरवी रख कर लोन लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समय देश में गोल्ड लोन का मार्केट करीब 15 लाख करोड़ रुपये का है। यह बीते एक साल में 17 फीसदी बढ़ा है। अनुमान है कि साल 2029 तक यह सालाना 12.22 फीसदी की दर से बढ़ेगा। अभी गोल्ड लोन के क्षेत्र में काफी एनबीएफसी आ गई हैं। कई बैंक भी गोल्ड लोन देते हैं। तब भी देश में गोल्ड लोन मार्केट में संगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी 50 फीसदी से कम ही है। रिपोर्ट के अनुसार अभी गोल्ड लोन के मार्केट में संगठित क्षेत्र 40 फीसदी बाजार पर कब्जा जमाए हुए है। मतलब कि करीब 15 लाख करोड़ रुपये के गोल्ड लोन के बाजार में उनकी हिस्सेदारी छह लाख करोड़ करोड़ की है। अभी भी साहूकारों और महाजनों का कब्जा 60 फीसदी या नौ लाख करोड़ रुपये के बाजार पर है।

सोने का दाम रिकार्ड हाई पर

इस समय सोने का रेट रिकार्ड हाई पर है। कल ही दिल्ली में 10 ग्राम सोने का रेट 66,914 रुपये था। एक ही दिन में सोने का रेट 1225 रुपये चढ़ा है। देखा जाए तो बीते एक साल में सोने की कीमत 16.6 फीसदी बढ़ी है। सोने की कीमत बढ़ने से गोल्ड लोन का बाजार भी बढ़ा है। बीते एक साल में गोल्ड लोन में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

20 प्रतिशत बढ़ सकती है मांग

दिल्ली में कूचा महाजनी के सोने के व्यापारियों के मुताबिक, पिछले साल के शादी-ब्याह के सीजन की तुलना में गोल्ड लोन की दबी मांग कम-से-कम 20 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है।

सरफराज खान के पिता के साथ क्रिकेट खेल चुके हैं रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बताया कि उन्हें अपने युवा साथियों के साथ खेलने में बहुत मजा आया। रोहित का कहना है कि ये युवा खिलाड़ी थोड़े शरारती जरूर थे, लेकिन जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में डेब्यू किया तो रोहित भावुक भी हो गए। इस सीरीज़ में विराट कोहली जैसे कुछ बड़े खिलाड़ी नहीं खेल रहे थे। लेकिन भारत ने शानदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को 4-1 से हरा दिया। इस सीरीज में रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, आकाशदीप और देवदत्त पडिकल जैसे पांच युवा खिलाड़ियों ने डेब्यू किया।

रोहित शर्मा ने क्या कहा?

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट टीम रो पर रोहित शर्मा ने कहा, मुझे इनके साथ खेलकर बहुत अच्छा लगा। ये सभी युवा खिलाड़ी थोड़े शरारती थे। मैं इनमें से ज्यादातर खिलाड़ियों को और उनकी ताकत को जानता था। मैं उन्हें ये बताकर सहज बनाना चाहता था कि वो कितने अच्छे खिलाड़ी हैं और उन्होंने पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। जिस तरह से उन्होंने मेरी और राहुल सर की बात मानी वो लाजवाब था। युवा खिलाड़ियों के डेब्यू के मौके पर माता-पिता की मौजूदगी और पूरे माहौल से भावुक

होकर रोहित ने कहा कि वो उनके डेब्यू में खो से गए थे। रोहित शर्मा ने कहा, मैं इन सब लड़कों के डेब्यू में खो गया था। उनके माता-पिता भी वहां मौजूद थे, बहुत भावुक करने वाला था। मुझे उनका डेब्यू देखकर वाकई बहुत अच्छा लगा।

सरफराज के पिता के साथ खेल चुके

भारतीय कप्तान ने सरफराज खान का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने बचपन में सरफराज के पिता के खिलाफ क्रिकेट खेला था। रोहित ने कहा, जब मैं बहुत छोटा था तब मैं सरफराज के पिता के साथ कांगा लीग में खेल चुका हूं।

शेर यहां है, बुमराह के ट्रेनिंग कैंप में शामिल होने पर शेयर की पोस्ट

मुंबई, एजेंसी। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शुक्रवार को आगामी सीजन से पहले पांच बार के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) विजेता मुंबई इंडियंस (एमआई) के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। आईपीएल 2023 में पीठ में स्ट्रेस चोट के कारण बुमराह टूर्नामेंट से चूक गए।

स्टार तेज गेंदबाज ने टूर्नामेंट के 2013 सीजन में मुंबई स्थित फ्रेंचाइजी के साथ अपनी शुरुआत की,

इसके बाद उन्होंने 120 मैचों में भाग लिया जिसमें उन्होंने 7.4 की इकॉनमी रेट से 145 विकेट हासिल किए। मुंबई स्थित फ्रेंचाइजी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने 30 वर्षीय खिलाड़ी के टीम में शामिल होने की खबर साझा की। एमआई ने एक्स पर लिखा, शेर यहां है। आईपीएल का 17वां सीजन 22 मार्च से शुरू हो रहा है जबकि मुंबई इंडियंस अपने अभियान की शुरूआत रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगी। एमआई का 2023 में एक सफल सीजन रहा जो लीग के नॉकआउट चरण तक पहुंचे। हालांकि वह छठे खिताब का दावा करने में असमर्थ रहे। टीम रैंकिंग में चौथे स्थान पर रही लेकिन क्वालीफायर 2 में गुजरात टाइटंस से बाहर होने के बाद फाइनल से चूक गई।

एडम जम्पा ने IPL-2024 से नाम वापस लिया

- RR ने 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा, रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग-2024 से ठीक पहले राजस्थान रॉयल्स को एक और बड़ा झटका लगा हैं। टीम के लेग स्पिनर एडम जम्पा ने मौजूदा सीजन से अपना नाम वापस ले लिया है। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। रिपोर्ट में दावा किया कि 31 साल के जम्पा निजी कारणों के चलते लीग के मौजूदा सीजन से बाहर हुए हैं। राजस्थान की टीम ने अब तक एडम जम्पा के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। खिलाड़ी के मैनेजर ने उनके भारतीय लीग से हटने की पुष्टि की है। हालांकि, फ्रेंचाइजी और ढ्ढक्रु टीम की ओर से इस संबंध में कोई बयान नहीं आया है।

टीम के टॉप-3 स्पिनर्स में शामिल थे जम्पा ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा के हटने से राजस्थान रॉयल्स का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर होगा। वे रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल के साथ जंपा राजस्थान रॉयल्स के तीन शीर्ष स्पिनरों में शामिल थे। उन्होंने पिछले सीजन में फ्रेंचाइजी की ओर से 6 मैच खेले थे, जिनमें 23.50 की औसत से 8 विकेट लिए थे।

कप्तानी छोड़ने के बावजूद खेलना जारी रखेंगे धोनी

2023 में कहा था- चेन्नई में खेलेंगे आखिरी मैच

माही ने कहा था- चेपॉक में आखिरी मैच खेलेंगे

धोनी ने पिछले सीजन ही कह दिया था कि वह चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में करियर का आखिरी मैच खेलेंगे। पिछले सीजन चेन्नई ने अपना आखिरी मैच गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला था। जो टूर्नामेंट का फाइनल भी था। इसे CSK ने जीत तो लिया लेकिन मुकाबला चेपॉक में नहीं होने के कारण धोनी ने एक और सीजन तक टीम के साथ बने रहने का फैसला किया। अब चेपॉक में ष्टस्न्न की टीम टूर्नामेंट का पहला ही मैच खेलेगी। मुकाबला ऋष्टक्र के खिलाफ होगा, जो धोनी के करियर का आखिरी IPL मैच भी हो सकता है। हालांकि डेवोन कॉन्वे की इंजरी के बाद धोनी अब कुछ और मैच खेलना जारी रख सकते हैं।

धोनी ने 2020 में लिया था इंटरनेशनल रिटायरमेंट

एमएस धोनी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से 2020 में ही रिटायरमेंट ले लिया था। 15 अगस्त 2020 को शाम 7:29 बजे माही ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए संन्यास का ऐलान किया था। वह भारत को अपनी कप्तानी में ICC की चैंपियंस ट्रॉफी (2013), वनडे वर्ल्ड कप (2011) और टी-20 वर्ल्ड कप (2007) जिताने वाले एकमात्र कप्तान हैं।

2022 में भी कप्तान बदल चुकी है CSK

ऋतुराज गायकवाड CSK के चौथे कप्तान हैं। उनसे पहले रवींद्र जडेजा ने 8 और सुरेश रैना ने 5 मैचों में ष्टस्न्न की कप्तानी की। रैना ने उन्हीं मैचों में कमान संभाली जब धोनी इंजरी या किसी और कारण से कप्तानी नहीं कर सके। जबकि जडेजा को 2022 का सीजन शुरू होने से पहले कप्तान बनाया गया, उन्होंने 8 मैचों में कमान संभाली लेकिन टीम 2 ही मुकाबले जीत सकी। जडेजा ने बीच सीजन में ही कप्तानी छोड़ने का फैसला किया और धोनी ने फिर ष्टस्न्न की बागडोर अपने हाथों में ले ली। 2022 के सीजन में धोनी की कप्तानी के बावजूद टीम को आखिरी 6 में से 4 मैचों में हार मिली। टीम उस सीजन 14 में से 10 हार के साथ 4 पॉइंट्स लेकर 9वें नंबर पर रही। अब CSK ने एक बार फिर सीजन शुरू होने से पहले धोनी की जगह नए कप्तान को टीम की जिम्मेदारी सौंप दी। ऐसे में देखना अहम होगा कि टीम कैसा परफॉर्म करती है।

100 IPL मैच जिताने वाले एकमात्र कप्तान

एमएस धोनी IPL इतिहास के सबसे सफल कप्तान हैं। उन्होंने 226 IPL मैचों में कप्तानी की और 133 में टीम को जीत दिलाई। उनकी कप्तानी में ष्टस्न्न ने 5 खिताब जीते, इस मामले में स्रढ्ढ के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी 5 खिताब जिताकर नंबर-1 कप्तान हैं।

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का यह आखिरी ढ्ढक्क हो सकता है। उन्होंने टूर्नामेंट शुरू के एक दिन पहले सभी को चौंकाया और कप्तानी छोड़ दी। ओपनिंग सेरेमनी से पहले कैप्टंस फोटोशूट में उनकी जगह ऋतुराज गायकवाड ष्टस्न्न के कप्तान बनकर पहुंचे।

आईपीएल मैनेजमेंट ने कन्फर्म किया कि धोनी की जगह गायकवाड इस सीजन ष्टस्न्न की कप्तानी करेंगे। कप्तानी छोड़ने के बावजूद धोनी खेलना जारी रखेंगे। हालांकि अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह 42 साल के धोनी का आखिरी ढ्ढक्क सीजन हो सकता है।

कॉन्वे खेलते तो जरूर धोनी जल्दी संन्यास ले लेते

न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे पिछले 2 सीजन से ष्टस्न्न के लिए ओपनिंग कर रहे हैं और वह काफी सफल ओपनर हैं। टूर्नामेंट शुरू होने के पहले वह इंजर्ड हो गए, अब वह मई के पहले सप्ताह तक वापसी नहीं कर पाएंगे। कॉन्वे बैटिंग के साथ विकेटकीपिंग भी कर लेते हैं और धोनी भी विकेटकीपर बैटर हैं। यानी अगर कॉन्वे फिट रहते तो ष्टस्न्न को विकेटकीपिंग में धोनी की जरूरत नहीं रहती। लेकिन अब कॉन्वे इंजर्ड हैं और टीम में उनके अलावा अनकैप्ड अवनीश राव अरावेली ही विकेटकीपर हैं।

कैसा होगा पंत का मिरैकल कमबैक

क्या खत्म होगा विराट के 17 साल का इंतजार

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग का 17वां सीजन आज से शुरू हो रहा है। कई खिलाड़ियों की इंजरी के बाद वापसी, नए कप्तान और पुराने कप्तानों की विदाई से इस बार का सीजन इंटरेस्टिंग हो चला है। जिन पर सभी क्रिकेट फैंस की नजरे रहेंगी।

ऐसी ही 5 कहानियों के बारे में इस स्टोरी में हम जानेंगे। 29 दिसंबर 2022 की रात जब ऋषभ पंत का कार एक्सीडेंट हुआ, तो हर क्रिकेट प्रेमी उनकी सलामती की दुआ कर रहा था। पंत ने 5 दिन तक जिंदगी-मौत के बीच जंग लड़ी और 5 जनवरी को होश में आए। एक इंटरव्यू में पंत ने खुद उस घटना को याद करते हुए कहा था कि पहली बार मुझे जिंदगी में लगा कि मेरा समय खत्म हो चुका है। उस हादसे के बाद ऋषभ पंत IPL के जरिए क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। ऐसे में हर फैन की नजर उनके प्रदर्शन पर रहेगी। IPL के ठीक बाद इस साल टी-20 वर्ल्ड कप भी है। BCCI सचिव जय शाह ने कहा है कि अगर पंत ने IPL में विकेटकीपिंग और बैटिंग में अच्छा परफॉर्म किया तो वह वर्ल्ड कप प्लान में भी शामिल हो सकते हैं।

स्विस ओपन

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे श्रीकांत और राजावत

बेसल, एजेंसी। शीर्ष भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत और युवा खिलाड़ी प्रियांशु राजावत बीडब्ल्यूएफ स्विस ओपन, सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। दुनिया में 27वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने 10वें नंबर के खिलाड़ी मलेशियाई ली जी जिया को केवल 36 मिनट में सीधे सेट में 21-16, 21-15 से हराया। दूसरी ओर, राजावत ने दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी चीन के लेई लांक्सी को सीधे गेम में 21-14, 21-13 से हराया। 22 वर्षीय राजावत ने पहले दौर में हांगकांग के विश्व नंबर 14 ली चेउक यियू के खिलाफ बाजी मारी थी। ली साल की शुरुआत में इंडिया ओपन में फाइनलिस्ट थे। श्रीकांत का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के चिया हाओ ली से होगा, जिन्होंने लक्ष्य सेन को सीधे गेम में 21-17, 21-15 से हराकर बाहर कर दिया। राजावत का मुकाबला ताइपे के एक अन्य शटलर चाउ टीएन चेन से होगा। एक अन्य पुरुष एकल शटलर किरण जॉर्ज ने एलेक्स लैनियर पर कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 22-20, 21-18 से जीत के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

IPL के इतिहास में धोनी ऐसा करने वाले इकलौते कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2024 से पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी छोड़ दी है। उनकी जगह युवा रुतुराज गायकवाड़ को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीएसके की टीम ने धोनी की चमत्कारी कप्तानी में पांच बार आईपीएल ट्रॉफी जीती। धोनी की कप्तानी में कई युवा खिलाड़ियों ने अपना करियर बनाया है। धोनी हमेशा से ही प्लेयर्स को सपोर्ट करने के लिए जाने जाते हैं।

पेरिस ओलंपिक में शरत कमल होंगे भारत के ध्वजवाहक

दल की अगुवाई करेंगी मुक्केबाज मैरीकॉम

नई दिल्ली, एजेंसी। छह बार की विश्व चैंपियन और 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम के साथ शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले शिवा केशवन को भारतीय दल का उप प्रमुख नियुक्त किया गया। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन शरत कमल इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक होंगे।

वहीं, दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को बृहस्पतिवार को देश के दल का प्रमुख (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने यह घोषणा करते हुए कहा कि यह 41 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करते समय हमारे दल की एकता और भावना का प्रतीक है।

छह बार की विश्व चैंपियन और 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम के साथ शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले शिवा केशवन को भारतीय दल का उप प्रमुख नियुक्त किया गया। आईओए ने

पीटी उषा का बयान

आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने इन नियुक्तियों के संबंध में कहा, 'हम पेरिस ओलंपिक खेलों में हमारे दल का नेतृत्व करने के लिए अधिकारियों की इतनी प्रतिष्ठित और क्षमतावान टीम पाकर बहुत खुश हैं।

निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे गगन नारंग

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे। ओलंपिक में निशानेबाजी रेंज मुख्य स्थल से काफी दूर है। भारत पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में अपनी सबसे बड़ी टीम भेजेगा क्योंकि देश अभी तक 19 कोटा स्थान हासिल कर चुका है। आईओए ने बयान में कहा, 'ये नियुक्तियां अनुभव, विशेषज्ञता और नेतृत्व कौशल को देखकर की गई हैं जो वैश्विक मंच पर हमारे खिलाड़ियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।'

कहा, 'मैरीकॉम का खेलों के प्रति समर्पण और प्रेरणादायी यात्रा ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए स्वाभाविक पसंद बनाती है।

एक्ट्रेस सारा अली खान को 20वीं सदी का रूसी इतिहास बेहद पसंद

अपकमिंग स्ट्रीमिंग फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में दिखाई देने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने कहा है कि उन्हें 20वीं सदी का रूसी इतिहास और रूसी साहित्य पसंद है। इतिहास की छात्रा रहीं एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी पीरियड फिल्म की रिलीज से पहले आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें सोवियत संघ के पतन और रूस में व्लादिमीर लेनिन के उत्थान तक 100 वर्षों के भीतर क्या- क्या ऐतिहासिक क्षण घटित हुए, इस बारे में बहुत दिलचस्पी है।

उन्होंने कहा, मुझे 20वीं सदी का रूसी इतिहास बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह जानना बहुत दिलचस्प है कि वे व्लादिमीर लेनिन, जोसेफ स्टालिन, निकिता ख्रुश्चेव और मिखाइल गोर्बाचेव के समय सोवियत संघ के पतन तक कैसे पहुंचे, ये सब 100 सालों में हुआ है। इसे इस तरह से देखना बहुत दिलचस्प है। वास्तव में, निकिता ख्रुश्चेव ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने अपने पूर्ववर्ती जोसेफ स्टालिन के अपराधों की निंदा की और उनकी नीतियों को हटाया और अपनी नीति लाए। उन्होंने रूसी साहित्य के प्रति अपने प्रेम के बारे में भी बताया और सूची में शीर्ष पर रहने वाले फ्योडोर दोस्तोवस्की के साथ अपने पसंदीदा लेखकों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मुझे रूसी साहित्य भी बहुत पसंद है।

फ्योदोर दोस्तोवस्की का क्राइम एंड पनिशमेंट, उपन्यास अन्ना कैरेनिना मेरा पसंदीदा है। अलेक्जेंडर पुश्किन भी मेरे पसंदीदा में से एक हैं। इसलिए इतिहास के विद्यार्थी के रूप में रूस मेरे लिए एक विशेष स्थान रखता है।

अभी राजनीति में जाने का यह सही समय नहीं: रणदीप

बालीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा ने भविष्य में राजनीति में शामिल होने की संभावनाओं से इनकार नहीं करते हुए कहा है कि फिलहाल वे अपने अभिनय करिअर पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। ऐसी खबरें थीं कि हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की जीवनी 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' की रिलीज का इंतजार कर रहे रणदीप हुड्डा अपने गृहनगर हरियाणा के रोहतक से भाजपा उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। अभिनेता ने बताया, 'राजनीति एक फिल्म निर्माता या अभिनेता जितना ही गंभीर करिअर है।

मैं अपने अभिनय के प्रति बहुत अधिक ईमानदार रहा हूं। अगर मुझे राजनीति में शामिल होना पड़ा, तो मैं इसे पूर्णकालिक कार्य के रूप में अपनाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो एक ही समय में कई काम कर सकता है। फिलहाल, मेरे पास एक अभिनेता के रूप में करने के लिए कई फिल्में हैं और एक निर्देशक के रूप में मेरा नया करिअर है, जिसका मैंने आनंद लिया, हालांकि यह बहुत कठिन था।'

'हाईवे', 'सरबजीत' और 'सुल्तान' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले हुडा ने कहा, 'यह इसमें (राजनीति में) कूदने और अपना फिल्मी करिअर छोड़ने का सही समय नहीं है क्योंकि आधे-अधूरे मन से मैंने कभी कोई काम नहीं किया। मुझे खालसा सहायता के रूप में 'सेवा' करना या समुद्र तटों की सफाई करना या अन्य पर्यावरणीय कारणों के लिए काम करना पसंद है। यह मेरे अंदर हमेशा से था, लेकिन आप भविष्य के बारे में कभी नहीं जानते।

बॉलीवुड में वापसी के लिए तैयार हैं प्रियंका !

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। इन दिनों प्रियंका भारत आई हुई हैं। पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ वह मुंबई में ही हैं। बीते दिनों बेटी और पति के साथ अयोध्या रामलला के दर्शन करने पहुंची थीं, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। अब अभिनेत्री के बॉलीवुड में वापसी को लेकर खबर सामने आ रही है। खबर के मुताबिक अपने अगले बॉलीवुड प्रोजेक्ट के चलते प्रियंका इन दिनों मुंबई में हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली के साथ फिर से सहयोग करने के लिए बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा की ये पूरी ट्रिप उनके प्रोजेक्ट्स को लेकर है।

प्रियंका अपने प्रोडक्शन हाउस पर भी फोकस करेंगी और तीन या चार प्रोजेक्ट्स फाइनल करेंगी। बताया गया है कि प्रियंका अपने बॉलीवुड कमबैक के चलते कई फिल्म निर्माताओं से मिल रही हैं। एक पीरियड एक्शन फिल्म के लिए वह संजय लीला भंसाली के साथ बातचीत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने फैंस से मांगी राय तो बोले- जहां हो, वहीं रहिए

उर्वशी को मिला टिकट राजनीति में एंट्री करेंगी

उर्वशी रौतेला ने कहा कि उन्हें टिकट मिला है और राजनीति में आने ना आने का फैसला उनका है। उर्वशी रौतेला ने फैंस से राय मांगी कि वो बताएं कि उन्हें पॉलिटिक्स में एंट्री करनी चाहिए या नहीं। इस पर यूजर्स के हैरान करने वाले रिएक्शन आए हैं।

अपने लग्जरी लाइफस्टाइल के लिए हमेशा चर्चा में रहने वालीं उर्वशी रौतेला अब राजनीति में उतरने का मन बना रही हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि उनकी बातों से जाहिर हो रहा है। उर्वशी रौतेला ने बताया है कि उन्हें टिकट मिला है, पर अभी इस पर विचार कर रही हैं। यही नहीं, उन्होंने फैंस से भी राय मांगी है कि वह राजनीति में उतरें और चुनाव लड़ें या नहीं। उर्वशी रौतेला कुछ दिन पहले ही तब सुर्खियों में आई थीं, जब उन्होंने अपने बर्थडे पर 24 कैरेट गोल्ड का केक काटा था। बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में चुनाव का टिकट मिलने की बात की।

उनसे जब पूछा गया कि उन्हें पॉलिटिक्स में कितनी दिलचस्पी है, और वह इसे कितना फॉलो करती हैं, तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, मुझे पहले ही टिकट मिला है। और अब मुझे फैसला लेना है कि राजनीति में जाना है या नहीं।

नोरा के लिए बॉलीवुड में रहना नहीं है आसान

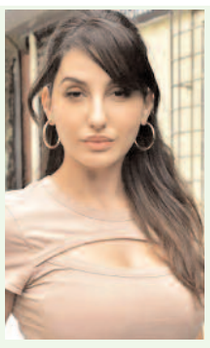

नोरा फतेही फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में अहम भूमिका में नजर आई हैं। दर्शक उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। नोरा अपने अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए कहती हैं, मैं खुद पर हर दिन काम कर रही हूं। मैं जो कल थी वो आज नहीं हूं। नोरा फतेही अपने मेहनत के दम पर धीरे-धीरे ही सही बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रही हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने अपनी शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। बाद में उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में काम किया। आज बॉलीवुड में उनकी पहचान एक सक्षम अभिनेत्री के रूप में होती है। हाल ही में अपनी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस के प्रमोशन के दौरान नोरा अपने करियर के उतार-चढ़ाव के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं। नोरा फतेही खुद को बेहतर बनाने में यकीन रखती हैं। उनसे जब ये पूछा गया कि क्या आपको अब भी फिल्मों में रोल पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, देखिए मैंने अपने करियर की शुरुआत बतौर डांसर की थी। शुरुआत में कई फिल्मों में मैंने आइटम नंबर भी किए थे। एक वक्त पर मुझे लगने लगा था कि मुझे टाइपकास्ट किया जा रहा है। मुझे खुद को रिपीट करना पसंद नहीं है। नोरा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, इंडस्ट्री में एक डांसर को कोई सीरियस भूमिका में कास्ट नहीं करना चाहता है।

कपिल शर्मा को कोर्ट से मिली बड़ी राहत

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। लंबे समय तक वह विवादों में भी घिरे रहे। दो साल पुराने मामले में कोर्ट ने उन्हें राहत दी है। दो साल पहले कॉमेडियन ने अपने 'कपिल शर्मा शो' के एक एपिसोड में कोर्ट रूम का सीन दिखाया था। इस दौरान जो एक्ट उन्होंने किया था उसी को लेकर वह मुसीबत में फंस गए थे।

बता दें कि कोर्ट रूम वाले एपिसोड में कपिल शर्मा और उनकी टीम ने एक एक्ट किया था। जिसमें कपिल शर्मा खुद वकील बने थे। उन्होंने इस दौरान कई डबल मीनिंग जोक मारे थे और वकील प्ले करते हुए शराब की मांग भी की थी। इसी को लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। ग्वालियर के मजिस्ट्रेट कोर्ट और सेशन कोर्ट के वकील सुरेश धाकड़ ने कपिल शर्मा और शो के मेकर्स के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। जिसमें कोर्ट और वकीलों की छवि को खराब करने की कोशिश का आरोप लगाया गया था। कोर्ट ने इस याचिका को खारिज करते हुए कपिल शर्मा को राहत दी है। बात कपिल शर्मा के शो की करें तो इसका नया सीजन 30 मार्च से शुरू हो रहा है। बड़ी बात ये है कि सालों पुराना झगड़ा भूल इस बार सुनील ग्रोवर इस शो का हिस्सा होने वाले हैं। इसके अलावा चर्चा ये भी है कि आमिर खान भी इस बार शो में नजर आने वाले हैं। पिछले 10 सालों में बॉलीवुड का लगभग हर स्टार इस शो में आया, लेकिन आमिर खान ने कभी शिरकत नहीं की। अब खबर आ रही है कि जो इतने सालों में नहीं हुआ वो अब होने वाला है। आमिर खान इस बार शो में मेहमान बनकर आने वाले हैं। फैंस इस सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नहीं बनेगा दिल चाहता है का सीक्वल?

फरहान के इस बयान ने तोड़ दिया फैंस का दिल

फरहान अख्तर ने अपने करियर में कई चर्चित और सफल फिल्मों का निर्देशन किया। डॉनके सीक्वल के साथ फरहान फिर से निर्देशक के कुर्सी पर वापस लौट रहे हैं, डॉन 3 के अलावा फरहान जी ले जरा को भी निर्देशित करने वाले हैं, जिसको लेकर खूब चर्चा है, लेकिन फरहान की बनाई एक फिल्म ऐसी भी है, जिसके सीक्वल का इंतजार दर्शक बीते 23 साल से कर रहे हैं। फरहान ने साल 2001 में दिल चाहता है का निर्देशन किया था। फरहान ने साल 2001 में फिल्म दिल चाहता है से निर्देशन के क्षेत्र में डेब्यू किया था। आमिर खान, सैफ अली खान और अक्षय खन्ना स्टारर इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, वही समीक्षकों ने भी इस फिल्म को खूब सराहा था।

यह फिल्म दर्शकों के बीच इतनी लोकप्रिय हुई की बीते 23 साल से दर्शकों के इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन हाल ही में एक साक्षात्कार में फरहान ने इस फिल्म के सीक्वल को लेकर जो कहा, वो दर्शकों का दिल तोड़ देने वाला है।

एक्ट्रेस नेहा ने कहा बिना फिल्टर के जीवन काफी बेहतर

चैट शो नो फिल्टर नेहा की मेजबानी करने वाली एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने कहा कि बिना फिल्टर वाला जीवन ताजगीपूर्ण, उत्साहपूर्ण और मजेदार होता है। नेहा ने बात करते हुए कहा कि अगर वास्तविक जीवन में कोई फिल्टर नहीं होता तो उन्हें कैसा महसूस होता, उन्होंने कहा मुझे ऐसा लगता है कि बिना फिल्टर के जीवन वास्तव में काफी ताजा है। यह मार्मिक, मजेदार और ईमानदार है लेकिन जब तक ये किसी को ठेस नहीं पहुंचाए, तब तक ही अच्छी है। नेहा ने कहा, अगर आप इसे अपने लिए कर रहे हैं और आप बेहतर महसूस करते हैं और आप आराम से बिस्तर पर जाते हैं, यह अहम बात है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि किसी की भावना को ठेस पहुंचाना जरूरी है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, आपके अपने स्तर पर अपने स्वयं के फिल्टर का होना वास्तव में अच्छा है। नेहा जल्द ही मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित आगामी वेब सीरीज थेरेपी शेरेपी में दिखाई देंगी। इसमें एक्ट्रेस गुलशन देवैया के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी।

तुषार कपूर प्रेरणा अरोड़ा की फिल्म डंक में शामिल हुए

निर्माता प्रेरणा अरोड़ा का अपने ओटीटी डेब्यू डंक को अविस्मरणीय अनुभव बनाने का दृढ़ संकल्प और मजबूत हो गया है। निधि अग्रवाल के अलावा, प्रेरणा अब प्रतिभाशाली तुषार कपूर को पहले कभी न देखे गए अवतार में लेकर आई हैं। तुषार, जो एक अभिनेता के रूप में अपनी विविधता के लिए जाने जाते हैं, डंक के साथ अपनी ओटीटी फिल्म की शुरुआत करने जा रहे हैं और जो बात इसे और भी खास बनाती है, वह यह है कि तुषार का किरदार उन्हें एक गहन और दिलचस्प अवतार में प्रस्तुत करता है।

तुषार, जिनके पीछे कई ब्लॉकबस्टर फिल्में हैं, एक महत्वाकांक्षी, मजबूत नेतृत्व वाले वकील की भूमिका निभाते नजर आएँगे, जो हार मानना नहीं जानता है। तुषार को पहले भी उनकी कॉमिक टाइमिंग के लिए सराहा गया है, लेकिन डंक में उनकी भूमिका के लिए वे वास्तव में अपनी सीमाएँ लाँघने और दर्शकों को आश्चर्यचकित करने वाला है।

डंक के लिए बोर्ड पर आने के बारे में बात करते हुए, तुषार ने कहा, ÷एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनना, जो हर किरदार को इतनी बारीकियों के साथ प्रस्तुत करती है, एक ऐसा अवसर है, जिसके लिए मैं हमेशा तैयार रहूँगा। डंक की कहानी और इसके पात्र मेरे लिए बहुत दिलचस्प हैं। मैं एक वकील की भूमिका निभा रहा हूँ, जो हार नहीं मानता है और सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास करता है। प्रेरणा की कहानियों का चयन अतीत में बड़ी हिट साबित हुई है और मुझे उसकी दृष्टि पर पूरा भरोसा है।

विक्की कौशल ने बताया, कैसे आगे बढ़ी उनकी और कैटरीना की प्रेम कहानी

हाल ही में शाहरुख खान अभिनीत फिल्म डंकी में दिखाई देने वाले बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल ने अपनी और पत्नी कैटरीना की प्रेम कहानी पर प्रकाश डाला। एक्टर ने शेयर किया कि दोनों के बीच रोमांस कैसे शुरू हुआ। कुछ सालों की डेटिंग के बाद दोनों ने दिसंबर 2021 में शादी की ली थी। विक्की हाल ही में स्ट्रीमिंग चैट शो नो फिल्टर नेहा के छठे सीजन में दिखाई दिए। एक्टर ने फैंस को अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बताया। एक्टर ने कहा, ÷यह सिर्फ ऐसा था जैसे दो लोगों ने मुलाकात कर एक-दूसरे में एक कनेक्शन ढूंढा हो। हम मिलते रहे जैसे कि दोनों में कोई संबंध है। हम इसे अगले स्तर पर नहीं ले गए, हमें बस यही लगा कि ठीक है, यह बिना प्रयास के हो रहा है। यह बिल्कुल स्वाभाविक रूप से सही लग रहा था और ऐसा ही हुआ। नो फिल्टर नेहा सीजन 6, हर गुरुवार को जियो टीवी और जियो टीवी प्लस पर प्रसारित होता है।